हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची • रविवार • 16.11.2025 • वर्ष : 16 • अंक : 111 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

रजत पर्व का उत्सव

धरती आबा की जयंती एवं स्थापना दिवस

झारखण्ड 25
अनंत संभावनाओं की ओर

आज का कार्यक्रम

जतरा

समय: 11 बजे पूर्वाह्न से 01 बजे अपराह्न तक
स्थान: जैप - 1 ग्राउंड, डोरंडा, रांची से बिरसा मुंडा स्मृति पार्क, जेल चौक तक

सांस्कृतिक कार्यक्रम

समय: 04 बजे अपराह्न से 08 बजे रात्रि तक
स्थान: मोरहाबादी मैदान, रांची

- रिदम ऑफ फॉक
- शास्त्रीय नृत्य एवं समकालीन आधुनिक नृत्य
- झारखण्ड के कलाकार **टॉम मुर्मू** की प्रस्तुति
- ड्रोन शो
- बॉलीवुड प्ले बैक सिंगर **श्रीमती शिल्पा राव** एवं दल की प्रस्तुति

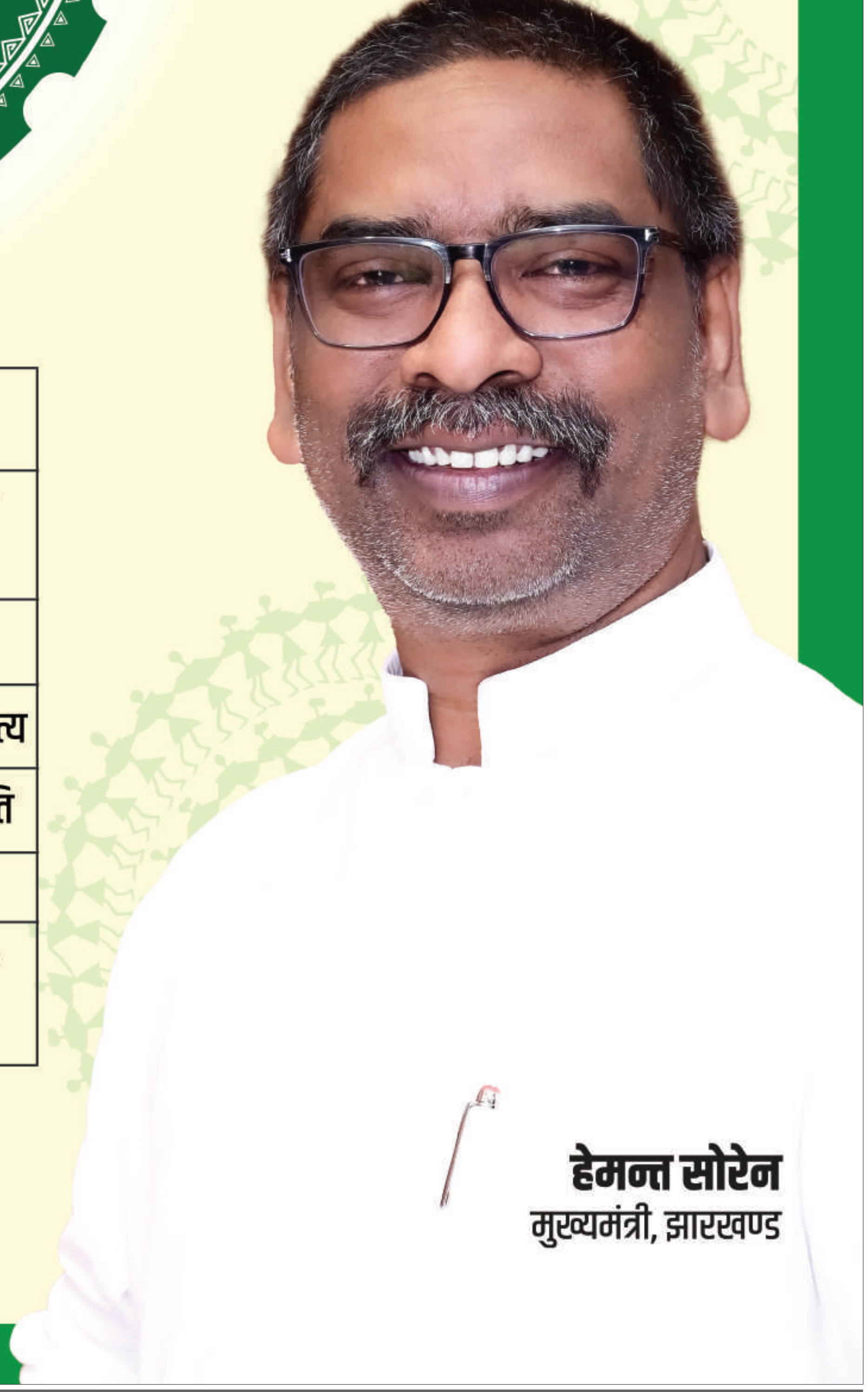

हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

PR- 366145 (IPRD) 25-26

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

एक नजर

कर्णपुरा इंटर कॉलेज बड़का गांव में बाल दिवस मनाया गया

बड़कागांव : कर्णपुरा इंटर कॉलेज बड़कागांव में बाल दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसका शुभारंभ सीकरी थाना के सहायक अवर निरीक्षक इंद्रजीत कुमार उपाध्याय ने दीप प्रज्वलित कर तथा जवाहरलाल नेहरू के तस्वीर पर माल्यार्पण कर प्रारंभ किया। सचिव प्रो. रामसेवक ने माल्या अर्पण कर कार्यक्रम को आगे बढ़ाया इस बाल दिवस के शुभ अवसर पर छात्र छात्राओं ने केक काटकर पंडित जवाहरलाल नेहरू जन्मदिन बाल दिवस के रूप में बड़े ही उत्साह के साथ मनाया गया। प्रो. अक्षय पांडे, प्रो, आशा कुमारी, प्रो. शिवम कुमार गिरी ललिता कुमारी ने पुष्प अर्पित किया। छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, भाषण, कविता एवं नृत्य के माध्यम से बाल दिवस के महत्व को बताया। शिक्षकों ने भी बच्चों को मेहनत, अनुशासन, सद्भावना और शिक्षा के प्रति समर्पण का संदेश दिया। युवा नेता सोनू इराकी ने बच्चों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बच्चे ही देश का भविष्य हैं, उनकी सुरक्षा, शिक्षा और स्वस्थ विकास हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी बच्चों तथा शिक्षकों को इस सफल आयोजन के लिए बधाई दी।

डायन बिसाही कुप्रथा सभ्य समाज के लिए अभिशाप, रोक जरूरी : डॉ सुनील दत्त

बरही : झारखंड नेशनल पब्लिक स्कूल के प्रांगण में झारखंड स्थापना के 25 वर्ष पूरे होने पर रजत जयंती समारोह पखवाड़ा के साथ बिरसा मुंडा जयंती एवं सरकार के द्वारा चलाए जा रहा डायन प्रथा अंधविश्वास के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाया गया। जिसमें कई बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। विद्यालय प्रबंधन के द्वारा 14 नवंबर को बाल दिवस के शुभ अवसर पर खेल प्रतियोगिता करवाया गया। जिसमें बच्चों को दौड़, कबड्डी, क्रिकेट, कुर्सी रेस जैसे खेल करवाए गए। इस समारोह में बच्चों द्वारा स्पीच दिया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि डायन प्रथा जैसी अंधविश्वास जो समाज के लिए एक रोग की तरह है यह मानव एवं मानवता के लिए घातक है। इस पर नियंत्रण जरूरी है। विद्यालय प्राचार्य सुशील कुमार ने पंडित जवाहरलाल नेहरू के जीवन पर प्रकाश डाला। विद्यालय निवेदक डॉ सुनील कुमार दत्ता ने झारखंड स्थापना दिवस पर कहा कि भगवान बिरसा मुंडा एक महान क्रांतिकारी थे । जिन्होंने झारखंड के जंगलों को बचाने के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। आज झारखंड की खूबसूरती अगर बची हुई है तो उसमें भगवान बिरसा मुंडा का बहुत बड़ा योगदान है ।

झारखंड स्थापना दिवस पर सांसद ने धरती आबा को किया नमन

हजारीबाग : धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती सह जनजातीय गौरव दिवस और झारखंड स्थापना दिवस के अवसर पर हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने शनिवार की सुबह हजारीबाग स्थित भगवान बिरसा मुंडा चौक पहुँचे। उन्होंने वहाँ स्थापित भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और नारे-जयकारे बुलंद करते हुए उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया।

इस अवसर पर सांसद मनीष जायसवाल ने सभी देश वासियों को जनजातीय गौरव दिवस और झारखंड स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि धरती आबा का संघर्ष और बलिदान हमें आदिवासी समाज के गौरवशाली इतिहास और संस्कृति को संजोने के लिए प्रेरित करता है। उनका जीवन त्याग, समर्पण और शौर्य का प्रतीक है। उन्होंने यह भी कहा कि जनजातीय गौरव दिवस' उस संघर्ष और स्वाभिमान की गूंज है, जिसकी मशाल भगवान बिरसा मुंडा जैसे महापुरुषों ने जलाई।

हजारीबाग को मिली नई सौगात, कनहरी हिल के नीचे बायोडायवर्सिटी पार्क जनता को समर्पित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : 'हजारीबाग का दिल' कहे जाने वाले यहां के प्रसिद्ध झील और कनहरी हिल की प्राकृतिक खूबसूरती अब एक नए आयाम देने का सकारात्मक प्रयास नितदिन जारी है। हजारीबागवासियों की जान बसने वाली इस प्राकृतिक धरोहर को और निखारने के लिए कनहरी हिल परिसर में बायोडायवर्सिटी पार्क का निर्माण कार्य पूरा हो गया है और यह पार्क अब आम जनता के लिए खोल दिया गया है। तत्कालीन सदर विधायक और वर्तमान सांसद मनीष जायसवाल के सकारात्मक प्रयासों से यह परियोजना साकार हुई है। वन विभाग द्वारा साल 2023 के जुलाई महीने में शुरू हुआ निर्माण कार्य अब मूर्त रूप ले चुका है, जो हजारीबाग के प्रकृति प्रेमियों के लिए एक नया तफरीह का केंद्र बन गया है। करीब 3 करोड़ 7 लाख रुपये की लागत से 6 हेक्टेयर में फैले इस जैव विविधता पार्क में कई आकर्षक चीजें हैं। कई जंगली जानवरों और पशु-पक्षियों ससहित जैव-विविधता के मनमोहक स्टेच्यू स्थापित किए गए हैं। कनहरी के जंगलों के बीच से होकर गुजरने वाला यह पार्क, यहां स्थित आकर्षक तालाब और हरियाली के बीच कनहरी हिल को निहारने का एक अनोखा और सुखद अनुभव प्रदान करेगा। शनिवार को पार्क के उद्घाटन के अवसर पर हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल बतौर अतिथि पहुंचे और पार्क का विधिवत अवलोकन किया। इस दौरान स्थानीय वन विभाग के अधिकारियों और कर्मियों ने उनका भव्य स्वागत किया। सांसद मनीष जायसवाल ने पार्क परिसर में महोगनी का पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। पौधारोपण के दौरान वन संरक्षण से संबंधित खोरठा गीत सामूहिक रूप से गया गया और लोगों ने वृक्ष संरक्षण के नारे भी बुलंद किए। सांसद मनीष जायसवाल ने पार्क अवलोकन के क्रम में यहां स्थित तालाब में हंस के जोड़ो को भी छोड़ा। यह पार्क अब जनता को समर्पित है हालांकि यहां शुल्क पर प्रवेश की व्यवस्था की गई है। सांसद मनीष जायसवाल ने हजारीबाग के प्रकृति प्रेमियों को ध्यान में रखते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को जल्द से जल्द मंथली पास की व्यवस्था शुरू करने का निर्देश दिया है। सांसद जायसवाल ने इस अवसर पर कहा कि पार्क को संरक्षित रखना यहां आने वाले हरेक लोगों और सैलानियों का कर्तव्य होना चाहिए, तभी इसकी सार्थकता सिद्ध होगी। उन्होंने कहा कि हम भविष्य में इसे और सुव्यवस्थित एवं विकसित करने का प्रयास जरूर करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि यह नया बायोडायवर्सिटी पार्क न केवल हजारीबाग की सुंदरता में चार चांद लगाएगा, बल्कि शहरवासियों को प्रकृति के करीब आने का एक शांत और मनोरंजक तफरीह भी साबित होगा।

झारखंड स्थापना दिवस पर झारखंड आंदोलनकारियों को किया गया सम्मानित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चलकुशा : प्रखंड मुख्यालय परिसर में झारखंड की 25 वीं स्थापना दिवस पर मुख्यालय परिसर में बींस सुत्री अध्यक्ष सलीम अंसारी जिप सदस्य सविता सिंह बीडीओ अमृता सिंह सीओ नवीन भुषण कुल्लू के नेतृत्व में बड़ी भागवत बिरसा मुंडा के चित्र पर पुष्प माला अर्पित कर नमः किया गया। इस दौरान झारखंड आंदोलनकारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान जिप सदस्य सविता सिंह मुखिया संघ अध्यक्ष आलोक सिंह, विधायक प्रतिनिधि दिनेश सिंह कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष मोइन उदीन प्रमुख प्रतिनिधि दीपक चौधरी ने कहा कि जिन जिन लोगों झारखंड आंदोलनकारियों के नाम पर सम्मानित किया गया है। जिसमें कई ऐसे लोग को भी सम्मानित कर दिया गया है जो आंदोलन के समय में पांच से दस वर्ष के उम्र का थे। इस लिए सरकार एवं उपायुक्त से मांग करते हैं कि सच्चे लोग को चिंहित कर सम्मानित करें। सम्मानित कार्यक्रम में रामजीत रजक, अजमल हुसैन, कुर्बान अंसारी, द्रौपदी देवी इत्यादि लोग शामिल थे।

बिरसा मुंडा और नारायणदास ग्रोवर की जयंती हमें सेवा और समर्पण की प्रेरणा देती है : हर्ष अजमेरा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : एन.डी. ग्रोवर मेमोरियल लाइब्रेरी में शनिवार को भगवान बिरसा मुंडा और महात्मा नारायणदास ग्रोवर की जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि युवा समाजसेवी हर्ष अजमेरा शामिल हुए। उनकी उपस्थिति से समारोह में नई ऊर्जा और सकारात्मकता का संचार हुआ। समारोह में राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित अशोक कुमार तथा तरंग ग्रुप के संचालक अमित कुमार भी मौजूद रहे। जिनकी सहभागिता ने कार्यक्रम की महत्ता को और बढ़ा दिया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन और पुष्प अर्पण से हुई, जहां उपस्थित सभी लोगों ने दोनों महापुरुषों के योगदान को नमन किया। समारोह के दौरान बच्चों को

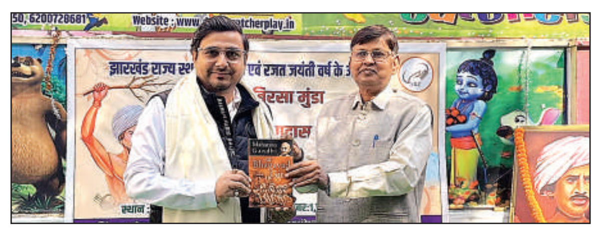

सम्मानित भी किया गया। बच्चों को पुरस्कार और प्रमाणपत्र मिलने पर उनके चेहरों पर उत्साह और गर्व की झलक साफ दिखाई दी। उपस्थित अभिभावकों और अतिथियों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों को उत्कृष्टता की ओर प्रेरित करते हैं। अपने संबोधन में हर्ष अजमेरा ने भगवान बिरसा मुंडा के संघर्ष,त्याग और समाज के अधिकारों के लिए उनके अद्वितीय योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बिरसा मुंडा सिर्फ एक नाम नहीं बल्कि आदिवासी अस्मिता, साहस और संघर्ष का प्रतीक हैं, जिनके आदर्श आज भी समाज को नई दिशा देते हैं। साथ ही उन्होंने महात्मा नारायणदास ग्रोवर के शिक्षा, समाजसेवा और मानवता आधारित कार्यों को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि महात्मा ग्रोवर जैसे व्यक्तित्व समाज को संस्कार, सेवा और सद्भाव का रास्ता दिखाते हैं, और उनकी जयंती हमें उनके पदचिन्हों पर चलने की प्रेरणा देती है।

आंदोलनकारियों को शीघ्र पेंशन दे सरकार नहीं तो करेंगे आंदोलन : कोलेश्वर गंझु

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड मुख्यालय प्रांगण में झारखंड राज्य स्थापना की 25वीं वर्षगांठ रजत जयंती को लेकर 250 झारखंड आंदोलनकारीओ के बीच प्रशस्ति पत्र का वितरण किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बड़का गांव बीडीओ जितेंद्र कुमार मंडल एवं संचालन बड़कागांव मध्य पंचायत के पंचायत समिति सदस्य रितेश ठाकुर ने किया। इस दौरान मुख्य अतिथि प्रमुख फुलवा देवी ने बिरसा मुंडा की तस्वीर पर दीप प्रज्वलित कर एवं पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दिया। बारी-बारी से आंदोलनकारी ने सभा को संबोधित किया एवं अपने आंदोलन के समय में किए गए कार्यों को लोगों के बीच शेयर किया। आंदोलनकारी कोलेश्वर गंझु ने कहा कि झारखंड अलग राज्य आंदोलन करने में कई लोगों ने अपनी जान दी जेल गए। हम लोग आर्थिक बंदी ,रेल रोको सड़क जाम के अलावा अन्य कई ऐसे कार्य किया जिसका सीधा प्रभाव सरकार के ऊपर पड़ता गया। जिसका परिणाम आज हमें अलग झारखंड राज्य मिला है। झारखंड सरकार हम आंदोलनकारीयों को शीघ्र पेंशन दे अन्यथा हम लोग आंदोलन करने को बाध्य होंगे।बताते चलें कि बड़का गांव प्रखंड में फिलहाल झम्मन महतो एकमात्र आंदोलनकारी हैं जिन्हें पेंशन मिल रही है। वही सीओ मनोज कुमार ने कहा कि झारखंड अलग राज्य निर्माण के लिए जो भी ,लोग आंदोलन किए हैं , प्रक्रिया के तहत सभी की सूची बनाकर शीघ्र आगे भेजी जाएगी। मौके पर उपस्थित लोगों में मुख्य रूप से बीडीओ जितेंद्र कुमार मंडल, मुखिया संघ अध्यक्ष रंजीत कुमार, विधानसभा सांसद प्रतिनिधि पूनम साहू, उप प्रमुख वचन देव कुमार, आशीष कुमार ,आंदोलनकारी में कोलेश्वर गंझु, पंसस उपेंद्र प्रसाद, सोहनलाल मेहता, राम लखन महतो, योगेंद्र महतो, कैलाश राणा, विशेश्वर राम ,खेमलाल राम, मोहन सोरेन, बालेश्वर महतो भोला महतो के अलावा दर्जनों लोग उपस्थित थे।

सरगम इंटरनेशनल स्कूल में बिरसा मुंडा की जयंती एवं झारखंड स्थापना दिवस मनाया गया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : हजारीबाग रोड बड़कागांव स्थित संचालित सरगम इंटरनेशनल स्कूल में झारखंड स्थापना दिवस तथा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर स्कूल में क्विज कंपटीशन डिबेट एवं नन्हे मुन्ने बच्चों के द्वारा फैंसी ड्रेस कंपटीशन रखा गया। एवं साथी बच्चों के द्वारा पूरे साल भर का विभिन्न क्रियाकलाप जैसे खेल, पेंटिंग, रंगोली, अनुशासन आदि के विजेताओं को मेडल एवं शिल्ड दे कर सम्मानित किया गया। सरगम इंटरनेशनल स्कूल के प्राचार्य मुसर्रत प्रवीण ने कहा हमारे स्कूल शैक्षिक क्रियाकलापों के साथ-साथ अशैक्षिक क्रियाकलापों को भी करवाया जाता है जिससे बच्चों का सर्वांगीण विकास किया जा सके। इसके लिए उन्होंने इसका श्रेय अपने शिक्षको को दिया। इस अवसर पर स्कूल के निदेशक राजेश सोनी ने कहा की हमारा स्कूल प्रबंधन बच्चो के सर्वांगीण विकास पर जोर देता है। जिससे उनका पढ़ने में रुचि बना रहे। इस अवसर पर स्कूल के अध्यक्ष सहेस्वर दांगी, उपाध्यक्ष सरोज सोनी, सचिव शंकर कुमार, कोषाध्यक्ष विनोद साव, उपसचिव शंकर कुमार एवं किशोर, कुतुबुद्दीन, सपना, प्रियंका, खुशी, शिल्पा, शिक्षक एवं शिक्षिकाएं मौजूद थे।

जनजातीय विकास के प्रति समर्पित एनडी ग्रोवर जी का जीवन भगवान बिरसा मुंडा के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि थी : डॉ आशुतोष

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : शनिवार को डीएवी पब्लिक स्कूल बरही के प्रांगण में जनजातीय गौरव भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के साथ-साथ कर्म योगी, शिक्षा के प्रणेता महात्मा नारायण दास ग्रोवर की जयंती पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर विद्यालय प्रांगण में बाल मेला सह प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है । इसके अंतर्गत बच्चों ने अपने अनुभवों की सुंदर प्रस्तुति के साथ-साथ व्यापार और कला के गुण भी सीखे। इस अवसर पर अतिथि के तौर पर कोबरा 203 के द्वितीय कमान अधिकारी गौरव कुमार, के के सिंह प्रोजेक्ट मैनेजर एन एच ए आई, राजकुमार शाह और

अश्वनी कुमार पंजाब नेशनल बैंक बरही, मधेशिया स्वीट्स के ओनर मुकेश मधेशिया जी की प्रमुख उपस्थिति रही। इस अवसर पर अतिथि महोदय ने अपने बचपन को याद करते हुए बच्चों को अपने बचपन को पूरे मनोभाव से जीने का संदेश दिया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य डॉ आशुतोष कुमार मैढ़ ने कहा कि भगवान बिरसा जनजातीय गौरव के प्रतिरूप थे। अतः हमें, उनके किए कार्यों को याद करते हुए आगे आने वाले भविष्य में उसी पथ का चयन करते हुए आगे बढ़ने की आवश्यकता है। जिससे आदिवासी समाज के साथ-साथ संपूर्ण समाज का चौमुखी विकास हो । रोटी कपड़ा और मकान के साथ-साथ शिक्षा की लौ भी जलानी होगी। इसी क्रम में झारखंड के साथ-साथ पूरे पूर्वी भारत में शिक्षा की ज्योत जगाने वाले महात्मा नारायण दास ग्रोवर जी को याद करते हुए प्राचार्य महोदय ने कहा इन्होंने अपना संपूर्ण जीवन शिक्षा के विकास में समर्पित कर दिया था।इसके साथ साथ झारखंड के आदिवासी क्षेत्रों में उनके हक की लड़ाई के लिए सर्वप्रथम उनको शिक्षित करते हुए उनके स्वास्थ्य की देखभाल करने के लिए भी उन्होंने महत्वपूर्ण प्रयास किए । महात्मा नारायण दास दयानंद के दिखाए रास्ते पर चलते हुए देश और समाज को शिक्षा के रास्ते पर अग्रसर करते हुए उन्हें सही राह दिखाने की पूरी कोशिश की। सादगी, लग्न शीलता ,कर्म योगी जैसी विशेषताएं महात्मा नारायण दास ग्रोवर जी की पहचान थी। जरूरत है हम सभी को उनके दिखाए रास्ते पर चलते हुए समाज और देश को विकसित करने की। अगर हम उनके दिखाए रास्ते पर चलेंगे तभी हमारा उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। विद्यालय के संगीत शिक्षक दीपक कुमार के निर्देशन में विद्यालय की छात्र-छात्राओं ने सुंदर गीत की प्रस्तुत करते हुए बाल मेला को और भी महत्वपूर्ण बना दिया। इस अवसर पर विद्यालय के सभी शिक्षक और शिक्षिकाओं की महत्वपूर्ण उपस्थिति रही।

संक्षिप्त खबरें

निजी खर्च कर मुखिया ललिता देवी ने बनवाई 1.5 किमी मिट्टी मोरम का बाईपास रोड

बरकट्ठा : बेलकप्पी पंचायत की मुखिया ललिता देवी ने अपने निजी खर्च से लगभग 1.5 किमी का मिट्टी मोरम का बाईपास रोड बनवाया। यह रोड बेलकप्पी बुनियादी विद्यालय से कहार टोला भाया देवी मंडप तक मिट्टी मोरम का नया रोड मुखिया ललिता देवी ने निजी खर्च ने बनाया जा रहा है। रोड निर्माण कार्य को मुखिया ललिता देवी ने फीता काटकर शुभारंभ किया। मुखिया ललिता देवी ने बताया कि बेलकपी देवी मंडप जाने का ए गांव के बीचों बीच एक ही मुख्य रास्ता है ,जिससे रास्ते में गाड़ियों के आवागमन में कठिनाई हो रही थी। जिससे आम जनता को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था एवं दुर्घटना भी होती थी। जिसके कारण मुखिया ग्रामीणों की मांग पर खुद पहल कर अलग से बाईपास रोड बनाया जा रहा है। जिससे देवी मंडप तक जाने में कोई परेशानी नहीं होगी। बेलकप्पी का एक अलग से बाईपास रास्ता बन जाने से ग्रामीण जनता में खुशी की लहर है। इस नया बाईपास रोड बनने से ग्रामीण जनता ने मुखिया ललिता देवी एवं झारखंड आंदोलनकारी धीरेन्द्र पांडेय का आभार व्यक्त किया। इस ऐतिहासिक कार्य के उद्घाटन में झारखंड आंदोलनकारी धीरेन्द्र पांडेय, समाजसेवी नंदू राणा , अशोक नायक, ईश्वर नायक, छोटी राम, ललितेश्वर पाण्डेय, दौलत पाण्डेय, अमर पाण्डेय, विंध्याचल पाण्डेय, कैलाश राणा, भीम राम, ज्ञानदीप पाण्डेय, नरेश ठाकुर, राहुल पाण्डेय, अर्जुन यादव, विकास राम, अरविंद राणा, प्रिंस कुमार, आकाश पासवान, अनुराग भारती, ढालचंद साव, बैकुंठ पांडेय महिलाएं बच्चे एवं अन्य ग्रामीण जनता उपस्थित थे।

प्रवासी श्रमिकों के समस्याओं के समाधान के प्रति संकल्पित है नव झारखंड फाउंडेशन : किशोरी राणा

हजारीबाग : भगवान बिरसा मुंडा की जयंती मुंबई में महानगर के अरे कॉलोनी और चिंचोली फाटा नायगांव में शनिवार को प्रवासी श्रमिकों ने हर्षोल्लास के साथ मनाई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में प्रवासी परिवारों व मजदूरों ने भाग लिया। जयंती आयोजन के केंद्र में एक ही संदेश गूंजता रहा धरती आबा के आदर्श सिर्फ इतिहास नहीं, आज के प्रवासी जीवन में भी मार्गदर्शन हैं। इस अवसर पर नव झारखंड फाउंडेशन के केंद्रीय अध्यक्ष किशोरी राणा, झारखंडवासी महाराष्ट्र युवा संघ के अध्यक्ष मनोज सिंह , सुमन रजक, अमर सिंह, अभय तिवारी, तुलेश्वर यादव सहित नायगांव क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष राजू गवारे भी अपनी पूरी टीम के साथ शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान प्रवासी मजदूरों की समस्याओं पर विशेष चर्चा की गई। मजदूरों ने बताया कि मुंबई जैसे महानगर में अस्थायी नौकरी, ऊँचा किराया, स्वास्थ्य सुविधाओं तक सीमित पहुँच, बच्चों की पढ़ाई में रुकावट और स्थानीय दस्तावेजों की कमी सबसे बड़ी चुनौतियाँ हैं। कई प्रवासी परिवारों ने कहा कि वे वर्षों से यहां काम कर रहे हैं, लेकिन स्थायी पहचान और सुरक्षा की कमी के कारण हमेशा असुरक्षित महसूस करते हैं।
इन समस्याओं के समाधान के तौर पर नव झारखंड फाउंडेशन ने कुछ सार्थक पहल की जिसमे प्रवासी सहायता काउंटर स्थापित करना ताकि मजदूरों को नौकरी, दस्तावेज और कानूनी सहायता तुरंत मिल सके। सस्ती किराये पर हॉस्टल व्यवस्था व सामुदायिक आवास की दिशा में स्थानीय संस्थाओं के साथ सहयोग। बच्चों के लिए सप्ताहांत शिक्षा केंद्र खोलना ताकि पढ़ाई बाधित न हो। स्वास्थ्य शिविरों और बीमा योजना की जानकारी प्रवासियों तक पहुँचाना। अंत में बिरसा मुंडा के जयघोष के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। वक्ताओं ने कहा कि धरती आबा की लड़ाई हमें प्रेरित करती है कि प्रवासी मजदूरों के अधिकार और सम्मान सुनिश्चित करना ही उनकी जयंती का सबसे बड़ा संदेश है। मौके पर सुरेंद्र गुप्ता, राजेश सिंह, मनोज सिंह, अरविंद आर्या, विजय प्रसाद, मनोज गुप्ता, रंजीत यादव, सहदेव साव, झरी पंडित, उमा शंकर मोदी समेत दर्जनों प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

चलकुशा में विधायक प्रतिनिधि ने एफसीआई गोदाम का किया शिलान्यास

चलकुशा : प्रखंड स्थित एफसीआई गोदाम का मरम्मती कार्य का शिलान्यास विधायक प्रतिनिधि दिनेश सिंह बीडीओ अमृता सिंह प्रखंड खाद्य आपूर्ति पदाधिकारी गणेश प्रजापति ने संयुक्त रूप से विधिवत पूजा कर एवं नारियल फोड़कर किया। मौके पर संजय कुमार, शंकर ठाकुर,रामू मालाकार,अजय कुमार इत्यादि लोग शामिल थे।

पदमा में फ्रेंडली फुटबॉल मैच, अंचल सह प्रखंड टीम ने मारी बाजी

पदमा : पदमा प्रखंड के रोमी मैदान में अंचल सह प्रखंड कर्मियों और पत्रकारों के बीच एक दिवसीय फ्रेंडली फुटबॉल मैच का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि बीडीओ निधी रजवार, जिला परिषद सदस्य बसंत नारायण मेहता, प्रमुख वीना देवी सहित अन्य अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर एवं किक मारकर मैच का शुभारंभ किया। खेल के दौरान दोनों टीमों ने शानदार प्रदर्शन किया। मध्यांतर तक अंचल सह प्रखंड कर्मियों की टीम एक गोल से आगे रही और अंत तक अपनी बढ़त बरकरार रखी। खेल रोमांचक पल के साथ संपन्न हुआ। विजेता अंचल टीम को मुख्य अतिथि बीडीओ एवं जिप सदस्य ने बड़ा कप देकर सम्मानित किया, जबकि उपविजेता पत्रकार टीम को छोटा कप प्रदान किया गया। इस अवसर पर स्थानीय ग्रामीण और खेल प्रेमी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

हिन्दी दैनिक
प्रत्यूष नवबिहार
जोहार
रांची संस्करण
www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com
रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित
रांची • रविवार • 16.11.2025 • वर्ष : 16 • अंक : 111 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री ने राज्य स्थापना की 25वीं वर्षगांठ पर 8 हजार 7 सौ 99 करोड़ रुपये की 1087 योजनाओं का किया उद्घाटन- शिलान्यास

अब हमारा राज्य देश के अग्रणी राज्यों के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने को तैयार है : मुख्यमंत्री

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती एवं झारखंड राज्य स्थापना की 25वीं वर्षगांठ के अवसर पर मोरहाबादी मैदान, रांची में शनिवार को राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में राजपाल संतोष कुमार गंगवार उपस्थित रहे, वहीं मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि आज का दिन हम सभी के लिए काफी मायने रखता है। यह हम सभी के लिए गौरव का दिन है। एक तरफ हम धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150 वीं जयंती मना रहे हैं तो दूसरी तरफ झारखंड राज्य के गठन का रजत पर्व उत्सव। इस मौके पर सभी अमर वीर- वीरांगनाओं और उन पूर्वजों को नमन करता हूं , जिन्होंने इस राज्य के लिए शहादत दी। अपने इन वीर शहीदों और पूर्वजों के सपनों का झारखंड बनने के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध हैं।

... तो इस मंच पर दिशोम गुरु शिबू सोरेन भी होते

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज पूरे उत्साह के साथ झारखंड राज्य स्थापना दिवस मनाया जा रहा है। लेकिन, इस बार मेरा मन थोड़ा व्यथित हैं। क्योंकि, दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी अब हमारे बीच नहीं है। वह आज जीवित होते तो इस मंच की गरिमा और बढ़ जाती। स्मृति शेष शिबू सोरेन जी अलग राज्य के निमार्ता और प्रणेता थे । वे हमारे मार्गदर्शक थे। आदिवासी- मूलवासी एवं हर झारखंडी की वे पहचान थे। उनके संघर्ष तथा योगदान को कभी भूल नहीं सकते हैं।

पूर्वजों के संघर्ष का ही नतीजा है कि आज हर झारखंडी सिर उठा कर खड़ा है

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस राज्य ने धरती बाबा भगवान बिरसा मुंडा, सिदो कान्हू, नीलाम्बर- पीताम्बर एवं टाना भगत जैसे कई वीर सपूतों को जन्म दिया है। उन्होंने इस देश और राज्य के लिए अपनी शहादत दी। हमारे पूर्वजों ने जल- जंगल- जमीन की रक्षा अन्याय और शोषण के खिलाफ विद्रोह और अपनी विरासत तथा अलग राज्य के लिए लंबा संघर्ष किया। अपने इन वीर शहीदो और पूर्वजों की वजह से हमें अलग पहचान मिली । उनकी शहादत और त्याग का नतीजा है कि आज हर झारखंडी, मूलवासी- आदिवासी सिर उठाकर खड़ा है और गर्व के साथ कह सकता है- हम झारखंडी हैं।

आदिवासी इस देश के मूलवासी हैं, प्रथम वासी हैं

मुख्यमंत्री ने कहा कि जल जंगल और जमीन की खातिर हमारे आदिवासी- मूल वासियों में अपना सब कुछ न्योछावर कर दिया था। आदिवासी इस देश के मूलवासी हैं...प्रथम वासी हैं । आज हमें अपनी परंपरा और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने के साथ समृद्ध करना है । विश्व पटल पर इसे स्थापित करना है । इसके लिए सभी को कदम से कदम मिलाकर चलना होगा।

विकसित देश के लिए विकसित राज्य और विकसित गांव बनाना होगा

मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित देश तभी बन सकता है जब राज्य विकसित होगा और राज्य तभी विकसित होगा जब हमारा गांव विकसित होगा। हमारी सरकार इसी बात को ध्यान में रखकर गांव को मजबूत बनाने की दिशा में पूरी ताकत के साथ काम कर रही है। गांव की समृद्धि से ही राज्य और देश की खुशहाली- उन्नति का रास्ता खुलता है।

प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध है झारखंड

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध राज्य है। प्रकृति ने इस राज्य की धरती के अंदर और धरती के ऊपर अनेकों चीज दी है। यह राज्य सिर्फ खनिज संसाधनों नहीं बल्कि पर्यटन और खेल जैसे कई क्षेत्रों में अलग पहचान के लिए जाना जाता है। यहां के मेहनतकश श्रम बल आज देश को आगे ले जाने में अहम भूमिका निभा रहा है। हमारी सरकार अपनी इन क्षमताओं को पहचानते हुए एक ऐसा रास्ता तैयार करने का प्रयास कर रही है , जहां आने वाली पीढ़ी को आगे बढ़ने के लिए अपार संभावनाएं दिखे।

विश्व पटल पर भारत की पहचान है तो उसमें झारखंड की बहुत बड़ी भूमिका है

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज विश्व पटल पर भारत की पहचान बनी है तो उसमें झारखंड की बहुत बड़ी भूमिका है। यहां के खनिज संसाधनों से देश भर के कल-कारखाने चल रहे हैं। व्यापार को बढ़ावा मिल रहा है। इस राज्य ने देश को खनिज संसाधनों के साथ श्रम बाल भी दिया है, जिसकी बदौलत देश विकसित होने की राह पर आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 25 वर्षों में इस राज्य में काफी कुछ बदला है । राज्य में अब और तेजी से बदलाव हो रहा है। राज्य को आगे ले जाने में जो व्यवधान आ रहे थे, उसे दूर करने का प्रयास हो रहा है । मैं कह सकता हूं कि आज झारखंड देश के अग्रणी राज्यों के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने को तैयार है।

महिलाओं को बना रहे हैं सशक्त

मुख्यमंत्री ने कहा कि आधी आबादी को सशक्त बनाने के लिए हमारी सरकार ने निर्णायक कदम उठाए हैं। मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का प्रभाव साफ देखने को मिल रहा है। आज हमारी सरकार शुरू की गई इस योजना को कई अन्य राज्यों द्वारा भी अमल में लाया गया है। महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़े, इसके लिए सरकार हर मोर्चे पर उन्हें सहयोग कर रही है।

नए -नए आयाम जोड़े जा रहे हैं

मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल और पर्यटन समेत सभी क्षेत्रों में कई नए आयाम जोड़ने का काम हमारी सरकार कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य को सजाने- संवारने और सर्वांगीण विकास के लिए हर किसी को अपनी दायित्व का निर्वहन करना होगा। सभी के सहयोग से अपने झारखंड को एक मजबूत राज्य बना सकते हैं।

आने वाले 25 वर्षों को ध्यान में रखकर हमें आगे बढ़ना है

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज हम झारखंड राज्य की 25वीं वर्षगांठ बना रहे हैं लेकिन, हमें आने वाले 25 वर्षों को ध्यान में रखकर प्रकृति के साथ संतुलन बनाते हुए झारखंड बनाने की तैयारी करनी होगी। हमारे पूर्वजों ने जो गरीबी, शोषण और अत्याचार का दंश झेला है। उससे बाहर निकल कर अपने को इस कदर मजबूत बनाना है कि हम अपने साथ इस राज्य को भी ताकत देने का काम कर सकें। राजपाल एवं मुख्यमंत्री ने समारोह स्थल परिसर में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अनावरण किया। यहां इमर्सिव जोन में झारखंड राज्य के 25 वर्षों के सफर, भगवान बिरसा मुंडा समेत सभी अमर वीर शहीदों तथा दिशोम गुरु स्मृति शेष शिबू सोरेन जी की गाथा का अवलोकन किया। वहीं, झारखंड की 25 वर्षों की गाथा तथा उपलब्धियां पर आधारित पुस्तिका का विमोचन किया।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर 8 हजार 7 सौ 99 करोड़ रुपए की 1087 योजनाओं का की सौगात दी। इसमें 4 हजार 3 सौ 24 करोड़ रुपए की 878 योजनाओं का उद्घाटन तथा 4 हजार 4 सौ 75 करोड़ रुपए की 209 योजनाओं की नींव रखी।

उलिहातु पहुंच राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने बिरसा मुंडा को दी श्रद्धांजलि

महिलाओं को मजबूत बनाने को लेकर विशेष कार्य कर रही राज्य सरकार : हेमन्त सोरेन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : बिरसा मुंडा कॉम्प्लेक्स उलिहातु, खूंटी में आज धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती एवं राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार, मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन एवं जनजातीय कार्य मंत्रालय भारत सरकार के मंत्री जुएल ओराम सम्मिलित हुए। यह समारोह धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के जन्म-जयंती पर पुष्पांजलि कार्यक्रम के उपरांत आयोजित की गई।

झारखंड वीरों की धरती..

इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि झारखंड वीरों की धरती है। हमारे कई वीरों ने अपना सर्वस्व न्योछावर कर झारखंड राज्य को जन्म दिया है। हमारे वीर शहीदों ने ही हम राज्यवासियों को राह दिखाया एवं मजबूत बनाया है। उन्होंने कहा कि जिनके संघर्ष, अथक प्रयास और बलिदान से इस राज्य का निर्माण हुआ है उनके सपनों का झारखंड बनाना हम सभी कर्तव्य है। वर्तमान समय में हम सभी के कंधों में इस राज्य को सजाने और संवारने की एक बड़ी जिम्मेवारी है। उन्होंने कहा कि धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा जी के आदर्शों पर चलने वाले व्यक्ति आदरणीय दिशोम गुरु बाबा शिबू सोरेन आज हम सभी के बीच नही हैं। आज के इस घड़ी में उनकी कमी हम सभी को खल रही है।

जब घर से कोई बुजुर्ग सदस्य विदा लेता है तब उस घर पर पूरा सन्नाटा पसर जाता है, आज कहीं न कहीं इस पीड़ा के दौर से मैं गुजर रहा हूं।

आदिवासी एवं जनजातीय समुदायों का सर्वांगीण विकास हमारी प्रतिबद्धता

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार राज्य के गांव-गांव पहुंचकर सभी वर्ग-समुदाय के लोगों के दुःख, तकलीफ को समझने का काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार आदिवासी एवं जनजातीय समुदायों के सर्वांगीण विकास को दृष्टिगत रखते हुए कई महत्वाकांक्षी योजनाओं का संचालन कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की विकास योजनाओं में आदिवासी तथा जनजातीय समुदायों को सबसे ऊपर रखा जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार अपने कार्यों का 50% खर्च माताओं, बहनों, बेटियों तथा गांव, गरीब, किसान के कल्याणार्थ कर रही है।

एक नजर

लालू यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने राजद छोड़ी

पटना : बिहार की राजनीतिक ने शनिवार उस समय नया मोड़ ले लिया, जब राजद के अध्यक्ष लालू यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने घोषणा की कि वह राजनीति और अपने परिवार दोनों से दूर जा रही हैं। उनकी यह घोषणा बिहार विधानसभा चुनावों में राजद की करारी हार के तुरंत बाद आई है, जिससे आंतरिक असंतोष गहरा गया है और लंबे समय से चली आ रही गुटीय तनाव फिर से उभर आया है। रोहिणी, जो अक्सर लालू की सबसे मुखर समर्थकों में से एक रही हैं, ने सार्वजनिक रूप से तेजस्वी यादव के करीबी सहयोगियों (संजय यादव) पर पार्टी के पतन का कारण बनने का आरोप लगाया है। उनके इस कदम ने राजद में खलबली मचा दी है, जिससे नेतृत्व की विफलताओं और आंतरिक कुप्रबंधन पर तीखी बहस छिड़ गई है। रोहणी ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि मैं राजनीति छोड़ रही हूं और अपने परिवार से दूरी बना रही हूं.. संजय यादव और रमीज ने मुझे ऐसा करने के लिए कहा था और मैं इसका दोष अपने ऊपर ले रही हूं।

सरकार आदिवासी समाज को राष्ट्र के सर्वोच्च पदों तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध : प्रधानमंत्री मोदी

एजेंसी

नर्मदा : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को जोर देकर कहा कि राजनीतिक सशक्तीकरण के बिना विकास अधूरा है और इसी उद्देश्य से केंद्र सरकार आदिवासी समाज को राष्ट्र के सर्वोच्च पदों तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि किसी भी समाज या समुदाय के संपूर्ण विकास के लिए राजनीतिक नेतृत्व और लोकतंत्र में उसकी समान भागीदारी अत्यंत आवश्यक होती है।

प्रधानमंत्री गुजरात के नर्मदा जिले के डेढ़ियापाड़ा में भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर आयोजित जनजातीय गौरव दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस अवसर पर लगभग 9,700 करोड़ रुपये की सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, पानी और कनेक्टिविटी से संबंधित परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि यह निवेश आदिवासी क्षेत्रों की जीवन गुणवत्ता में बड़ा बदलाव लाएगा। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज ने भारतीय सभ्यता, संस्कृति और स्वतंत्रता संग्राम में जो योगदान दिया है, वह अतुलनीय है, लेकिन दशकों तक इस योगदान को नजरअंदाज किया गया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने आदिवासी समाज के सम्मान, स्वाभिमान और विकास को प्राथमिकता देकर इस ऐतिहासिक उपेक्षा को दूर करने का काम किया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र में प्रतिनिधित्व केवल प्रतीकात्मक नहीं होना चाहिए, बल्कि वास्तविक शक्ति-हस्तांतरण का माध्यम होना चाहिए। उन्होंने कहा, आज देश की राष्ट्रपति एक आदिवासी महिला हैं। यह केवल सम्मान नहीं, बल्कि वह प्रेरणा है जो बताती है कि भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था हर नागरिक को उच्चतम पद तक पहुंचने का अवसर देती है।

मोदी ने कहा कि भाजपा और राजग सरकारों ने हमेशा सक्षम, प्रतिभाशाली और जनसेवा के प्रति समर्पित आदिवासी नेताओं को आगे बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू, नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो, मध्य प्रदेश के राज्यपाल मंगूभाई पटेल, सभी उस परिवर्तनशील राजनीतिक यात्रा के प्रतीक हैं जिसमें आदिवासी समाज नेतृत्व की भूमिका निभा रहा है। प्रधानमंत्री ने यह भी बताया कि केंद्र में सबानंद सोनोवाल, जो आदिवासी समुदाय से आते हैं, पूरे शिपिंग मंत्रालय का नेतृत्व कर रहे हैं।

भगवान बिरसा मुंडा को समर्पित कार्यक्रम में विकास कार्यों के लोकार्पण के संबंध में मोदी ने कहा, मां नर्मदा की इस पावन धरती पर आज एक ऐतिहासिक आयोजन हो रहा है। हाल ही में सरदार पटेल की 150वीं जयंती और भारत पर्व का समापन भी यहीं से हुआ। आज बिरसा मुंडा की जयंती पर यह धरती फिर से विकास और सांस्कृतिक गौरव की गवाह बन रही है।

प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि आजादी के बाद छह दशकों तक शासन करने के बावजूद कांग्रेस ने आदिवासी क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं के अभाव को दूर करने का कोई वास्तविक प्रयास नहीं किया। उन्होंने कहा, कुपोषण, स्वास्थ्य सेवाओं की कमी, शिक्षा का अभाव और कनेक्टिविटी की समस्याएं, यह सब कांग्रेस की निष्क्रियता का नतीजा था। आदिवासी क्षेत्र पिछड़ेपन के प्रतीक बन गए और कांग्रेस सरकारें देखती रहीं। भाजपा सरकार ने इस अन्याय को खत्म करने का संकल्प लेकर काम किया है।

उन्होंने बताया कि अटल बिहारी वाजपेयी सरकार ने पहली बार जनजातीय मंत्रालय का गठन कर आदिवासी कल्याण को संस्थागत रूप दिया, लेकिन कांग्रेस की बाद की सरकारों ने इस मंत्रालय की उपेक्षा की। मोदी ने कहा कि एक समय गुजरात के आदिवासी क्षेत्रों में विज्ञान की शिक्षा देने वाला एक भी स्कूल नहीं था। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री के रूप में हमने व्यापक सुधार किए।

धुर्वा डैम में गिरा वाहन, जज के 2 बॉडीगार्ड समेत 3 पुलिसकर्मियों की मौत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड के राजधानी रांची के नगड़ी थाना क्षेत्र स्थित धुर्वा डैम में शनिवार सुबह तीन पुलिसकर्मियों का शव बरामद हुआ है। मृतकों की पहचान प्रिंसिपल जिला जज जमशेदपुर के दो बॉडीगार्ड और सरकारी ड्राइवर के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, दो बॉडीगार्ड और ड्राइवर शुक्रवार देर रात धुर्वा डैम से होकर गुजर रहे थे, इसी दौरान उनका वाहन अनियंत्रित हो गया और धुर्वा डैम में जा गिरा। हादसे में तीनों की मौत हो गई। मृतकों में उपेंद्र कुमार सिंह, रोबिन कुजूर और सतेंद्र सिंह शामिल हैं।

स्थानीय लोगों ने बताया कि शुक्रवार देर रात धुर्वा डैम के पास से एक वाहन गुजर रहा था, अचानक वह वाहन तेजी के साथ धुर्वा डैम में जा गिरा। सूचना मिलने पर धुर्वा और नगड़ी पुलिस मौके पर पहुंची। 2 से 3 घंटे की मशक्कत के बाद स्थानीय लोगों, गोताखोरों और पुलिस की मदद से कार को डैम से बाहर निकाला गया जिसमें से तीन शव और दो पुलिस हथियार बरामद किए गए।

हटिया डीएसपी प्रमोद कुमार मिश्रा ने बताया कि वाहन अनियंत्रित होने की वजह से धुर्वा डैम में जा गिरा, जिसकी वजह से तीन पुलिसकर्मियों की मौत हुई है। राहत और बचाव कार्य के बाद बॉडीगार्ड के शव और उनके हथियार डैम से खोज कर निकाल लिए गए हैं।

पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। अब तक जो जानकारी सामने आई है, उसके अनुसार तीनों पुलिसकर्मी स्विफ्ट कार से धुर्वा स्थित ज्यूडिशल एकेडमी से धुर्वा डैम की तरफ निकले थे। इसी दौरान यह हादसा हुआ। धुर्वा डैम से निकाले गए वाहन की भी जांच की जा रही है।

एक नजर

बीएसएल द्वारा झारखंड के रजत जयंती दिवस पर

बोकारो : झारखंड की अस्मिता, स्वाभिमान और संघर्ष के प्रतीक भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर 15 नवंबर को बोकारो स्टील प्लांट की अधिशासी निदेशक सुश्री राजश्री बनर्जी, अधिशासी निदेशक विकास मनवटी, अधिशासी निदेशक सी. आर. मिश्रा, अधिशासी निदेशक डॉ. बी. बी. करुणामय, मुख्य महाप्रबंधक कुंदन कुमार, मुख्य महाप्रबंधक लक्ष्मी दास सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने नया मोड़ स्थित भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर उन्हें नमन किया। मुख्य अतिथि अधिशासी निदेशक सुश्री बनर्जी ने इस अवसर पर कहा कि वीर बिरसा मुंडा का अदम्य साहस, संघर्षशीलता और उनके उच्च आदर्श हम सभी को निरंतर आगे बढ़ने, चुनौतियों का डटकर सामना करने और समाज व राष्ट्र की प्रगति में सक्रिय योगदान देने के लिए प्रेरित करते रहेंगे। उन्होंने सभी को भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती तथा झारखंड स्थापना दिवस के रजत जयंती वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं।

झारखंड स्थापना दिवस पर आजसू पार्टी ने बिरसा मुंडा को दी श्रद्धांजलि

बोकारो: झारखंड के 25वें स्थापना दिवस के अवसर पर आजसू पार्टी की ओर से धरती आबा बिरसा मुंडा को याद किया गया। जिला मुख्यालय स्थित बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए आजसू पार्टी जिलाध्यक्ष सचिन महतो ने कहा कि धरती आबा बिरसा मुंडा का जीवन आदिवासी समाज, झारखंडी अस्मिता और संघर्ष की प्रेरणा है। उन्होंने कहा कि आजसू पार्टी उनके विचारों पर चलते हुए राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। केंद्रीय सचिव बुच्चू सिंह ने कहा कि झारखंड की 25 वर्ष की यात्रा जनता के संघर्ष, उम्मीदों और सपनों से बनी है। आजसू पार्टी सदैव जनहित के मुद्दों पर मुखर रही है और आगे भी उसी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करती रहेगी। जिला कार्यकारी अध्यक्ष अशोक महतो ने कहा कि स्थापना दिवस हमें नए संकल्पों के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। बिरसा मुंडा के सपनों का समृद्ध, सम्मानित और स्वाभिमानी झारखंड बनाना ही पार्टी का लक्ष्य है। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष अनिल झा, संतोष महतो, जिला सचिव बंकु बिहारी सिंह, तापेश महतो, अभय शर्मा, मिथिलेश महतो, बीरेन्द्र हरि, नवीन सिंह, राज यादव और हर्ष कुमार समेत कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद थे।

25वां झारखंड स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

डोमचांच/ कोडरमा : मंजुला शर्मा मेमोरियल अकादमी, डोमचांच में झारखंड का 25वां स्थापना दिवस बड़े ही गरिमामय, सांस्कृतिक और प्रेरणादायी वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के निदेशक राजनीश कुमार द्वारा भगवान बिरसा मुंडा की तस्वीर पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। उन्होंने कहा कि बिरसा मुंडा केवल एक महान स्वतंत्रता सेनानी नहीं, बल्कि आदिवासी अस्मिता, संघर्ष और साहस के जीवंत प्रतीक हैं। आज के विद्यार्थी उनके आदर्शों को आत्मसात करके राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इसके पश्चात विद्यालय प्रशासक आर.पी. पांडेय ने सभी विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए झारखंड की समृद्ध विरासत, प्राकृतिक सौंदर्य और जनजातीय गौरव पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि स्थापना दिवस हमें अपनी पहचान, अपनी संस्कृति और अपने कर्तव्य का स्मरण कराता है। विद्यार्थियों को चाहिए कि वे ज्ञान, अनुशासन और मूल्यों के साथ राज्य के विकास में योगदान दें। कार्यक्रम के दौरान छात्रों के लिए अनेक गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिनमें भाषण प्रतियोगिता,लोक-नृत्य प्रस्तुति,चित्रकला प्रतियोगिता, झारखंड की विरासत पर डॉक्यूमेंट्री सत्र विशेष आकर्षण रहा। विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया और अपनी रचनात्मक प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। सभी शिक्षकों की सक्रिय उपस्थिति और सहयोग से कार्यक्रम अत्यंत सफल और प्रभावशाली रहा। विद्यालय परिसर में गर्व, उल्लास और जय झारखंड के नारों ने एक ऊर्जा से भरा माहौल बना दिया। समारोह का समापन राज्य की प्रगति, शांति और उज्ज्वल भविष्य

बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती को भाजपा द्वारा जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाया

बोकारो : भाजपा कार्यकर्ताओ ने बिरसा आश्रम नया मोड़ पर स्थापित भगवान बिरसा मुंडा प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित कर नमन किया। भाजप बोकारो जिलाध्यक्ष जयदेव राय ने कहा कि आज झारखंड वासियों के लिए गौरव का दिन है। आज ही के दिन 25 वर्ष पूर्व भारत के पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न अटल बिहारी वाजपेयी ने झारखंड राज्य की स्थापना की थी और धरती आबा बिरसा मुंडा के सपनों को खुशहाल झारखंड और समृद्ध बनने की कामना की थी। साथ ही भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिरसा मुंडा के जन्म दिवस को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की थी। इसका उद्देश्य देश के इतिहास व संस्कृति में जनजातीय समुदाय में उनके योगदान को याद करना और आने वाली पीढ़ियों को अपने सांस्कृतिक विरासत को राष्ट्रीय गौरव को संरक्षण के लिए प्रेरित करना है। इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष श्री रोहित लाल सिंह,एसटी मोर्चा जिलाध्यक्ष श्री रघुनाथ टुड्डू,जिला महामंत्री श्री संजय त्यागी, शंकर रजक, धीरज झा, डॉ परिंदा सिंह, राजीव कंठ, विवेक सिंह, अवधेश यादव, ऋषभ राय, अजित सिंह, जयनारायण मरांडी,उरांक पाठक, बालेश्वर मुर्मू, विक्रम महतो, धनंजय चौबे, अनिल सिंह,चन्द्रप्रकाश सिंह, टिंकू तापड़िया,धर्मेन्द्र महथा,महराज सिंह चौधरी,रेषव कुमार भानु सिंह, एंजेला सिंह,बबिता देवी,प्रिति गुप्ता, कुमकुम राय, अम्बिका देवी, सुनिता देवी,आकाश कुमार, सहदेव मरांडी, सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

डीएवी सेक्टर 4 के बच्चों ने बाल दिवस पर की खूब मौज-मस्ती

बोकारो : बच्चों को समर्पित उनका उत्सव दिवस, बाल दिवस के पावन अवसर पर डीएवी सेक्टर-4 के प्रधानाध्यापक महोदय द्वारा ई .ई.डी .पी ग्रुप के बच्चों के लिए शैक्षिक भ्रमण का सफल आयोजन बोकारो के जवाहरलाल नेहरू बायोलॉजिकल पार्क में दिनांक 14 .11 .2025 को किया गया जिसका मकसद बच्चों के मनोरंजन के साथ-साथ खेल-खेल में रोमांचक विधि से उनके सर्वांगीण विकास हेतु सक्रिय होना था। चिड़ियाघर में बच्चों ने विभिन्न प्रकार के जीव- जंतुओं को देखा और आनंदित हुए । तत्पश्चात सभी बच्चों ने समूह बनाकर विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजनों का लुफ्त उठाएँ । विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रकार के जानवरों को पहचाना और उनके जीवन यापन का तरीका भी समझा । इससे बच्चों में जीवों के प्रति दया और प्रेम की भावना का विकास हुआ । इसके अलावा सामूहिक भोजन से बच्चों में आपसी प्रेम मिलाप, एक दूसरे के साथ शेयरिंग एवं सामाजिकता की भावना का भी अभिवर्धन हुआ। विद्यालय के प्राचार्य श्री एसके मिश्रा ने कहा कि क्लासरूम से बाहर शैक्षिक भ्रमण के द्वारा बच्चों में सीखने की भावना को और भी ज्यादा रुचिकर जिज्ञासु और प्रभावशाली बनाने में मदद मिलती है। उन्होंने सभी बच्चों को बाल दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी

ओएनजीसी बोकारो में बिरसा मुंडा जयंती पर जनजातीय संस्कृति का भव्य उत्सव

बोकारो : बिरसा मुंडा जी की 150 वीं जन्यजयंती एवं जनजातीय गौरव वर्ष के आयोजन के अवसर पर ओएनजीसी,बोकारो द्वारा दिनांक 14 नवंबर 2025 को जनजातीय संस्कृति से संबंधित विभिन्न नृत्य मंचन वो नाट्य मंचन का आयोजन आशालता विकलांग सभागार में किया गया। इस अवसर पर हस्तशिल्प विकास संस्थान द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी गई। कार्यक्रम को सर्वप्रथम परिसंपत्ति प्रबंधक श्री टी एन उन्नीकृष्णन नायर द्वारा दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन किया गया । परिसंपत्ति प्रबंधक महोदय ने अपने उद्बोधन में कहा कि इस कार्यक्रम को आयोजित करने का मुख्य लक्ष्य जनजातीय समुदाय की संस्कृति ,परम्पराओं, वीरता और योगदान का सम्मान करना और समाज में उनकी उचित मान्यता सुनिश्चित करना है। इस अवसर पर जनजातीय समुदाय से संबंधित नृत्य , छऊ,मुंडारी आदिवासी नृत्य,नागपुरी पायका नृत्य एवं शिकारी नृत्य का शानदार मंचन कलाकारों द्वारा किया गया। उपस्थित दर्शक उक्त नृत्य एवं बिरसा मुंडा जी की जीवनी पर आधारित लघु नाट्य मंचन देखकर अभिभूत हो गए। इस समस्त कार्यक्रम का आयोजन प्रमुख मानव संसाधन श्री दयानंद कालुंदिया के दिशा निर्देश में आयोजित हुआ।

भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर नमन बिरसा चौक पर दी श्रद्धांजलि

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर, झारखंड मुक्ति मोर्चा नेताओं ने नया मोड़ स्थित बिरसा चौक पहुंचकर उनकी आदमकद प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर, भगवान बिरसा मुंडा को नमन करते हुए बोकारो जिला अध्यक्ष रतनलाल मांझी ने कहा कि हम सभी उन वीर नायकों और राज्य निर्माण के योगदानकताओं को नमन करते हैं जिनके संघर्षों से यह राज्य अस्तित्व में आया। रतनलाल मांझी ने इस मौके पर कहा कि आज झारखंड प्रदेश अपनी 25वीं वर्षगांठ को रजत जयंती के रूप में मना रहा है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि यह केवल एक वर्षगाँठ नहीं, बल्कि संघर्ष, आत्मसम्मान और स्वाभिमान की गौरवशाली अभिव्यक्ति है। झामुमो नेता मंटू यादव ने माननीय मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में चल रही सरकार के कार्यों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार ने झारखंड के हर वर्ग के लोगों के लिए काम किया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी की विकास की रफ्तार और सोच ऐसी है जो झारखंड प्रदेश को स्वावलंबी बनाती है और इसे अन्य राज्यों से अलग पहचान दिलाती है। मंटू यादव ने आगे कहा कि मुख्यमंत्री का यह दृष्टिकोण प्रदेश के एक-एक जनता के लिए है और उनके द्वारा किए जा रहे लगातार विकास कार्यों से यहां के युवा, किसान और महिलाएँ समेत आम जनता आर्थिक रूप से मजबूत हो रही है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला सचिव मुकेश महतो, मदन कुमार महतो, फिरदौस अंसारी, आलोक सिंह, मिथुन मंडल, चंदू सिंह मुंडा, फैयाज खान, अर्जुन महतो, उदय कुंभकार, लालमोहन हेंब्रम, राकेश सिन्हा, प्रमोद तापड़िया, रामदयाल सिंह, संजय यादव, मटुकलाल किस्कू, आकाश टुडू, मस्तान अंसारी, दीपक यादव, भोलू खान, भारत यादव, सुरेंद्र कुमार, अशोक हेंब्रम, धनेश तूरी, सलीम अंसारी, प्रदीप कुमार, राजकुमार सोरेन, रणधीर रजक, सुमन वर्मा, महेश मुंडा, मेगाराम दे, एकता देवी, षष्ठी देवी, कुसुम भारती, सीमा देवी, शान्ति किस्कू, अकलू मांझी, दिनेश यादव, फिरोज अंसारी, श्रेष्ठा ठाकुर, कलीम बाबू अंसारी, दिनेश सोरेन, राहुल कुमार, दुर्गा दत्ता, सुनील सिंह, रूपचंद किस्कू, सोमेश घोष, शंकर ठाकुर, चंदन कुमार, कुन्दन दास, अनील साव इत्यादि।

जैन पब्लिक स्कूल में वार्षिक स्पोर्ट्स डे का भव्य आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : जैन पब्लिक स्कूल में आज वार्षिक स्पोर्ट्स डे का आयोजन उत्साहपूर्ण माहौल में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि उद्योगपति शशांक अग्रवाल एवं विशिष्ट अतिथि सरोज जैन द्वारा संयुक्त रूप से गुब्बारे उड़ाकर किया गया, जिसके साथ ही पूरे परिसर में उत्साह की लहर दौड़ गई। कार्यक्रम के अंतर्गत विविध प्रकार की खेल प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं, जिनमें मुख्य रूप से रिले रेस, मेंढक रेस, बोरा रेस, चॉकलेट रेस, रिंग रेस, टग ऑफ वार आदि शामिल थीं। सभी कक्षाओं के छात्रों ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया और उत्कृष्ट खेल भावना, अनुशासन एवं टीमवर्क का परिचय दिया। सभी बच्चों ने इससे पहले मार्च पास्ट किया। मुख्य अतिथि शशांक अग्रवाल ने कहा कि स्पोर्ट्स डे के आयोजन से विद्यार्थियों में शारीरिक एवं मानसिक विकास के साथ-साथ टीमवर्क और अनुशासन जैसे गुणों का विकास होता है। विशिष्ट अतिथि सरोज जैन ने अपने संबोधन में कहा कि छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए खेल भावना अत्यंत आवश्यक है। जैन मिलन के अध्यक्ष संजय बैद एवं सचिव आलोक जैन ने कहा की खेल-प्रतियोगिताएं हमें सिखाता है की असफलताओं का अंत नहीं होता बल्कि नई शुरूआत होती है संयम हाउस ओवर ऑल चैंपियन बना और क्षमा हाउस उपविजेता रहा। प्रतियोगिताओं के सफल समापन के बाद विजेताओं को अतिथियों द्वारा ट्रॉफियाँ, मेडल और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। पुरस्कार वितरण के दौरान बच्चों का उत्साह देखने लायक था। कार्यक्रम का समापन सभी शिक्षकों, छात्रों और अभिभावकों के सहयोग के प्रति मालविका मैंम द्वारा धन्यवाद ज्ञापित करते हुए किया गया।

संक्षिप्त खबरें

बिहार में विकास और सुशासन की जीत हुई : डॉ नीरा

कोडरमा : विधायक और प्रदेश की पूर्व शिक्षा मंत्री डॉ नीरा यादव ने बिहार में भारतीय जनता पार्टी और एनडीए की इस जीत को जनता की जीत बताया। उन्होंने बयान जारी कर कहा कि यह जीत बताता है कि लोग अब 'विकास और सुशासन' को पसंद करते हैं। नतीजों ने बता दिया कि बिहार के लोग अब फिर से 'जंगल राज' के फेर में नहीं पड़ने वाले हैं। बिहार की जनता अव्यवस्था और भ्रष्ट नेतृत्व को स्वीकार नहीं करती। बिहार के लोग पीएम मोदी जी की नीतियों के साथ हैं, एनडीए गठबंधन की सरकार में सीएम नीतीश कुमार के कार्यकाल में जो विकास हुआ, उस विकास के साथ हैं। विधायक डॉ नीरा यादव ने इसे अभूतपूर्व जीत बताते हुए इसके लिए एनडीए गठबंधन, पार्टी नेतृत्व, कार्यकताओं और पूरे बिहार की जनता को बधाई दी है।

ऑपरेशन नार्कोस के तहत बोकारो आरपीएफ की बड़ी सफलता, ट्रेन में गांजा बरामद

बोकारो : आरपीएफ पोस्ट बोकारो ने ऑपरेशन नार्कोस के तहत नशे के कारोबार पर एक और बड़ी कार्रवाई की है। शुक्रवार को विश्वसनीय सूचना के आधार पर आरपीएफ पोस्ट कमांडेंट संतोष कुमार के निर्देशन में आरपीएफ पोस्ट बोकारो सीपीडीएस टीम और सीआईबी आद्रा के अधिकारियों ने संयुक्त जांच अभियान चलाया।जांच के दौरान ट्रेन संख्या 17008 के ए-1 कोच में एक यात्री सरताज अंसारी (25), निवासी मंडरो, थाना ठाकुर गंगटी, जिला गोड्डा को संदिग्ध अवस्था में पकड़ा गया। उसके पास से एक पिट्ठू बैग बरामद हुआ जिसमें लगभग 2.32 किलोग्राम गांजा मिला। आरपीएफ टीम ने मौके पर मौजूद गवाहों की उपस्थिति में बरामद गांजा जब्त किया और आरोपी को गांजे सहित जीआरपी बीकेएससी को सौंप दिया। जीआरपी ने एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(ii)(इ) के तहत मामला संख्या 22/25 शनिवार को दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।बरामद मादक पदार्थ की अनुमानित कीमत लगभग 1.16 लाख रुपये बताई जा रही है। आरपीएफ द्वारा मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध चलाई जा रही कार्रवाई को लेकर वरिष्ठ अधिकारियों ने दल को सराहना दी है।

डीपीएस बोकारो में बाल दिवस पर शिक्षकों ने दिखाए अपने हुनर

बोकारो : दिल्ली पब्लिक स्कूल बोकारो में बाल दिवस का आयोजन उत्साहपूर्ण वातावरण में किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की प्राइमरी और सीनियर, दोनों ही इकाइयों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। बाल केन्द्रित शिक्षा को प्राथमिकता और बच्चों के प्रति समर्पण की भावना के तहत शिक्षकों ने इस अवसर पर जमकर अपने हुनर दिखाए और विद्यार्थियों का मनोरंजन किया। प्राइमरी विंग में एक विशेष एसेंबली के दौरान शिक्षकों ने भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू को नमन करते हुए बच्चों के चेहरे पर मुस्कान लाने के लिए एक से बढ़कर एक मधुर गीतों की झड़ी लगा दी और ऊजार्वान नृत्य प्रस्तुत किया। इधर, सीनियर विंग में भी शिक्षकों ने अपने संबोधन और सुरीली संगीत प्रस्तुतियों से अपनी रचनात्मक भावना और बहुमुखी प्रतिभा को प्रदर्शित किया। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए.एस. गंगवार ने विद्यार्थियों को अपनी शुभकामनाएं देते हुए चाचा नेहरु और बच्चों के जुड़ाव को रेखांकित किया। उन्होंने बच्चों को संबोधित करते हुए सहानुभूति, बड़ों के प्रति सम्मान और राष्ट्र के प्रति देशभक्ति की भावना के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने विद्यार्थियों के प्रति स्नेह व्यक्त करते हुए छात्र परिषद को एक सुंदर कार्ड भेंट कर सम्मानित किया। कहा कि बच्चों की मुस्कान और उनका उमंग ही शिक्षा के इस मंदिर को जीवंत बनाए रखता है।

वीर आदिवासी नायक बिरसा मुंडा को विद्यालय ने पुष्पांजलि अर्पित की

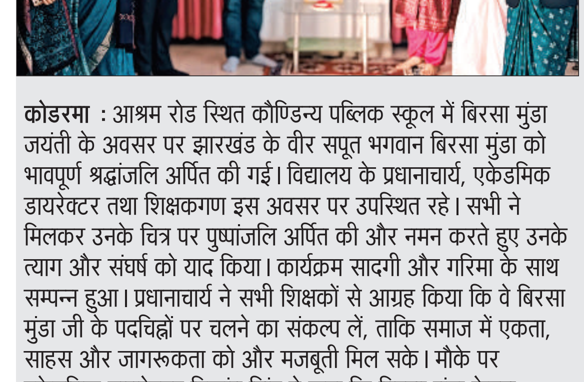

कोडरमा : आश्रम रोड स्थित कौण्डिन्य पब्लिक स्कूल में बिरसा मुंडा जयंती के अवसर पर झारखंड के वीर सपूत भगवान बिरसा मुंडा को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। विद्यालय के प्रधानाचार्य, एकेडमिक डायरेक्टर तथा शिक्षकगण इस अवसर पर उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की और नमन करते हुए उनके त्याग और संघर्ष को याद किया। कार्यक्रम सादगी और गरिमा के साथ सम्पन्न हुआ। प्रधानाचार्य ने सभी शिक्षकों से आग्रह किया कि वे बिरसा मुंडा जी के पदचिह्नों पर चलने का संकल्प लें, ताकि समाज में एकता, साहस और जागरूकता को और मजबूती मिल सके। मौके पर एकेडमिक डायरेक्टर विक्रांत सिंह ने कहा कि बिरसा मुंडा केवल स्वतंत्रता सेनानी ही नहीं, बल्कि एक महान सामाजिक सुधारक भी थे। उन्होंने आदिवासी समाज के उत्थान, अधिकारों की रक्षा और स्वाभिमान को जगाने के लिए आजीवन संघर्ष किया। अंग्रेजों के दमन के विरुद्ध उनका ह्लउलगुलानह्व आंदोलन झारखंड में नई चेतना का प्रतीक बना। विद्यालय परिवार ने यह संकल्प दोहराया कि भगवान बिरसा मुंडा के साहस, सत्य, संघर्ष और समाजसेवा जैसे उच्च जीवन-मूल्यों को विद्यार्थियों तक निरंतर पहुँचाया जाएगा, ताकि झारखंड को अधिक सशक्त, जागरूक और प्रगतिशील बनाया जा सके।

बिरसा मुंडा की 150 वीं वर्षगांठ एवं झारखंड राज्य 25 वे स्थापना दिवस धुमधाम से मनाई गई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मरकच्चो : प्रखंड मुख्यालय मरकच्चो में बिरसा मुंडा की 150 वीं वर्षगांठ एवं झारखंड राज्य 25 वे स्थापना दिवस धुम धाम से मनाई गई । प्रखंड विकास पदाधिकारी हुलास महतो की अगुवाई में प्रखंड सभागार में बिरसा भगवान एवं झारखंड स्थापना दिवस का आयोजन किया गया।मुख्य अतिथि के रूप में प्रखंड प्रमुख विजय कुमार सिंह उपस्थित थे। कार्यक्रम का विधिवत शुरूआत किया गया। सखी मंडल की दीदियों के द्वारा प्राकृतिक हस्त निर्मित मुकुट पहना कर,आरती लगा कर सभी अतिथियों का स्वागत किया गया।मंच का संचालन प्रखंड समन्वयक लेखराज दास के द्वारा किया गया। स्वागत गान की प्रस्तुति देख सभी आगंतुक काफी खुश हुए। प्रखंड प्रमुख विजय कुमार सिंह के द्वारा दीप प्रज्वलित कर एवं बिरसा भगवान की प्रतिमा को फूल माला पहना कर उनकी 150 वीं वर्ष गांठ मनाई गई।इसी क्रम में बीडीओ हुलास महतो,मुखिया रणजीत कुमार सिंह,सीडीपीओ गीता सोई, वार्डेन उषा टोपनो आदि ने बिरसा मुंडा के चित्र पर फुल माला पहना कर पुष्प अर्पित कर जयंती मनाए। हुलास महतो के द्वारा भगवान बिरसा की जीवनी पर प्रकाश डाला गया तथा झारखंड के 25 वर्ष पूरे होने पर झारखंड को युवा बताया गया। इस पावन अवसर पर क्षेत्र के झारखंड आंदोलनकारियों को मोमेंटो एवं प्रशस्ति पत्र दे कर सम्मानित किया गया। प्रखंड प्रमुख,बीडीओ एवं अंचल अधिकारी के द्वारा सर्वजन पेंशन के तहत लाभुकों को पेंशन की स्वीकृति पत्र दे कर सम्मानित किया

चंद्रवंशी समाज ने मनाया 25वां झारखंड राज्य स्थापना दिवस

कोडरमा : झारखंड प्रदेश रजत जयंती समारोह के शुभ अवसर पर चंद्रवंशी विकास मंच कोडरमा के द्वारा भगवान बिरसा मुंडा का जयंती एवं चंद्रवंशी समाज के कुल देवता मगध सम्राट जरासंध जी महाराज के चित्र पर माला पहना कर एवं पुष्प अर्पित करते हुए एक दूसरे को मिठाई खिला कर खुशी इजहार किया है। मौके पर ही चंद्रवंशी विकास मंच के अध्यक्ष चंद्रवंशी दीपक कुमार नवीन की अध्यक्षता एवं सचिव चंद्रवंशी महेश भारती के संचालन में सादे समारोह आयोजित कर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें मंच के मुख्य संरक्षक रामेश्वर राम रवानी सहित अन्य मौजूद सभी वक्ताओं ने कहा कि समाज को समाज की जरूरत है। समाज के बच्चों को बेहतर शिक्षा देते हुए सभी को एक बंधन में बंधते हुए एक संगठित समाज का निर्माण पर जोर दिया गया । वही मंच अध्यक्ष श्री नवीन ने बिहार चुनाव में चंद्रवंशी समाज से दो दो विधायक बनने पर खुशी का इजहार करते हुए चंद्रवंशी समाज को ढेर सारी शुभकामनाएं के साथ बधाई दिए साथ ही उन्होंने कहा कि समाज की एकजुटता बनाए रखते हुए आने वाले हर स्तर के चुनाव में जहां भी हो जिस भी दल में हो समाज के ही व्यक्ति को वोट देने ओर हर तरह के कार्यों में मदद करने की समाज से अपील किए।

झारखंड राज्य स्थापना दिवस पर राज्यपाल का संबोधन, 25 वर्ष पूरे होने को बताया गौरव का क्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर रांची के मोरहाबादी मैदान में शनिवार को भव्य समारोह का आयोजन किया गया, जिसे राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने संबोधित किया और राज्य के प्रत्येक नागरिक से एक सशक्त, समृद्ध और विकसित झारखंड के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लेने का आह्वान किया। झारखंड राज्य स्थापना समारोह के संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि झारखंड के 25 वर्ष पूरे होना सभी राज्यवासियों के लिए आत्मगौरव, आत्मचिंतन और आत्मसंकल्प का क्षण है। उन्होंने कहा कि राज्य की नींव जनता की आकांक्षाओं, संघर्षों और सपनों पर टिकी है। राज्यपाल ने भगवान बिरसा मुंडा, सिद्धू-कान्हू, नीलांबर-पीतांबर, फूलो-झानो सहित सभी स्वतंत्रता सेनानियों को नमन किया और कहा कि उनके त्याग व बलिदान ने इस धरती की गौरवगाथा को समृद्ध बनाया है। उन्होंने झारखंड गठन में अहम भूमिका निभाने वाले पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी को श्रद्धांजलि दी और कहा कि उनकी दूरदृष्टि के कारण ही यह राज्य अस्तित्व में आ सका। उन्होंने यह भी कहा कि आज भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को देशभर में जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाया जाना गर्व का विषय है। राज्यपाल ने अपने संसदीय कार्यकाल और झारखंड गठन के दिनों को स्मरण करते हुए कहा कि वर्ष 2000 में राज्य निर्माण के पक्ष में मतदान कर उन्होंने भी अपना योगदान दिया था। उन्होंने झारखंड आंदोलन के नेता दिवंगत दिशोम गुरू शिबू सोरेन को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। राज्यपाल ने कहा कि पिछले 25 वर्षों में झारखंड ने शिक्षा, कृषि, खनन, ऊर्जा, खेल और संस्कृति सहित कई क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है। उन्होंने राज्य की प्राकृतिक-खनिज संपदा, सांस्कृतिक विरासत और परिश्रमी नागरिकों को झारखंड की सबसे बड़ी ताकत बताया। उन्होंने धार्मिक, सांस्कृतिक और प्राकृतिक स्थलों के योजनाबद्ध विकास की जरूरत पर जोर देते हुए कहा कि इससे पर्यटन बढ़ेगा और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, गरीबी, बेरोजगारी और पलायन जैसी चुनौतियां अभी भी मौजूद हैं, लेकिन जन-सहयोग, सुशासन और प्रभावी नीतियों के क्रियान्वयन से इन्हें दूर किया जा सकता है। राज्यपाल ने विश्वास व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत-2047 की परिकल्पना में झारखंड महत्वपूर्ण योगदान देगा। रजत जयंती वर्ष पर उन्होंने प्रत्येक नागरिक से एक सशक्त, समृद्ध और विकसित झारखंड के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लेने की अपील की। समारोह के दौरान राज्यपाल ने दिवंगत शिबू सोरेन के जीवन पर आधारित प्रदर्शनी तथा विभिन्न विभागों के स्टॉल का अवलोकन भी किया।

जल, जंगल, जमीन की रक्षा और आदिवासी सम्मान की याद दिलाता है बिरसा मुंडा की जयंती : के राजू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राज्य स्थापना दिवस और भगवान बिरसा मुंडा की 150 वीं जयंती पर प्रदेश कांग्रेस द्वारा धरती आबा के लिए श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कोकर स्थित बिरसा मुंडा समाधि स्थल पर प्रदेश प्रभारी के राजू और अन्य नेताओं द्वारा श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। इसके बाद रामपुर बाजार, नामकुम स्थित बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर भी माल्यार्पण किया गया। यहां काफी संख्या में स्थानीय लोग भी मौजूद थे। सभा को संबोधित करते हुए के राजू ने कहा कि झारखंड स्थापना का मूल उद्देश्य आदिवासी समाज को उनका संवैधानिक अधिकार, जल, जंगल और जमीन की रक्षा और सम्मान दिलाना था। कांग्रेस पार्टी और महागठबंधन ने CNT–SPT जैसे कानूनों, पेसा कानून और वनाधिकार जैसे प्रावधानों के माध्यम से आदिवासी समाज की अस्मिता और अधिकारों को संरक्षित किया है। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा का संघर्ष सिर्फ इतिहास नहीं, बल्कि झारखंड की आत्मा है। उन्होंने ने कहा कि झारखंड की 25 साल की यात्रा बताती है कि यह राज्य तभी प्रगति करेगा जब आदिवासी समाज को निर्णय लेने की प्रक्रिया में बराबर की भागीदारी मिलेगी। जल-जंगल-जमीन पर पहला अधिकार यहाँ के मूल निवासियों का है और कांग्रेस इस अधिकार की लड़ाई को निरंतर आगे बढ़ाती रहेगी। महिला सशक्तिकरण का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि आदिवासी महिलाओं ने हमेशा समाज को दिशा दी है। कांग्रेस पार्टी शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और आर्थिक अवसरों के माध्यम से महिलाओं को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि धरती आबा की विचारधारा हमारे संगठन की आत्मा है। झारखंड का सम्मान तभी सुरक्षित रहेगा जब हम उनके संघर्ष और मूल्यों को जमीनी स्तर पर लागू करें। प्रदेश कांग्रेस हर आदिवासी परिवार की आवाज बनेगी और उनके अधिकारों की रक्षा हेतु लगातार संघर्ष करेगी। सह-प्रभारी डॉ बेला प्रसाद ने कहा कि बिरसा मुंडा की जयंती हमें न्याय और संघर्ष की उस परंपरा की याद दिलाती है जिसने पूरे देश को दिशा दी। स्थापना दिवस पर हमें एक समतामूलक, संवेदनशील और अधिकार-सम्मानित झारखंड के लिए एकजुट होना होगा। कार्यक्रम में विधायक दल के नेता प्रदीप यादव, उपनेता राजेश कचछप,राजेश ठाकुर, सुबोध कांत सहाय, डॉ प्रकाश, रविंद्र सिंह, राजीव रंजन प्रसाद, राकेश सिन्हा, सतीश पौल मुंजनी, अमूल नीरज खलखो, गजेंद्र सिंह, केदार पासवान, शांतनु मिश्रा, आशा लकड़ा इत्यादि कार्यकर्ता, स्थानीय नागरिक और कांग्रेसजन शामिल हुए।

सीयूजे में स्वाभिमानी बिरसा समारोह का हआ समापन

रांची : झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजे) में भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर आयोजित दो दिवसीय ह्यस्वाभिमानी बिरसा –2025 एवं जनजातीय गौरव दिवस उत्सव का आज सफल समापन हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलपति प्रो क्षिति भूषण दास थे। विशिष्ट अतिथियों में हॉकी खिलाड़ी सुमराई टेटे, चित्रकार सीआर हेंब्रम, विश्व ट्राइबल क्वीन 2025 पूजा लकड़ा और रांची विश्वविद्यालय के कुलसचिव गुरु चरण साहू शामिल हुए। समारोह की शुरूआत बिरसा मुंडा के चित्र पर माल्यार्पण से हुई। कुलपति ने कहा कि बिरसा मुंडा स्वाभिमान के प्रतीक थे और आज जरूरत है कि हम भी उसी स्वाभिमान और आत्मनिर्भरता के साथ राज्य और विश्वविद्यालय को आगे बढ़ाएं। कार्यक्रम के दौरान फोटोग्राफी प्रदर्शनी, पारंपरिक खेल, तीरंदाजी, मल्लखंभ प्रदर्शन और आदिवासी परिधान फैशन शो ने सभी का ध्यान आकर्षित किया।

भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर आजसू ने दी श्रद्धांजलि

जल, जंगल, जमीन की हो रही लूट : सुदेश महतो

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष और पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश महतो ने धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर कोकर स्थित समाधि स्थल पर श्रद्धांजलि अर्पित की। उनके साथ मुख्य प्रवक्ता डॉ. देवशरण भगत, केंद्रीय उपाध्यक्ष प्रवीण प्रभाकर सहित अन्य नेताओं ने भी बिरसा मुंडा को नमन किया। सुदेश महतो ने कहा कि झारखंड का गठन आदिवासीझ्रमूलवासी के हक, अधिकार और पहचान की रक्षा के लिए किया गया था, लेकिन जिन उद्देश्यों के साथ राज्य बना, वे आज भी अधूरे हैं। बिरसा मुंडा ने जिन सपनों के लिए जंगलों में उलगुलान किया, आजसू पार्टी उन सपनों को पूरा करने के लिए संघर्ष जारी रखेगी। उन्होंने कहा कि संसाधनों के मामले में झारखंड देश में सबसे समृद्ध है, इसे नेतृत्वकारी भूमिका में होना चाहिए था, परंतु राज्य लगातार पिछड़ता जा रहा है। इस दौरान उन्होंने राज्य सरकार की निष्क्रियता पर भी कड़ा प्रहार किया और कहा कि वर्तमान सरकार बिरसा मुंडा के रास्ते से भटक गई है तथा जल, जंगल और जमीन की लूट जारी है। वहीं, डॉ. देवशरण भगत ने कहा कि आजसू ने बिरसा मुंडा के विचारों का अनुसरण करते हुए झारखंड की लड़ाई को आगे बढ़ाया, लेकिन आज युवा भटक रहे हैं और माफियाओं का बोलबाला बढ़ता जा रहा है। कोयला और बालू की लूट चरम पर है। प्रवीण प्रभाकर ने कहा कि झारखंड आंदोलन में हजारों युवाओं ने अपना भविष्य कुर्बान किया, परंतु वर्तमान सरकार आंदोलनकारियों की सुध तक नहीं ले रही है और फर्जी आंदोलनकारियों की पहचान की जा रही है। कार्यक्रम में पार्टी के केंद्रीय महासचिव दीपक महतो, केंद्रीय मीडिया संयोजक परवाज खान, कुमुद वर्मा, हरीश कुमार, टिकैत महतो, संतोष महतो, शहजाद आलम, ओम वर्मा, बबलू महतो, ऋतुराज शाहदेव, प्रताप सिंह, चेतन शर्मा, अजित कुमार, सुरेन्द्र लिंडा, प्रशांत महतो, विकास महतो सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नगर निगम ने आईटीआई बस स्टैंड स्थित भूमि पर प्रस्तावित एमआरपी केंद्र का किया निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची नगर निगम शहर में कचरा प्रबंधन को बेहतर और आधुनिक बनाने के लिए अलग-अलग जगहों पर मटेरियल रिकवरी फेसिलिटी (MRF) केंद्र बना रहा है. आईटीआई आबस स्टैंड वाली जमीन पर MRF बनाने का काम स्थानीय लोगों के विरोध के कारण रोक दिया गया था। इसी विषय पर 15 नवंबर 2025 को अपर प्रशासक संजय कुमार ने निगम की टीम के साथ स्थल का निरीक्षण किया और आसपास के लोगों से बात की। अपर प्रशासक ने लोगों को बताया कि हरमू में बना टफ्क्र केंद्र पूरी तरह तैयार है और वहां कचरे के निस्तारण का ट्रायल भी चल रहा है। उन्होंने बताया कि इस प्रक्रिया से किसी तरह की दुर्गंध या परेशानी नहीं होती। उन्होंने लोगों को हरमू केंद्र जाकर देखने की सलाह दी, ताकि वे सही निर्णय ले सकें। बातचीत के बाद स्थानीय लोगों की सहमति से निर्णय हुआ कि जमीन की बाउंड्री और बैरिकेडिंग का काम जारी रहेगा, लेकिन टफ्क्र निर्माण का काम अभी के लिए रोक दिया जाएगा। अपर प्रशासक ने कहा कि शहर में बढ़ते कचरे को देखते हुए MRF केंद्र जरूरी है, ताकि कचरे का वैज्ञानिक तरीके से निपटान हो सके। उन्होंने लोगों से घरों में ही कचरा अलग-अलग करके नगर निगम को देने की अपील की। निरीक्षण के दौरान नगर प्रबंधक, पीएमसी के प्रतिनिधि और मेसर्स टीपीएस के सदस्य भी मौजूद थे।

झारखंड प्रदेश के 25 साल पूरे होने का जश्न झारखंड से दिल्ली तक मनाया जा रहा है : उद्योग निदेशक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : प्रगति मैदान में जारी 44वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में शनिवार का दिन पूरी तरह झारखण्ड पवेलियन के नाम रहा। झारखण्ड प्रदेश की स्थापना के 25 वर्ष पूरे होने और धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के उपलक्ष्य में झारखंड पवेलियन में खास समारोह आयोजित किया गया, जिसका दर्शकों ने खूब आनंद लिया। साथ ही कार्यालय स्थानिक आयुक्त झारखंड भवन में भी सभी लोगों ने भगवान बिरसा मुंडा का माल्यार्पण कर स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर पवेलियन में बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किया गया और झारखंड के पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत किया गया। गौरतलब है कि बिरसा मुंडा 19वीं सदी के एक प्रमुख आदिवासी जननायक रहे। उनका जन्म 15 नवंबर को झारखण्ड के खूँटी में हुआ था। उनके नेतृत्व में मुंडाओं के महान आंदोलन 'उलगुलान' को अंजाम दिया गया। झारखंड में बिरसा मुंडा को भगवन के रूप में पूजा जाता हैं। उन्होंने मुंडा लोगों को अंग्रेजों से मुक्ति पाने के लिए मुनफ विद्रोह में भी खास भूमिका निभाई थी। दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय स्तर के मेले में झारखंड स्थापन की खुशियाँ खुशियाँ मनाना एक शानदार अनुभव इस अवसर पर झारखंड के उद्योग निदेशक विशाल सागर ने कहा कि आज का दिन झारखंड के लिए काफी गर्व का दिन है। आज बिरसा मुंडा जयंती तो है ही, साथ ही वर्ष 2000 में आज ही के दिन झारखण्ड एक नए प्रदेश के रूप में अस्तित्व में आया था। झारखंड प्रदेश के 25 साल पूर्ण होने का जश्न प्रदेश से दिल्ली तक मनाया जा रहा है। हमें व्यापार मेले में इस खुशी को मानते हुए काफी गर्व की अनुभूति हुई। दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय स्तर के मेले में अपनी खुशियाँ मनाना एक शानदार अनुभव है। कार्यक्रम में प्रबंध निदेशक जियाडा वरुण रंजन, कृषि निदेशक झारखंड भोर सिंह यादव अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

एक नजर

रिदम ऑफ फोक थीम पर राज्य की समृद्ध कला-संस्कृति का होगा भव्य समागम

रांची : भगवान बिरसा मुंडा जयंती एवं झारखंड स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में मोरहाबादी मैदान सांस्कृतिक रंगों से सराबोर होगा। 16 नवंबर को रिद्म ऑफ फोक थीम पर झारखंड की नौ प्रमुख भाषाओं और जनजातीय परंपराओं के लोक–नृत्य एक ही मंच पर अपनी अनूठी छटा बिखेरेंगे। कार्यक्रम में अखड़ा जगान, झूमर, संथाली नृत्य, कड़सा, खड़िया, मुंडारी, घोड़ा, पाईका और सरायकेलाझ्रमानभूम के छऊ नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दर्शकों को झारखंड की सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ेंगी। दर्शकों के लिए विशेष रूप से तैयार थीम बेस्ड ऑडियो–विजुअल प्रस्तुति कला, परंपरा और तकनीक का अनोखा संगम पेश करेगी। कथक, भरतनाट्यम, ओडिसी और आधुनिक नृत्य रूपों का फ्यूजन एक नई ऊर्जा और सौंदर्य लेकर आएगा। शास्त्रीयता और आधुनिकता के इस मेल को मंच पर खास तरह से कोरियोग्राफ किया गया है। दूसरे दिन की सांस्कृतिक संध्या में स्थानीय कलाकार टीम मुर्मू की अगुवाई में भव्य रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे।

झारखंड ओपन कराटे चैंपियनशिप की हुई शुरूआत

रांची : झारखंड स्थापना दिवस के मौके पर बिशप स्कूल, बहू बाजार में दूसरी सिकोकई झारखंड ओपन कराटे चैंपियनशिप की शुरूआत हुई। यह प्रतियोगिता सिकोकई कराटे इंटरनेशनल झारखंड और इंटरनेशनल मार्शल आर्ट एकेडमी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की जा रही है। कार्यक्रम का उद्घाटन बिशप स्कूल के प्राचार्य आई। ए। जैकब और इंटरनेशनल मार्शल आर्ट एकेडमी के तकनीकी निदेशक रेंशी सुनील किस्पोट्टा ने दीप जलाकर किया। सभी अतिथियों ने भगवान बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि भी दी। मुख्य अतिथि ने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि झारखंड के कराटे खिलाड़ी अब राष्ट्रीय ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी नाम कमा रहे हैं। महिलाओं की बढ़ती भागीदारी खेल के प्रति उनकी रुचि को दिखाती है। रेंशी सुनील किस्पोट्टा ने बताया कि इस प्रतियोगिता से चुने गए खिलाड़ी अगले महीने 19 से 21 दिसंबर को पटना में होने वाली सिकोकई ईस्ट जोन कराटे चैंपियनशिप में हिस्सा लेंगे। जनवरी में बंगाल में होने वाली अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भी ये खिलाड़ी भाग लेंगे। पहले दिन सब–जूनियर वर्ग की प्रतियोगिताएं हुईं। मेजबान रांची के खिलाड़ियों ने 8 स्वर्ण पदक जीतकर बढ़त बना ली। दूसरे स्थान पर चाईबासा, जबकि तीसरे स्थान पर धनबाद की टीम रही। रांची के 8 वर्षीय खिलाड़ी एरिक अनमोल डूडू ने पहला स्वर्ण जीतकर टीम का खाता खोला।

चैंबर भवन में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर हुआ आयोजन

रांची : झारखंड स्थापना दिवस के अवसर पर आज झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स और नागरमल मोदी सेवा सदन की ओर से चैंबर भवन में नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। सुबह 11 बजे शुरू हुए इस शिविर में शुरूआत से ही लोगों की भारी भीड़ रही।लगभग 100 से अधिक लोगों ने अलग–अलग तरह की स्वास्थ्य जांच कराई। शिविर में ईएनटी, डायबेटिक, फिजिशियन, ओरल एंड डेंटल, मैक्सिलोफेशियल, फिजियोथेरपी और कार्डियोलॉजी जैसे विभागों के विशेषज्ञ डॉक्टर मौजूद थे। डॉक्टरों ने मरीजों की जांच की और मुफ्त में कई टेस्ट भी किए गए। फिजियोथेरपी और कार्डियोलॉजी काउंटर पर सबसे ज्यादा लोग पहुंचे। नागरमल मोदी सेवा सदन के अध्यक्ष अरुण छावछरिया, मानद सचिव अभिषेक मोदी, ललित केडिया, वेद प्रकाश बागला और पैरामेडिकल टीम के सदस्य पूरे समय मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

झारखण्ड स्थापना दिवस : झारखण्ड जगुआर के जवानों और उनके परिजनों ने किया रक्तदान

रांची : झारखण्ड सरकार के निदेर्शानुसार झारखण्ड राज्य की स्थापना के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर दिनांक 12 से 28 नवंबर तक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर किये जा रहे हैं। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने स्वयं रक्तदान कर इस अभियान की शुरूआत की थी। इससे प्रेरित होकर झारखंड जगुआर परिसर में भी रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस पुनीत कार्य का उद्देश्य राज्य के स्थापना दिवस को सेवा और समर्पण भाव से मनाना और ब्लड बैंकों में रक्त की कमी को पूरा करने में योगदान देना था। इस रक्तदान शिविर में पुलिस महानिरीक्षक, झारखण्ड जगुआर (एस.टी.एफ.) अनूप बिरथरे, पुलिस उप–महानिरीक्षक झारखण्ड जगुआर (एस.टी.एफ.) इन्द्रजीत महथा, पुलिस उपाधीक्षक झारखण्ड जगुआर (एस.टी.एफ.) अतीन कुमार एवं अन्य वरीय पदाधिकारियों/ कर्मियों ने रक्तदान किया एवं शिविर में कुल 40 यूनिट रक्त एकत्र किया गया। पुलिस महानिरीक्षक झारखण्ड जगुआर (एस.टी.एफ.) अनूप बिरथरे ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि रक्तदान एक महादान है, जो किसी जरूरतमंद को नया जीवन दे सकता है। यह आयोजन राज्य के प्रति कर्तव्य और मानवीय मूल्यों को दशार्ता है। उन्होंने सभी रक्तदाताओं का आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी ऐसे समाजोपयोगी कार्यों को जारी रखने की प्रतिबद्धता दोहराई। राज्य के हर जिले और अस्पतालों में जारी रक्तदान शिविर का लाभ मिलता दिख रहा है। सरकारी अस्पतालों में रक्त की भारी कमी की भरपाई हो रही है। गरीब, बीमार और जरुरतमंदों को रक्त उपलब्ध होने लगा है।

हुंडरू जलप्रपात पर टला बड़ा हादसा, पर्यटनकर्मियों की बहादुरी से तीन बच्चे डूबने से बचे

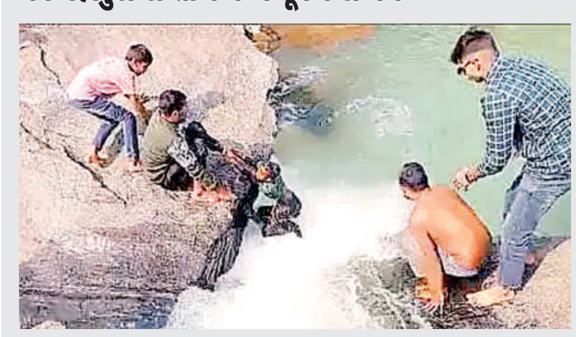

रांची : सिकिदरी थाना क्षेत्र स्थित प्रसिद्ध पर्यटन स्थल हुंडरू जलप्रपात पर एक बड़ा हादसा टल गया। शनिवार को जलप्रपात के पास स्थित मगतू मारादह जलाशय में डूब रहे हजारीबाग के एक स्कूल के तीन बच्चों को वहां तैनात पर्यटनकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए सुरक्षित बाहर निकाल लिया। ये बच्चे हजारीबाग जिले के चुरचू स्थित आइडल चिल्ड्रेन पब्लिक स्कूल के थे, जो शैक्षणिक भ्रमण के लिए हुंडरू जलप्रपात आए थे। जानकारी के अनुसार, स्कूल के छात्र समूह में घूम रहे थे, तभी कुछ बच्चे मगतू मारादह के पास पानी में उतर गए। पानी की गहराई का अंदाजा न होने या अचानक पैर फिसल जाने के कारण वे डूबने लगे और मदद के लिए चिल्लाने लगे। बच्चों की चीख–पुकार सुनकर वहां मौजूद पर्यटनकर्मी तुरंत हरकत में आए। उन्होंने बिना समय गंवाए पानी में छलांग लगाई और बहादुरी दिखाते हुए तीनों बच्चों को डूबने से बचा लिया। समय पर की गई इस कार्रवाई की वजह से एक बड़ी दुर्घटना टल गई। बचाव के बाद बच्चों को प्राथमिक उपचार दिया गया। तीनों सुरक्षित हैं, हालांकि इस घटना के बाद उनके शिक्षक और साथी छात्र काफी डर गए थे। घटना के बाद स्कूल प्रबंधन और अन्य पर्यटकों ने पर्यटनकर्मियों की बहादुरी और त्वरित कार्रवाई की सराहना की।

रांची सदर अस्पताल की टीम ने दिखाई तत्परता गला कटे मरीज का सफल ऑपरेशन

रांची : सदर अस्पताल रांची के चिकित्सकों ने शनिवार को टीम भावना और त्वरित कार्रवाई की मिसाल पेश की। ग्राम जरगा, थाना अनगड़ा के रहने वाले 24 वर्षीय एम तिर्की को गंभीर अवस्था में इमरजेंसी लाया गया था। उसका गला बेहद गहरे तक कटा हुआ था, जिससे सांस की नली तक प्रभावित हो चुकी थी। परिजन उसे गले पर खून से सना गमछा बांधकर लेकर पहुंचे थे। स्थिति की नाजुकता देखते हुए लेप्रोस्कोपिक सर्जन डॉ अजीत कुमार ने तुरंत हेड एंड नेक सर्जन डॉ अजय कुमार और प्लास्टिक सर्जन डॉ तन्मय प्रसाद से संपर्क कर ऑपरेशन थिएटर तैयार करने का निर्देश दिया। इस बीच उन्होंने उच्च पदाधिकारियों और पुलिस को घटना की सूचना भी दे दी। एनेस्थीसिया विभाग के इंचार्ज डॉ नीरज ने टीम के साथ मिलकर ओटी की तैयारी तुरंत पूरी करवाई। मरीज को अस्पताल आने के सिर्फ 15 मिनट के भीतर ऑपरेशन शुरू कर दिया गया। करीब दो घंटे तक चले इस जटिल ऑपरेशन में मरीज के सांस लेने के लिए नया मार्ग बनाया गया, जिसे ट्रेकियोस्टॉमी कहा जाता है। एनेस्थीसिया टीम ने तुरंत आवश्यक जांचें जैसे खून जांच, एबीजी और सेरोलॉजी पूरी कीं और मरीज को बेहोश कर ऑपरेशन शुरू किया गया। फिलहाल मरीज आईसीयू में डॉ अजीत और आईसीयू टीम की निगरानी में है। डॉक्टरों के अनुसार, अगले 72 घंटे मरीज के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। अस्पताल प्रशासन ने बताया कि पूरा ऑपरेशन निशुल्क किया गया। सिविल सर्जन डॉ प्रभात कुमार और उपाधीक्षक डॉ विमलेश सिंह ने त्वरित और प्रभावी कार्रवाई के लिए पूरी चिकित्सा टीम को बधाई दी। ऑपरेशन करने वाली टीम में हेड एंड नेक सर्जन डॉ अजय कुमार विद्यार्थी, लेप्रोस्कोपिक सर्जन डॉ अजीत कुमार, प्लास्टिक सर्जन डॉ तन्मय प्रसाद, एनेस्थीसिया विभाग के डॉ नीरज, डॉ वसुधा गुप्ता, डॉ आंचल और डॉ विकास बल्लभ शामिल थे। ओटी टीम में सिस्टर इंचार्ज स्नेहलता, संतोष, कंचन, संजू, सीमा, सुरेश, नंदिनी और विरंजन ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर विभिन्न संगठनों ने दी श्रद्धांजलि

रांची : भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर शनिवार को सामाजिक और आदिवासी संगठनों ने श्रद्धांजलि समारोह आयोजित कर धरती आबा को नमन किया। कोकर स्थित बिरसा मुंडा समाधि स्थल और खादगढ़ा–बिरसा बस टर्मिनल परिसर में बड़ी संख्या में संगठन के प्रतिनिधि और स्थानीय लोग पहुंचे। केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष बबलू मुंडा के नेतृत्व में कोकर समाधि स्थल पर भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। मुख्य पाहन जगलाल पाहन ने बिरसा मुंडा के जन्म, संघर्ष और उलगुलान आंदोलन की चर्चा करते हुए कहा कि बिरसा ने जनजातीय समाज को एकजुट कर अंग्रेजों और जमींदारों के अत्याचार के विरुद्ध बड़ा जन–आंदोलन खड़ा किया। अध्यक्ष बबलू मुंडा ने कहा कि बिरसा के विचारों ने आदिवासी समाज में नई चेतना और एकता जगाई है। प्रधान महासचिव अशोक मुंडा ने कहा कि बिरसा मुंडा भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के महानायक हैं। उनकी जयंती को देश जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाता है। बिरसा मुंडा बस टर्मिनल, खादगढ़ा में अखिल भारतीय आदिवासी विकास परिषद और चुनवा टोली सरना समिति के संयुक्त तत्वावधान में जयंती समारोह आयोजित किया गया।

समाज को राह दिखाता है मीडिया

देश को आजादी दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली पत्रकारिता आजादी के बाद भी अलग-अलग परिदृश्यों में अपनी सार्थक जिम्मेदारियों को निभा रही है लेकिन मौजूदा दौर में पत्रकारिता दिनों-दिन मुश्किल बनती जा रही है। जैसे-जैसे समाज में अत्याचार, भ्रष्टाचार, दुराचार और अपराध बढ़ रहा है। पत्रकारों पर हमले की घटनाएं भी बढ़ रही हैं। मीडिया और पत्रकारों पर हमला वही करते या करवाते हैं जो इन बुराइयों में डूबे हुए हैं। ऐसे लोग दोहरा चरित्र जीते हैं। मीडिया जब इनके काले कारनामों की पोल खोलने लगता है तो ये बौखला जाते हैं और उन पर हमले करवाते हैं। पुलिस और शासन तंत्र भी इन्हीं का साथ देते हैं। दिखावे के तौर पर मामला दर्ज कर लिया जाता है लेकिन होता कुछ नहीं। ये हालात चिन्ताजनक है। भारत में हर वर्ष 16 नवम्बर को राष्ट्रीय प्रेस दिवस मनाया जाता है। यह दिन भारत में एक स्वतंत्र और जिम्मेदार प्रेस की मौजूदगी का प्रतीक है। राष्ट्रीय प्रेस दिवस, प्रेस की स्वतंत्रता एवं जिम्मेदारियों की ओर हमारा ध्यान आकृष्ट करता है। प्रथम प्रेस आयोग ने भारत में प्रेस की स्वतंत्रता की रक्षा एंव पत्रकारिता में उच्च आदर्श कायम करने के उद्देश्य से एक प्रेस परिषद की कल्पना की थी। परिणाम स्वरूप 4 जुलाई 1966 को भारत में प्रेस परिषद की स्थापना की गई जिसने 16 नवम्बर 1966 से अपना विधिवत कार्य शुरू किया। तब से लेकर आज तक प्रतिवर्ष 16 नवम्बर को राष्ट्रीय प्रेस दिवस के रूप में मनाया जाता है। राष्ट्रीय प्रेस दिवस पत्रकारों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से स्वयं को फिर से समर्पित करने का अवसर प्रदान करता है। मीडिया को समाज का दर्पण एवं दीपक दोनों माना जाता है। चाहे वे समाचार पत्र हों या समाचार चैनल, उन्हें मूलतः समाज का दर्पण माना जाता है। दर्पण का काम है कि वह समाज की हू-ब-हू तस्वीर समाज के सामने पेश कर सकें। परन्तु कभी-कभी निहित स्वार्थों के कारण ये समाचार मीडिया समतल दर्पण की जगह उत्तल या अवतल दर्पण की तरह काम करने लग जाते हैं। इससे समाज की उल्टी, अवास्तविक, काल्पनिक एवं विकृत तस्वीर भी सामने आ जाती है। तात्पर्य यह है कि खोजी पत्रकारिता के नाम पर आज पीली व नीली पत्रकारिता हमारे कुछ पत्रकारों के गुलाबी जीवन का अभिन्न अंग बनती जा रही है। भारतीय प्रेस परिषद ने अपनी रिपोर्ट में कहा भी है कि भारत में प्रेस ने ज्यादा गलतियां की है एंव अधिकारियों की तुलना में प्रेस के खिलाफ अधिक शिकायतें दर्ज हैं। वर्तमान समय में पत्रकारिता का क्षेत्र व्यापक हो गया है। पत्रकारिता जन-जन तक सूचनात्मक, शिक्षाप्रद एवं मनोरंजनात्मक संदेश पहुंचाने की कला एंव विधा है। समाचार पत्र एक ऐसी उत्तर पुस्तिका के समान है जिसके लाखों परीक्षक एवं अनगिनत समीक्षक होते हैं। अन्य माध्यमों के भी परीक्षक एंव समीक्षक उनके लक्षित जनसमूह ही होते हैं। तथ्यपरकता, यथार्थवादिता, संतुलन एंव वस्तुनिष्ठता इसके आधारभूत तत्व है। परन्तु इनकी कमियां आज पत्रकारिता के क्षेत्र में बहुत बड़ी त्रासदी साबित होने लगी हैं। पत्रकार चाहे प्रशिक्षित हो या गैर प्रशिक्षित, यह सबको पता है कि पत्रकारिता में तथ्यपरकता होनी चाहिए। परन्तु तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर, बढ़ा-चढ़ा कर या घटाकर सनसनी बनाने की प्रवृति आज पत्रकारिता में बढ़ने लगी है। रिपोर्टर्स विदआउट बॉर्डर्स (आरएसएफ) के 2025 विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक में भारत 180 देशों में से 151वें स्थान पर है। यह साल 2024 में 159वें और 2023 में 161वें स्थान से थोड़ा बेहतर है। लेकिन भारत अभी भी बहुत गंभीर प्रेस स्वतंत्रता श्रेणी में है। भारत नेपाल (90वां), मालदीव (104वां), श्रीलंका (139वां) और बांग्लादेश (149वां) जैसे पड़ोसी देशों से नीचे है। नॉर्वे, एस्टोनिया और नीदरलैंड्स प्रेस स्वतंत्रता में वैश्विक स्तर पर शीर्ष तीन प्रदर्शनकारी हैं। पहली बार, वैश्विक प्रेस स्वतंत्रता को आर्थिक दबावों के बढ़ने के कारण कठिन स्थिति में देखा जा रहा है। भारत जैसे विकासशील देशों में मीडिया पर जातिवाद और सम्प्रदायवाद जैसे संकुचित विचारों के खिलाफ संघर्ष करने और गरीबी तथा अन्य सामाजिक बुराइयों के खिलाफ लड़ाई में लोगों की सहायता करने की बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। क्योंकि लोगों का एक बहुत बड़ा वर्ग पिछड़ा और अनभिज्ञ है। इसलिये यह और भी जरूरी है कि आधुनिक विचार उन तक पहुंचाए जाएं और उनका पिछड़ापन दूर किया जाए, ताकि वे सजग भारत का हिस्सा बन सकें। इस दृष्टि से मीडिया की बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। आजादी से पहले पत्रकारिता एक मिशन थी।

शांति ही नहीं, सह-जीवन के लिये जरूरी है सहिष्णुता

ललित गर्ग

विश्व में सहिष्णुता को बढ़ावा देने और जन-जन में शांति, सहनशीलता, स्वस्थता एवं संवेदना के लिये जागरूकता फैलाने के लिए हर वर्ष 16 नवंबर को अंतरराष्ट्रीय सहिष्णुता दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसका उद्देश्य संसार में हिंसा, युद्ध एवं आतंक की भावना और नकारात्मकता को खत्म कर अहिंसा को बढ़ावा देना है। दुनिया में बढ़ते अत्याचार, आतंक, हिंसा और अन्याय को रोकने और लोगों को सहनशीलता और सहिष्णुता के प्रति जागरूकता की भावना जगाने के लिये इस दिवस की विशेष प्रासंगिकता है। यह दिवस सभी धर्मों और अलग-अलग संस्कृतियों को एक होने की प्रेरणा देता है। यह केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि मानवता के भविष्य को बचाने की अनिवार्य पुकार है। जिस समय दुनिया विकास और तकनीक की ऊँचाइयों को छू रही है, उसी समय वह असहिष्णुता, हिंसा, युद्ध, आतंक और आक्रोश की गहराइयों में डूबती भी जा रही है। यह विरोधाभास बताता है कि मनुष्य बाहरी रूप से कितना भी समर्थ हो जाए, लेकिन यदि भीतर सहिष्णुता, धैर्य और संवेदना का प्रकाश न हो, तो सभ्यताएँ चमकते हुए भी विघटन के कगार पर खड़ी हो सकती हैं। आज के तनावपूर्ण वातावरण में सहिष्णुता मानवीय संबंधों को जोड़ने वाली सबसे महत्वपूर्ण शक्ति है। यह कमजोरी नहीं, बल्कि वह आंतरिक सामर्थ्य है जो हमें अपने विचारों के साथ दूसरों के विचारों को समझने, स्वीकारने और सम्मान देने की क्षमता प्रदान करती है।

व्यक्तियों, समाजों एवं राष्ट्रों की एक दूसरे के लिये बढ़ती असहिष्णुता ही युद्ध, नफरत एवं द्वेष का कारण है, यही साम्प्रदायिक हिंसा एवं उन्माद का भी कारण है। असहिष्णुता, घृणास्पद भाषण और दूसरों के प्रति भय, नफरत, घृणा एवं द्वेष न केवल संघर्ष और युद्धों का एक शक्तिशाली प्रेरक है, बल्कि इसका मुख्य कारण भी है। जबकि सहिष्णुता वह बाध्यकारी शक्ति है जो हमारे बहुसांस्कृतिक, बहुजातीय और बहुधार्मिक समाज को एकजुट करती है। असहिष्णुता केवल सामाजिक एवं राजनैतिक ताने-बाने को ही छिन्न-भिन्न नहीं करती है, बल्कि इसका देश की अर्थव्यवस्था, उसके विकास एवं अंतर्राष्ट्रीय छवि पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। वैश्वीकरण के युग में अंतर्राष्ट्रीय वित्त एवं व्यापार व्यवस्था को मजबूती देने के लिये सहिष्णुता की बड़ी जरूरत है। यह व्यक्तिगत जीवन में बहुत महत्वपूर्ण है। दरअसल, बदलते लाइफस्टाइल और सामाजिक माहौल की वजह से लोगों के अंदर सहनशीलता लगातार घटती जा रही है।

दुनिया भर में बढ़ते युद्ध, धार्मिक कट्टरता, नस्लीय संघर्ष, जातीय टकराव और सोशल मीडिया पर फैलती नफरत इस बात का प्रमाण हैं कि असहिष्णुता की आग कितनी तेजी से फैल रही है। ऐसे वातावरण में सहिष्णुता केवल सामाजिक मूल्य नहीं, बल्कि मानवता का आधार बन जाती है। मनुष्य जब संवाद खो देता है, जब सुनने की संस्कृति कमजोर पड़ जाती है, जब व्यक्तिगत अहंकार सामूहिक सद्भाव पर भारी पड़ने लगता है, तब असहिष्णुता जन्म लेती है। यही कारण है कि आज की दुनिया में सबसे बड़ी कमी है-संवाद, धैर्य और विविधता को सम्मानपूर्वक स्वीकारने की क्षमता। सहिष्णुता केवल अंतरराष्ट्रीय संबंधों के लिए आवश्यक नहीं, बल्कि व्यक्तिगत जीवन की भी अनिवार्यता है। घरों में तनाव बढ़ रहा है क्योंकि हम दूसरों की बात सुनने का धैर्य खोते जा रहे हैं। रिश्ते टूट रहे हैं क्योंकि हम भिन्नता को स्वीकारने के लिए तैयार नहीं। आधुनिक मनुष्य तेजी से प्रतिक्रियाशील हो गया है; छोटी-सी आलोचना भी उसे अस्थिर कर देती है। यदि हम अपने भीतर सहिष्णुता का दीपक जलाएँ, तो जीवन सरल, सुंदर और शांतिमय हो सकता है।

विशेष रूप से राजनीति में सहिष्णुता की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। राजनीति राष्ट्र का मार्ग निर्धारित करती है; यदि इसमें असहिष्णुता, अपमान, दुराग्रह और द्वेष बढ़ता है, तो समाज में भी यही भाव प्रसारित होते हैं। आज जब राजनीतिक भाषा में कटुता बढ़ रही है, विपक्ष की नकारात्मकता के कारण लोकतांत्रिक संवाद और राजनीतिक संस्कृति दोनों खतरे में पड़ रहे हैं। राजनीति का मूलभूत उद्देश्य जनता की सेवा और राष्ट्र का विकास है, परन्तु यह तभी संभव है जब विचारों की विविधता को सम्मान मिले, विचार-विमर्श की परंपरा जीवित रहे और नेता विरोधी विचारों को भी सुने। श्रेष्ठ नेतृत्व वही है जो सबको साथ लेकर चले, न कि विभाजन और नफरत की सियासत को हवा दे। सहिष्णुता राजनीति को परिपक्वता प्रदान करती है और सत्ता के अहंकार को मानवीय संवेदना से संतुलित करती है।

धर्म के क्षेत्र में भी सहिष्णुता की आवश्यकता अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि धर्म का मूल स्वरूप शांति, करुणा, प्रेम और सद्भाव है। लेकिन जब धर्म कट्टरता और संकीर्णता का साधन बनने लगता है, जब लोग अपने मत को सर्वोच्च और दूसरों के मत को नीचा समझने लगते हैं, तब धर्म का वास्तविक उद्देश्य नष्ट हो जाता है। महावीर, बुद्ध, ईसा, पैगंबर, गांधीकृसभी ने धर्म को मन की शुद्धि और मानवता की रक्षा का मार्ग बताया है, न कि विभाजन और संघर्ष का। धर्म का सार यही है कि हम भिन्नताओं को समझें, दूसरों की आस्थाओं का सम्मान करें और मनुष्यता को सर्वोच्च मानें। धार्मिक सहिष्णुता किसी समाज की आध्यात्मिक ऊँचाई का मापदंड होती है। सह-अस्तित्व की भावना ही वह आधार है जिस पर उन्नत दुनिया का निर्माण संभव है। हम एक ही धरती पर रहते हैं, एक ही मानव समुदाय से जुड़े हैं, और चाहे किसी भी भाषा, धर्म, जाति या संस्कृति से हों, हमारी नियति एक-दूसरे से गुँथी हुई है। यदि हम साथ रहना सीख लें, एक-दूसरे का सम्मान करते हुए आगे बढ़ें, तो दुनिया हिंसा और तनाव से मुक्त होकर सौहार्द और समृद्धि का नया अध्याय लिख सकती है।

दरअसल, बदलते लाइफस्टाइल और सामाजिक माहौल की वजह से लोगों के अंदर सहनशीलता लगातार घटती जा रही है। सामाजिक माहौल ना बिगड़े और लोग एक दूसरे के साथ मिल-जुलकर रहे। व्यक्ति, समाज, राष्ट्र एवं अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर छोटी-छोटी बातों पर लड़ाई-झगड़ा एवं युद्ध की स्थितियां बनना आम हो गया है। रूस-यूक्रेन एवं इजरायल-हमाम के बीच लम्बे युद्धों ने विश्व मानव समाज के लिये गंभीर खतरे उत्पन्न किये है। लगातार युद्ध की बढ़ती स्थितियां एवं आतंकवाद की बढ़ना व्यक्ति, समाज, राष्ट्र एवं विश्व में बढ़ती असहिष्णुता का ही परिणाम है। किसी भी युग में किसी भी देश में जब-जब सहिष्णुता की दीवार में कोई सुराख करने की कोशिश हुई है, तब-तब आसुरी एवं हिंसक शक्तियों ने सामाजिक एकता को कमजोर किया है और विनाश का तांडव रचा है। सहिष्णुता तभी कायम रह सकती है जब संवाद कायम रहे। सहिष्णुता इमारत है तो संवाद आधार। लेकिन प्रतिस्पर्धा और उपभोक्तावाद के जाल में फंस चुके इस विश्व में यह संवाद लगातार टूटता जा रहा है।

संत कबीरदास से लेकर गुरूनानक, रैदास और आचार्य तुलसी आदि संतों ने समाज में सहिष्णुता का भाव उत्पन्न कर सामाजिक समरसता को जन जन तक पहुंचाया। इससे समाज में सही अर्थों में सहिष्णुता की भावना बलवती हुई। संत कबीर हिन्दु-मुस्लिम एकता के प्रतीक थे। उन्होंने राम-रहीम को एक माना और कहा ईश्वर एक है भले ही उसके नाम अलग-अलग क्यों न हों। आजादी के आंदोलन के दौरान महात्मा गांधी ने सहिष्णुता का संदेश घर-घर तक पहुंचाया। गांधीजी सहिष्णुता के साक्षात प्रतीक थे। सहनशीलता हमारे जीवन का मूल मंत्र है। सहिष्णुता ही लोकतंत्र का प्राण है और यही वसुधैव कुटुम्बकम, सर्वे भवन्तु सुखिनः एवं सर्वधर्म सद्भाव का आधार है। इसी से मानवता का अभ्युदय संभव है। अंतर्राष्ट्रीय सहिष्णुता दिवस हमें याद दिलाता है कि मनुष्यता का भविष्य इस बात पर निर्भर करता है कि हम कितना स्वीकार करते हैं, कितना समझते हैं और कितनी उदारता से जीते हैं। यह समय की माँग है कि राजनीति में संवाद, धर्म में करुणा और समाज में संवेदना का विस्तार हो। यदि हम सहिष्णुता को विचार नहीं, बल्कि जीवन की शैली बना लें, तो न केवल हमारा व्यक्तिगत जीवन शांतिमय होगा, बल्कि दुनिया भी अधिक सुरक्षित, सुंदर और मानवीय बन जाएगी। यही सहिष्णुता का वास्तविक संदेश है और यही मानवता की सबसे बड़ी आवश्यकता।

बिहार में एनडीए की प्रचंड जीत और लालूराज का स्याह अतीत

विक्रम उपाध्याय

साल 1990 में भारतीय राजनीति में दो बड़ी घटनाएं हुईं। विश्वनाथ प्रताप सिंह के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने उस साल सत्ताईस प्रतिशत आरक्षण के प्रावधान के साथ मंडल आयोग की सिफारिशें लागू की और उसी साल तमाम तिकड़मों के साथ लालू प्रसाद यादव बिहार के मुख्यमंत्री बन गए। यूं तो मंडल आयोग को लेकर पूरे देश में विरोध प्रदर्शन हुए लेकिन बिहार में इसके कारण वर्ग संघर्ष शुरू हुआ। अगड़े-पिछड़े के बीच कभी न खत्म होने वाली नफरत की खाई खोद दी गई। मुख्यमंत्री के नाते लालू प्रसाद यादव ने इसे खत्म करने के बजाय इसको हवा दी और पूरे दस साल जातीय नरसंहार का सिलसिला चलने दिया। उस दौरान राह चलते लोगों की जातियां पूछकर ठुकाई की जाती रही और सत्ता में बैठे लालू इस संघर्ष का राजनीतिक लाभ लेते रहे। चारा घोटाले में नाम आने के बाद लालू प्रसाद यादव को कुर्सी छोड़नी पड़ी और साल 2005 आते-आते बिहार ने लालू परिवार के शासन से जो एक बार तौबा की तो फिर उस तरफ नहीं देखा। साल 2025 के ताजा चुनाव परिणाम में राजद के सफाए के पीछे प्रारंभिक कारण सिर्फ और सिर्फ लालू राज के अत्याचार से बचे रहने का फैसला ही है।

राजनीतिक विश्लेषक भले ही जीत-हार के अलग-अलग कारण गिना रहे हों लेकिन नीतीश कुमार के प्रति विश्वास से कोई बड़ा कारण नहीं हो सकता है। उस पर से भाजपा का केंद्र की सत्ता में रहना, सोने पर सुहागे की तरह काम कर रहा है। मोदी और नीतीश ने मिलकर बिहार का ऐसा एकजुट समाज बनाया है, जिसमें सभी वर्ग के लोग सुरक्षित महसूस करते हैं, यहां तक कि मुस्लिम आबादी भी। भले आर्थिक आंकड़ों में यह बिहार किसी शीर्ष राज्य की श्रेणी में नहीं आता है लेकिन चैन से सोने और मनमाफिक काम करने की आजादी की कोई गणना हो तो बिहार पहले पांच राज्यों में जरूर आ सकता है।

नीतीश कुमार ने बीस वर्षों के अपने कार्यकाल में जो सबसे बड़ी मिसाल कायम की है, वह है, तठस्थता के साथ सरकार का संचालन और बिना राग-द्वेष का राजनीतिक व्यवहार। दूसरी तरफ लालू परिवार ने अपने पंद्रह साल के शासन में राज्य को न सिर्फ अशांत क्षेत्र में बदल दिया बल्कि खुद के लिए भ्रष्टाचार का स्वर्ग स्थापित कर लिया। ना तो उन्होंने सामाजिक मयार्दा का ख्याल रखा और ना किसी कानून की परवाह की। सत्ता के अपने सहयोगियों से भी वसूली करने में नहीं हिचके। कांति सिंह और रघुनाथ झा जैसे वरिष्ठ सहयोगियों से भी सांसद, मंत्री बनाने के एवज में जमीन लिखवा ली। कहा तो यह भी गया कि लालू प्रसाद यादव ने बिहार के समर्थ लोगों के खिलाफ अपहरण और फिरौती के कारोबार को अपनी देखरेख में चलवाया। हालात तो यहां तक पहुंच गई थी कि अपराधियों ने लोगों की अवकाश निधि और पेंशन को हड़पने के लिए भी अपहरण का रास्ता अपनाया। क्या उस बिहार की कोई दोबारा कल्पना करना चाहेगा? कभी नहीं। बिहार के लोगों के मन में हमेशा के लिए यह भाव घर कर गया है कि राजद को सत्ता में लाने के लिए वोट करने का मतलब फिर से साल 1990 के बाद के काल खंड में बिहार को पहुंचाना है।

ऐसा नहीं है कि बिहार, नीतीश के शासन काल में कोई आदर्श राज्य बन गया है। ना ही आर्थिक क्षेत्र में कोई बड़ी प्रगति की है। बड़े उद्योग-धंधे भी नहीं लगे। स्थाई रोजगार का भी टोटा है। पर नीतीश कुमार ने बिहार को बिखरने नहीं दिया है। समाज के निचले तबके के जीवन में आसानी पैदा करने की लगातार कोशिश की है। एक से दूसरी जातियों के बीच टकराव पैदा कर राजनीतिक फायदे की कोशिश के बजाय नीतीश के शासन ने सबके लिए अवसर का सृजन किया है। जिस नौकरी का लालच देकर सत्ता परिवर्तन का सपना तेजस्वी यादव देख रहे थे, उसी नौकरी के विकल्प को सफलता पूर्वक नीतीश सरकार लागू करती रही है। निविदा पर ही सही हजारों लोगों को शिक्षक की नौकरी नीतीश ने 20 साल पहले देनी शुरू कर दी थी। अब तो लोग सेवानिवृत हो रहे हैं। वे निविदा के कर्मचारी नीतीश कुमार के लिए साधुवाद का भाव रखते हैं।

लालू के शासन वाले और नीतीश के शासन वाले बिहार में किसी को अंतर देखना है तो बिहार की सड़कों पर निकल जाए। लालू की सरकार के दौरान व्यापारी, अधिकारी, पेशेवर लोग, खास कर के डॉक्टर पलायन के लिए मजबूर किए गए थे। नीतीश के शासन ने ये सब लोग बिना किसी डर के अपना कारोबार और पेशा बढ़ा रहे हैं। कोई ऐसा जिला नहीं होगा, जहां मॉल न खुल गया हो। जहां तनिष्क, टाटा और रिलायंस के शोरूम न हों। किसी भी हाईवे से निकल कर देखिए, नए और बड़े निर्माण होते दिखाई पड़ जाएंगे। किसी चौराहे पर खड़े हो जाइए, महिला पुलिस बहुतायत में दिखाई पड़ जाएंगी। अधिकतर थानेदार, आपको उस जाति वर्ग के मिलेंगे, जिनको राजद अपनी बपौती बताती रहती थी। यह विकास के साथ सामाजिक विश्वास का आगाज है।

नीतीश कुमार और भाजपा के बीच के प्रगाढ़ संबंध की उम्र अब तीस साल से अधिक हो गई है। बीच के दो छोटे-छोटे समयावधि को निकाल दे तो यह संबंध लगातार मजबूती की ओर ही बढ़ता गया है। स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी ने जो नीतीश कुमार के साथ सद्भाव और विश्वास का संबंध स्थापित किया था, उसे लगातार प्रधानमंत्री मोदी आगे बढ़ा रहे हैं। सामाजिक न्याय के सभी प्रयोगों से लेकर बिहार के आर्थिक विकास के लिए पीएम मोदी ने नीतीश कुमार और बिहार के लिए संसाधनों की कमी नहीं होने दी है। आवास, इलाज और भूख की कमी से निबटने के उपायों में स्वयं प्रधानमंत्री मोदी अपनी और से पहल करते रहे हैं। इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में बिहार जिस रफ्तार से आगे बढ़ रहा है, उसे देखकर कोई भी अंदाज लगा सकता है कि अगले दस साल में कनेक्टिविटी के मामले में बिहार किसी भी राज्य को मात दे सकता है। बिहार के लगभग सभी बड़े शहर हवाई मार्ग से जुड़ने जा रहे हैं। एक साथ दस नए एयरपोर्ट का निर्माण हो रहा है। बिहार को गरीब राज्य कह कर चिढ़ाने वाले लोग एक बार यह जानकारी जरूर कर लें कि बिहार में कितनी ऐसी कंपनियां काम कर रही है, जिनका प्रबंधन किसी और राज्य से होता है।

एनडीए को 200 सीटें यदि बिहार की जनता ने दी है, तो उसके पीछे सिर्फ महिलाओं को दी गई दस हजार की आर्थिक मदद नहीं है। राजद ने तो अपने घोषणा पत्र में तीन गुना राशि 14 जनवरी को देने का ऐलान कर दिया था। हर परिवार को एक नौकरी देने का प्रस्ताव रख दिया था। बिहार की जनता पैसे पर बिक कर वोट करने नहीं गई थी। इतना भारी जनमत वह मोदी और नीतीश में विश्वास जताने के लिए देने गई थी। बिहार के इस चुनाव परिणाम का विश्लेषण इस डायलॉग के साथ पूरा होना चाहिए कि यह लालू परिवार के डर के आगे एनडीए पर विश्वास की जीत है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

सूडोकु नवताल- 7615 ★★★ मध्यम

8	2			6			1	
	6		8	9			7	5
3			1					2
	3		4				6	
6		2		1		4		3
	8				5		2	
2					3			1
5	1			7	6		4	
	9			4			3	6

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल 7614 का हल

8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5

नए भारत के विराट नेतृत्व के पक्ष में बिहार का जनादेश

आचार्य संजय तिवारी

बिहार के चुनाव परिणाम आ चुके। जनादेश की आंधी में भारत विरोधी जुमलों का नामोनिशान मिट गया। बिहार की जनता ने साफ संदेश दे दिया कि ज्ञान और संस्कृति की धरती पर अपशब्दों, गलियों, संस्कृति पर आघात और सनातन विरोधी साजिशकताओं के लिए अब कोई जगह नहीं है। बिहार ने नए भारत के विराट नेतृत्व में गजब की आस्था व्यक्त किया है। नरेन्द्र मोदी पर भरोसा, अमित शाह की रणनीति और एनडीए के सभी दलों में अद्भुत सामंजस्य ने भारत की राष्ट्रीय राजनीति को भी स्थायित्व प्रदान किया है। पूरे चुनाव प्रबंधन की रणनीति के शिल्पी अमित शाह की दूरगामी दृष्टि है जिसने इस एक चुनाव के माध्यम से ही केंद्र की सरकार को भी बहुत सलीके से और मजबूत बना दिया है। गाहे-बगाहे केंद्र सरकार की अस्थिरता के सपने देखने वालों की अब नींद जरूर टूट जाएगी। चुनाव आयोग समेत देश की लगभग सभी संवैधानिक संस्थाओं को बार बार कठघरे में खड़ा कर लोगों को भटकाने की राहुल गांधी की योजना को भी इस परिणाम ने ध्वस्त कर दिया है। इस चुनाव में मोदी और नीतीश को लेकर महिलाओं ने जो उत्साह दिखाया वह अभूतपूर्व कहा जाएगा। वास्तव में बिहार चुनाव की अवधि और इसके परिणाम की गहराई को देखने से कई महत्वपूर्ण तथ्य सामने आ रहे हैं। यह चुनाव वास्तव में एक लिटमस परीक्षण ही था जिसकी वास्तविकताओं को भी सामने लाने में डर लग रहा था। विपक्षी इंडी गठबंधन की धमकी और भाषा ने अनेक सर्वे एजेंसियों को वास्तविकता परोसने नहीं दिया। सब डरे हुए थे। जब बिहार में चुनाव प्रचार शुरू हुआ था तब वोट चोरी के आरोपों के साथ अत्यंत उपद्रवी अंदाज में कांग्रेस और राजद ने अभियान चलाया। राहुल गांधी की आक्रामकता से अब सभी परिचित हैं। उन लोगों को यह लग रहा था कि बिहार के नौजवान उनकी आक्रामकता और शैली के प्रभाव में जरूर आएंगे और नेपाल की जेन जेड क्रांति जैसा कुछ हो जाएगा। बिहार में दक्षिण के उन नेताओं के साथ मंच सजाए गए जो बाकायदा अपने राज्य में हिंदुत्व उन्मूलन अभियान चला रहे हैं।

यहां एक और महत्वपूर्ण घटना हुई। बिहार का बेटा बनकर प्रशांत किशोर का चुनावी शंखनाद और जन जागरण। उनकी घोषणा थी कि इस बार नीतीश कुमार की पार्टी जदयू 25 से भी कम सीटों में सिमट जाएगी। यदि 25 से ज्यादा सीटें जद यू को मिलीं तो वे राजनीति छोड़ देंगे। बिहार चुनाव से पहले तक तक अलग -अलग राजनीतिक दलों के लिए चुनावी रणनीति की दुकान चलाने वाले प्रशांत किशोर को लगा था कि बिहार के वास्तविक मुद्दों को उभार कर, जंगलराज को दोहराने का डर दिखा कर जनता को वह अपने पक्ष में कर लेंगे। इसी सपने के साथ उन्होंने सभी 243 सीटों पर जनसुराज के प्रत्याशी खड़े कर दिए। प्रशांत किशोर की बातों और उनके मुद्दों से जनता आकर्षित तो हुई लेकिन जनता को इसके लिए प्रशांत किशोर की पार्टी पर भरोसा नहीं हुआ। उभरे हुए ये मुद्दे लहलहाती फसल बन कर एनडीए की खलिहान की फसल बन गए। 20 वर्ष पुराने जंगलराज की कहानियों ने बिहार के युवाओं और महिलाओं को विकल्प तलाशने पर विवश कर दिया। परिणाम यह हुआ कि जनता के सामने सबसे विश्वसनीय चेहरे के रूप में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ही नजर आए। रणनीति के साथ मगध की धरती पर गृहमंत्री अमित शाह ने मैदान में अपनी संतुलित और सुदृढ़ सेना उतार दी। भाजपा, जदयू के अलावा चिराग पासवान, जीतनराम मांझी और भूपेंद्र कुशवाहा जैसे बिहारी नेतृत्व को साझा सेना देकर सामने रखा। प्रबंधन में सीआर पाटिल के साथ केशव मौर्य की टीम लगा दी।

प्रधानमंत्री और गृहमंत्री ने बिहार को सांस्कृतिक धरातल पर मथा। लोक पर्व छठ को वैश्विक सम्मान देते और दिलाते हुए बिहार में विकास के नए आयाम दिखाए। महिलाओं के लिए अलग से भी नई योजनाएं लाई गईं। नीतीश कुमार के नेतृत्व पर भरोसा जताया। बिहार के परिणाम ने नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार को बहुत मजबूत कर दिया है। भाजपा के बिहार प्रभारी और केंद्रीय शिक्षांत्री धर्मेंद्र प्रधान कहते हैं कि जनता ने पिछले 20 साल के काम, पिछले साढ़े 11 साल की प्रधानमंत्री की नीतियों और जंगलराज तथा कुशासन के इतिहास को परखा और तुलना करने के बाद हम पर फिर से भरोसा जताया है।

यहां यह लिखना बहुत समीचीन लगता है कि बिहार के विकास मॉडल के ब्रांड एंबेसडर स्वयं तेजस्वी यादव उसी रात बन गए थे जिस रात पटना में लोकनायक ब्रिज या कहें कि मरीन ड्राइव पर डांस करते नजर आए। दरअसल, तेजस्वी यह समझ ही नहीं सके कि उनके पिता के कार्यकाल वाले दौर से निकल चुके बिहार के 20 वर्षों के विकास का ही परिणाम है कि वे आधी रात को बिल्कुल निडर होकर यह डांस कर रहे हैं। उनका यह डांस स्वयं नीतीश कुमार के विकास के मॉडल का प्रचार कर गया। ऊपर से प्रशांत किशोर द्वारा लालू के बिहार के जंगलराज की घर-घर पहुंची कहानी को एनडीए के प्रचार अभियान ने ऐसी तीव्रता दी कि बिहार का हर युवा 20 साल पहले वाले बिहार की कहानी नेट पर सर्च करने लगा।

एक और बात। सोशल मीडिया और कुछ यूट्यूबरों ने विपक्षी इंडी गठबंधन के पक्ष में राहुल और तेजस्वी की जोड़ी के लिए खूब अभियान चलाया लेकिन उसे जो लाइक और कमेंट मिले वे वोटों में तब्दील नहीं हो सके। अभी उत्तर प्रदेश में भाजपा के साथ गलबहियों में समाए ओमप्रकाश राजभर ने तो यहां तक ऐलान कर दिया कि बिहार में नीतीश सरकार जा रही है। केंद्र से लेकर प्रदेशों तक के सभी बडे नेता एक लड़के (तेजस्वी यादव) के पीछे लग गए हैं। राजभर वैसे भी टिप्पणियों के लिए जाने जाते हैं लेकिन इस बार उन्होंने सीधे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह को ही निशाना बना लिया।

दैनिक पंचांग

16 नवम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

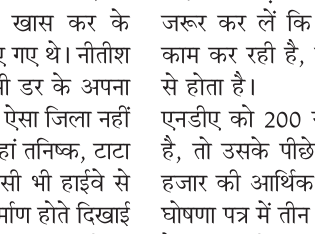

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	तुला में	वृश्चिक	06.20 ब.से
चंद्र	कन्या में	धनु	08.36 बजे से
मंगल	वृश्चिक में	मकर	10.41 बजे से
बुध	वृश्चिक में	कुंभ	12.27 बजे से
गुरु	कर्क में	मीन	14.00 बजे से
शुक्र	तुला में	मेष	15.31 बजे से
शनि	मीन में	वृष	17.11 बजे से
राहु	कुंभ में	मिथुन	19.09 बजे से
केतु	सिंह में	कर्क	21.22 बजे से
		सिंह	23.38 बजे से
राहुकाल	4.30 से 6.00 बजे तक	कन्या	01.50 बजे से
		तुला	04.01 बजे से

रविवार 2025 वर्ष का 320 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** मृगशीर्ष (दक्षिण भारत में कार्तिक) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** द्वादशी 04.48 बजे प्रात: को समाप्त। **नक्षत्र** हस्त 02.11 बजे को समाप्त। **योग** विष्कुम्भ 06.46 बजे को समाप्त। **करण** कौलव 15.41 बजे तदनन्तर तैतिल 04.48 बजे प्रात: को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.5 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 18° 44' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872530 **जूलियन दिन** 2460995.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** जमादि उल्लावल **तारीख** 24 **विशेष** वृश्चिक संक्रांति।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उद्वेग	05.56 से 07.23 बजे तक		शुभ	05.36 से 07.09 बजे तक	
चर	07.23 से 08.51 बजे तक		अमृत	07.09 से 08.41 बजे तक	
लाभ	08.51 से 10.18 बजे तक		चर	08.41 से 10.14 बजे तक	
अमृत	10.18 से 11.46 बजे तक		रोग	10.14 से 11.46 बजे तक	
काल	11.46 से 01.14 बजे तक		काल	11.46 से 01.19 बजे तक	
शुभ	01.14 से 02.41 बजे तक		लाभ	01.19 से 02.51 बजे तक	
रोग	02.41 से 04.09 बजे तक		उद्वेग	02.51 से 04.24 बजे तक	
उद्वेग	04.09 से 05.36 बजे तक		शुभ	04.24 से 05.53 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

150 वीं जयंती पर धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा को श्रद्धासुमन अर्पित कर नमन किया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिले में शनिवार को धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती अत्यंत श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। हाटपाड़ा स्थित भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर उपायुक्त मनीष कुमार, पुलिस अधीक्षक निधि द्विवेदी, उप विकास आयुक्त महेश कुमार संथालिया, अनुमंडल पदाधिकारी साईमन मरांडी, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी अजय सिंह बड़ाईक, जिला आपूर्ति पदाधिकारी अभिषेक कुमार सिंह, जिला योजना पदाधिकारी त्रिभुवन कुमार सिंह, जिला शिक्षा अधीक्षक नयन कुमार, नगर परिषद प्रशासक अमरेन्द्र कुमार चौधरी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी बसंती

ग्लाडिस बाड़ा, जिला मत्स्य पदाधिकारी काजल तिकी सहित अन्य वरीय अधिकारियों ने माल्यार्पण कर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की।

राज्य स्थापना दिवस पर उपायुक्त ने दी जिलावासियों को शुभकामनाएं

इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि 15 नवंबर झारखंड के लिए ऐतिहासिक महत्व का दिन है। इसी दिन वर्ष 2000 में झारखंड राज्य का गठन हुआ था। उन्होंने समस्त जिलावासियों को राज्य स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

पटमदा और बोड़ाम में धूमधाम से मनाया गया बिरसा मुंडा जयंती

पटमदा : पटमदा बोड़ाम प्रखंड में धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती उल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान पटमदा के बेल्टांड स्थित भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया ।कार्यक्रम में शरत सिंह सरदार,मुखिया कृष्ण पद सिंह, दीनबंधु सिंह, कैलाश सिंह, सनातन सिंह,किशोर सिंह, निरंजन रजक, बोध मुंडा, अजीत,राखोहरी सिंह आदि उपस्थित थे। वही कई राजनीतिक संगठन ओर समाजिक कार्यकताओं ने भी भगवान बिरसा मुंडा को जयंती पर श्रद्धांजलि दी।

एक नजर

दीप ज्योति रथ का बरहेट में होगा स्वागत

साहिबगंज: जिला के बरहेट प्रखंड में गायत्री परिवार हरिद्वार की ओर से दीप ज्योति रथ का स्वागत बरहेट में 17 नवंबर को किया जाएगा। बरहेट गायत्री परिवार की ओर से गुरुवार देर शाम को बैठक कर दीप ज्योति रथ के आगमन को लेकर चर्चा की गई। मौके पर गायत्री परिवार के सत्यनारायण भगत, विपिन गुप्ता और बसंत वर्मा ने बताया कि हरिद्वार से दीप ज्योति रथ का आगमन बरहेट में हो रहा है। 17 नवंबर को बरहरवा से रथ का बरहेट आगमन पर रघुनाथपुर गांव के पास भव्य स्वागत होगा। इसके साथ ही यह रथ वहां से पेटखासा पहुंचेगा। देर शाम को बरहेट बाजार के दुर्गा मंदिर परिसर में भव्य दीप उत्सव कार्यक्रम होगा। कार्यक्रम समापन के बाद महाप्रसाद का वितरण किया जाएगा। 18 नवंबर को गायत्री मंदिर में सुबह 9 :00 बजे से हवन का आयोजन होगा। इसके बाद रथ कुम्हार टोला बरहेट, बाबूपुर, पंचकठिया होते हुए बोरियो के लिए प्रस्थान करेगा। बैठक में पारस गुप्ता, रितेश गुप्ता, मुकेश गुप्ता, त्रिवेणी पंडित, अजय भगत थे।

भाजपाइयों ने मनाया जीत का जश्न

साहिबगंज: जिला के बरहरवा प्रखंड क्षेत्र के कोटालपोखर में बिहार में एनडीए को प्रचंड बहुमत से ऐतिहासिक जीत पर कोटालपोखर शान्ति चौक में शुक्रवार की शाम भाजपा के कोटालपोखर मंडल अध्यक्ष बप्पी कुमार व विकास भगत के नेतृत्व में भाजपा कार्यकताओं ने खुशी मनाया। मौके पर पटाखे छोड़े, आपस में अबीर-गुलाल लगाकर एक-दूसरे को बधाई दी तथा मिठाइयां बांटकर खुशी मनाई। इस मौके पर राजेश साहा, पुर्व मंडल अध्यक्ष प्रणव सिंह, गंगा घोष, रंजीत कुमार साहा अन्य भाजपा कार्यकर्ता शामिल थे।

मिलन चौक में खुला टाइल्स एवं मार्बल्स की दुकान

ईचागढ़ : ईचागढ़ प्रखंड क्षेत्र के मिलन चौक सितू स्थित उमा टाइल्स एंड मार्बल दुकान का उद्घाटन समाजसेवी रजनी महतो,नारायण महतो,नेपाल महतो,पत्रकार अरुण मांझी ने संयुक्त रूप फीता काट कर किया। इस मौके पर रजनी महतो ने कहा कि इस तरह का दुकान मिलनचौक में नही था यहाँ के लोगो को 60,70 किमी दूर रांची टाटा से टाइल्स और मार्बल लेने नहीं जाना पड़ेगा ग्राहकों को उचित मूल्य और कम कोस्ट में समान उपलब्ध होगा। वही प्रोपराइटर योगेंद्र प्रसाद महतो ने कहा कि मेरे पास सभी ब्रांडेड का टाइल्स मार्बल उपलब्ध है। ग्राहकों को उचित मूल्य पर अच्छी सर्विस के साथ उपलब्ध कराने का प्रयास करूंगा ताकि गरीब से लेकर अमीर तक के लोग इसको लगवा सकें सभी तरह की रेंज की टाइल्स उमा टाइल्स और मार्बल में उपलब्ध है।

भगवान बिरसा मुंडा का जयंती धूमधाम से मनाया गया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : ईचागढ़ प्रखंड क्षेत्र के प्रखंड मुख्यालय परिसर, बिरडीह , डुमटांड़,कुटाम सहित कई जगहों पर भगवान बिरसा मुंडा का 150 वां जयंती धूमधाम से मनाई गई। ईचागढ़ प्रखंड परिसर में बीडीओ एकता वर्मा, सीओ दीपक प्रसाद, समाजसेवी डॉ भूषण मुर्मू, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष निताई उरांव,सुभाष दत्त सहित कईयों ने भगवान विरसा मुंडा के मुर्ती पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित किया। बिरडीह में ग्राम प्रधान राजेन सिंह मुण्डा, पंचानन पातर, रंजीत सिंह मुण्डा, इन्द्रजीत, साधु सिंह मुण्डा सहित सैकड़ों लोगों ने आदमकद मुर्ती पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित किया। वहीं डुमटांड़ में रास नीला का आयोजन किया गया।

उलगुलान के महानायक बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती एवं झारखंड राज्य स्थापना दिवस पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : झारखंड राज्य स्थापना के रजत जयंती वर्ष तथा उलगुलान के महानायक धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के शुभ अवसर पर आज सिद्धो-कान्हू सभागार, साहिबगंज में भव्य जिला स्तरीय समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले के जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, पुलिस विभाग, स्थानीय निकायों के प्रतिनिधि, शिक्षण संस्थानों के छात्रझ्छात्राएँ, ग्रामीण जनता तथा मीडिया बन्धु बड़ी संख्या में उपस्थित हुए। कार्यक्रम में सर्वप्रथम अतिथियों एवं जिला स्तरीय पदाधिकारी द्वारा धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर पुष्प सुमन अर्पित किया गया। तत्पश्चात अतिथियों द्वारा

संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री उत्कृष्ट बालिका उच्च विद्यालय पोखरिया की छात्राओं द्वारा स्वागत गान प्रस्तुत किया गया।

उप विकास आयुक्त, साहिबगंज का स्वागत संबोधन

कार्यक्रम की शुरूआत उप विकास आयुक्त साहिबगंज द्वारा स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने सर्वप्रथम धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा को नमन करते हुए कहा कि झारखंड संघर्ष, स्वाभिमान, संस्कृति, परंपरा और सामुदायिक मूल्यों की पवित्र भूमि है। उन्होंने राज्य में शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, आधारभूत संरचना एवं जनजातीय कल्याण के क्षेत्रों में हुई प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछले वर्षों में राज्य ने विकास के कई स्वर्णिम अध्याय जोड़े हैं।

भगवान बिरसा मुंडा गंगा घाट का शिलान्यास सप्ताहभर चलाया गया स्वच्छता अभियान संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : भगवान बिरसा मुंडा गंगा घाट का शिलान्यास साहिबगंज में मुख्यमंत्री द्वारा डिजिटल माध्यम से किया गया। प्रस्तावित घाट गंगा रिवर थाना के पश्चिम में निर्माण किया जाना है और इसे समुदायिक उपयोग, सांस्कृतिक कार्यक्रमों तथा गंगा से जुड़ी गतिविधियों के लिए एक समर्पित सार्वजनिक स्थल के रूप में निर्माण किया जाएगा।घाट का नामकरण भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती और झारखंड राज्य के 25वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में किया गया है, जिससे यह परियोजना सांस्कृतिक विरासत और रजत समारोह–दोनों से जुड़ती है। हाल ही में आयोजित नमामि गंगे परियोजना बैठक में उपलब्ध भूमि, स्थानीय आवश्यकताओं और विस्तृत रिवरफ्रंट डेवलपमेंट की समीक्षा के बाद शिलान्यास की तिथि तय की गई। जिससे परियोजना के क्रियान्वयन की प्रक्रिया सुगम हुई। परियोजना की अनुमानित लागत 99.245 लाख रुपये निर्धारित है। जिले के जिला दंडाधिकारी-सह-डीसी हेमंत सती द्वारा स्थल पर विधिवत भूमिपूजन किया गया। मुख्य रूप से एसपी अमित कुमार सिंह उपस्थित थे। राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर 8 नवंबर से सप्ताहभर तक डॉल्फिन संरक्षण-सह-वृहत गंगा स्वच्छता अभियान भी आयोजित किया गया। चुनिंदा घाटों पर साफ-सफाई और संक्षिप्त जागरूकता कार्यक्रम हुए, जिनमें लोगों को याद दिलाया गया कि घाट सामुदायिक संपत्ति हैं और इनकी स्वच्छता सभी की साझा जिम्मेदारी है।

दो दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता में जेएलकेएम नेता तरूण महतो हुए शामिल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : कुकड़ू प्रखण्ड अन्तर्गत पौलंग और सापारूम में आयोजित दो दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता में जेएलकेएम केंद्रीय उपाध्यक्ष तरुण महतो बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने तीसरे स्थान पर विजयी टीम को पुरस्कार प्रदान कर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। फुटबॉल प्रतियोगिता का फाइनल मैच रविवार को किया जाएगा। फुटबॉल प्रतियोगिता में 16 टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में उपस्थित जेएलकेएम नेता तरूण महतो का समिति ने जोरदार स्वागत किया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में भी प्रतिभाओं की कमी नहीं है, सिर्फ निखारने कि जरूरत है। उन्होंने खिलाड़ियों से खेल भावना से खेलने एवं लक्ष्य की प्राप्ति पर ध्यान केंद्रित करने का अपील किया। मौके पर गोपेश महतो, फूलचंद महतो, कमलेश

महतो ,निखिल महतो अशोक महतो उपस्थित थे। इसके बाद तरुण महतो धानसुड़ा में फुटबॉल प्रतियोगिता के उपरांत चल रहे सांस्कृतिक कार्यक्रम में भी पहुंचे, जहां कमिटी के सदस्यों ने उन्हें माला पहनाकर सम्मानित किया। अपने संबोधन में तरुण महतो ने कहा– हमारी संस्कृति ही हमारी असली पहचान है। इसे बचाए रखना हम सभी का कर्तव्य है। व्यस्त जीवनशैली में ऐसे कार्यक्रम हमें एक-दूसरे से मिलने और सामाजिक एकता को मजबूत करने का अवसर प्रदान करते हैं।

संक्षिप्त खबरें

राजमहल पुलिस ने दो चोर को गिरफ्तार कर भेजा जेल

साहिबगंज: पुलिस को राजमहल थाना क्षेत्र में हुई एक बड़ी चोरी की घटना का पदार्फाश करने में सफलता मिली है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर गठित विशेष टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चोरी के दो मुख्य अप्राथमिकी आरोपियों को गिरफ्तार किया है। राजमहल थाना प्रभारी ने बताया कि राजमहल थाना कांड संख्या 377/25 को लेकर एसपी को मिली गुप्त सूचना के आधार पर राजमहल पुलिस निरीक्षक के नेतृत्व में एक विशेष छापामारी दल का गठन किया गया। दल ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो संदिग्धों को अपनी अभिरक्षा में लिया। पूछताछ के दौरान दोनों ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। बताया कि गिरफ्तार आरोपी मोहित यादव उर्फ कल्लू (19) और राहुल कुमार यादव (20) की निशानदेही पर चोरी किया गया सामान 15 पीस काँसा का थाली और 03 पीस काँसा का कटोरी बरामद कर लिया गया है। आरोपी मोहित यादव और राहुल कुमार यादव को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। मौके पर छापामारी टीम में राजमहल पुलिस निरीक्षक, पुअनि सह–थाना प्रभारी हसनैन अंसारी, पुअनि पवन यादव, पुअनि महादेव उरांव, सअनि सनातन हेम्ब्रम व सशस्त्र बल शामिल थे।

बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर जिले में कई महत्वपूर्ण योजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन

साहिबगंज: झारखंड राज्य स्थापना दिवस के 25वें वर्ष एवं भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर आज जिला दंडाधिकारी–सह–डीसी हेमंत सती एवं एसपी अमित कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से साहेबगंज स्थित सिद्धो–कान्हो स्टेडियम में गैलरी विस्तारीकरण योजना का शिलान्यास किया। इसके साथ ही अधिकारियों द्वारा पुलिस आवास कॉलोनी तथा क्राफ्ट शॉप योजना का भी विधिवत उद्घाटन किया गया। डीसी ने कहा कि स्टेडियम के गैलरी विस्तारीकरण से जिले में खेल गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा तथा खिलाड़ियों को बेहतर संसाधन उपलब्ध होंगे। वहीं एसपी ने पुलिस आवास कॉलोनी के निर्माण को पुलिस कर्मियों के कल्याण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया। क्राफ्ट शॉप के उद्घाटन के दौरान स्थानीय उत्पादों, हस्तशिल्प और कारीगरों को प्रोत्साहन देने की प्रतिबद्धता दोहराई गई, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और महिलाओं व कारीगरों के लिए नए अवसर उपलब्ध होंगे। जिले में विकास, खेल, सुरक्षा और स्थानीय रोजगार सृजन को गति प्रदान करने के उद्देश्य से आज किए गए ये सभी कार्यक्रम अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होंगे।

अंडर-16 जिला क्रिकेट लीग में जवाहर नवोदय विद्यालय ने 35 रन से जीता मैच

साहिबगंज: जिला क्रिकेट संघ के तत्वधान में सिदो–कान्हू स्टेडियम में चल रहे अंडर–16 जिला क्रिकेट लीग टूनार्मेंट के तहत शनिवार को जवाहर नवोदय विद्यालय बनाम माही स्पोर्ट्स ब्लू के बीच मैच खेला गया। जवाहर नवोदय विद्यालय ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए 17.2 ओवर में 159 रन बना कर ऑल आउट हो गई। धीरज ने 65, मोनू कुमार ने 16, साहिल राज 22 व परवेज आलम ने 14 रन बनाये। माही स्पोर्ट्स ब्लू के गेंदबाज अमन ने 3, अंश राज ने 4 व मिलन ने 2 विकेट लिया। माही स्पोर्ट्स ब्लू ने 19.4 ओवर में 124 रन बना कर ऑल आउट हो गई। प्रिंस ने 20, अनुकान्त कुमार ने 17 व अमन ने 12 रन की पारी खेली। नवोदय के गेंदबाज आयुष ने 3, महेश ने 2 व साहिल ने 2 विकेट लिए। नवोदय विद्यालय ने 35 रन से जीत दर्ज की। नवोदय विद्यालय के खिलाड़ी धीरज को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। मुख्य अतिथि जाहिद खान ने रौनक को मैन ऑफ द मैच की ट्रॉफी से पुरस्कृत किया। मैच में अंपायरिंग चंदन यादव व श्याम रंजन तिवारी एवं स्कोरिंग मो अनाउल्लाह अंसारी ने किया।

पटमदा के पोलमा ओर बारूडीह में नाबार्ड ने लगाया पशु चिकित्सा शिविर

पटमदा: पटमदा प्रखंड के खेड़ुआ पंचायत के पोलमा ओर बारूडीह गांव में नाबार्ड रांची के सौजन्य से टीआरसीएससी जमशेदपुर के द्वारा आयोजित नॉन वाडी प्रोजेक्ट पशु स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया। शिविर में चिकित्सकों को द्वारा पशुओं के नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच के साथ दवाइयां भी उपलब्ध करवाया गया।वही चिकित्सकों के द्वारा पशुओं के रखरखाव के विषय में विस्तृत जानकारी दिया गया।पशुपालकों को संबोधित करते हुए नाबार्ड डीडीएम जस्मिता बास्के ने सभी पशुपालकों को पशुपालन के सरकार द्वारा संचालित योजनाओं से जुड़कर अपनी आर्थिक स्थिति को सुधारने की अपील की।उन्होंने कहा कि योजनाओं के तरह मिलने वाले पशुधन से बेहतर पालन कर उनकी संख्या में बढ़ोतरी कर अपने आय को बढ़ाते हुए आर्थिक रूप से स्वावलंबी बने ताकि सरकार की योजना साकार हो।पशु चिकित्सा जांच शिविर में नाबार्ड डीडीएम जस्मिता बास्के, जिला पशुपालन पदाधिकारी, समरजीत मंडल, डॉ राजेश कुमार सिंह, अहि भुषण चौनी,डॉ तापस,किशोर कुमार तिवारी,ग्राम प्रधान सहित कई ग्रामीण शिविर में उपस्थित होकर शिविर का लाभ उठाया।

बीजीआर माइनिंग के स्किल डेवलपमेंट सेंटर में प्रमाणपत्र व 83 सिलाई मशीनों का नि:शुल्क वितरण संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़/अमड़ापाड़ा : राज्य के 25वें स्थापना दिवस के अवसर पर बीजीआर माइनिंग एंड इंफ्रा लिमिटेड द्वारा संचालित स्किल डेवलपमेंट सेंटर, अमड़ापाड़ा में तृतीय एवं चतुर्थ बैच के प्रशिक्षुओं को कोर्स पूर्णता प्रमाणपत्र तथा सिलाई मशीनें प्रदान की गईं। एलएमवी ड्राइविंग, टेलरिंग और बेसिक कंप्यूटर ऑपरेशन्स को सफलतापूर्वक पूरा करने वाले विद्यार्थियों को नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्किल डेवलपमेंट द्वारा प्रमाणपत्र जारी किए गए। टेलरिंग कोर्स पूरा करने वाले प्रतिभागियों को कुल 83 सिलाई मशीनें पूरी

तरह निःशुल्क वितरित की गईं, ताकि वे स्वरोजगार शुरू कर आत्मनिर्भर बन सकें। प्रमाणपत्र और सिलाई मशीनों का वितरण अमड़ापाड़ा के अंचलाधिकारी औसाफ अहमद खान और सेवानिवृत्त उप-विकास आयुक्त अनमोल सिंह के द्वारा किया गया।

नि:शुल्क कौशल प्रशिक्षण से बदल रहा है भविष्य

स्किल डेवलपमेंट सेंटर में एलएमवी ड्राइविंग, बेसिक कंप्यूटर ऑपरेशन्स और टेलरिंग के कोर्स पूरी तरह निःशुल्क संचालित किए जाते हैं। ज्ञात हो कि कंपनी द्वारा छात्रों को उनके गाँवों से प्रशिक्षण केंद्र तक लाने-ले जाने के लिए एक बस भी उपलब्ध कराई गई है। एलएमवी ड्राइविंग के प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद उ्ळ्ड कार्यालय से ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त करने में सहायता भी की जाती है। इस बार का एक विशेष आकर्षण रहा कि अब तक कुल 3 लड़कियों ने एलएमवी ड्राइविंग सीख ली है, जो पहले अत्यंत रूढ़िवादी माने जाने वाले इन ग्रामीण इलाकों में सामाजिक सोच में सकारात्मक बदलाव का प्रतीक है।

सीएसआर पहल के माध्यम से रोजगारपरक कौशल विकास का लक्ष्य

उपरोक्त केंद्र बीजीआर माइनिंग एंड इंफ्रा लिमिटेड की सीएसआर पहल के तहत संचालित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य परियोजना प्रभावित समुदायों के युवाओं को रोजगार योग्य कौशल उपलब्ध कराना है।

अधिकारियों ने की सराहना, विद्यार्थियों को दिए महत्वपूर्ण संदेश

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अंचलाधिकारी श्री खान ने कंपनी के प्रयासों की सराहना की और कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम ग्रामीण युवाओं के जीवन में बड़े बदलाव का माध्यम बनते हैं। उन्होंने प्रशिक्षुओं को अपने-अपने क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की प्रेरणा दी। बेसिक कंप्यूटर ऑपरेशन्स के विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा– ह्लसिर्फ कंप्यूटर सीखना ही काफी नहीं है, बल्कि आज के समय में एआई (अ१ड्ढ्रं' क्लड्ढ३ी'ॅल्ली) जैसी उभरती तकनीकों के साथ खुद को अपडेट रखना भी बेहद आवश्यक है।

एक नजर

छोलाछाप डाक्टर के ओवरडोज इंजेक्शन से नाबालिग बच्चे की मौत

पलामू : पलामू जिले के पांकी मुख्यालय में लोहरसी रोड स्थित डा. इस्लाम अंसारी के अस्पताल में 9 साल के नाबालिग बच्चे को ओवरडोज इंजेक्शन लगाये जाने के कारण मौत हो गयी। बच्चे को बुखार आ रहा था और उसे शुक्रवार दोपहर डा. इस्लाम के अस्पताल में इलाज कराया गया था। शनिवार सुबह बच्चे की मौत से आक्रोशित बच्चे के परिजनों ने जमकर हंगामा किया और डाक्टर को पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया। शाम चार बजे बच्चे के शव का पोस्टमार्टम एमएमसीएच में किया गया। मृत बच्चे की पहचान पांकी के मंझौली के आदर्श कुमार पिता वीरेन्द्र कुमार के रूप में हुई है। बच्चे के चाचा राजेश कुमार सिंह के अनुसार उसे शुक्रवार सुबह बुखार हुआ था। दोपहर तीन बजे उसे इलाज के लिए डा. इस्लाम के अस्पताल में ले जाया गया था। डाक्टर ने बच्चे को इंजेक्शन लगाया और ब्लड की जांच की। बताया गया कि उसे मलेरिया हुआ है। इंजेक्शन देकर दवा दी गयी और अस्पताल से छुट्टी दे दी गयी। शाम के समय बच्चे को घबराहट होने लगी। पुन: डाक्टर से संपर्क करने पर बताया गया कि धीरे धीरे स्थिति में सुधार हो जायेगा। दवा खिलाने को कहा। परिजनों ने डाक्टर के अनुसार दवा दी। रात 12 बजे उसकी स्थिति ज्यादा खराब हो गयी। बच्चा हाफने लगा। आनन फानन में उसे इलाज के लिए पांकी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में ले जाया गया। यहां डा. आरिफ ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया। डा. आरिफ ने बताया कि ओवरडोज दवा देने के कारण बच्चे की जान गयी।

मनरेगा और आवास कर्मियों ने किया रक्तदान

रामगढ़ : झारखंड राज्य की रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। मनरेगा और आवास कर्मियों सहित कुल 22 लोगों ने रक्तदान किया। रक्तदान के बाद डीसी फैज अक अहमद मुमताज के द्वारा छावनी फुटबॉल मैदान में स्थापना दिवस कार्यक्रम के अवसर पर परियोजना पदाधिकारी फनीन्द्र गुप्ता एवं अनुजा राणा को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। रक्तदान कार्यक्रम को सफल बनाने में विजय कुमार, सहायक सांख्यिक पदाधिकारी, विद्यार्थी अग्रणी लेखापाल, जिला परिषद, सभी प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी मनरेगा एवं ग्राम रोजगार सेवक, कनीय अभियंता आदि का योगदान रहा।

भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर हुआ माल्यार्पण

रामगढ़ : झारखंड राज्य स्थापना दिवस की रजत जयंती और भगवान बिरसा मुंडा 150 वीं जयंती के अवसर पर शनिवार को छत्तरमांडू स्थित भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर पुष्पार्पण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान विधायक ममता देवी, डीसी फैज अक अहमद मुमताज, एसपी अजय कुमार, डीएफओ नीतीश कुमार, डीडीसी आशिष अग्रवाल, एसी कुमारी गीतांजली, एलआरडीसी दीप्ति प्रियंका कुजूर, डीएसओ रंजीता टोपो, डीपीआरओ निशा सिंह, सहित जिला स्तरीय वरीय अधिकारियों, अधिकारियों ने छत्तरमांडू स्थित भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर पुष्प अर्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। इस दौरान डीसी ने सर्वप्रथम सभी को राज्य स्थापना दिवस की रजत जयंती एवं भगवान बिरसा मुंडा की 150 वीं जयंती की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि आज का दिन हम सभी के लिए यह संकल्प लेने का दिन है कि हम किस प्रकार झारखंड राज्य को एक विकसित राज्य बनाने में अपना योगदान दे सकते हैं। साथ ही उन्होंने सभी से भगवान बिरसा मुंडा के जीवन से प्रेरणा लेकर उनके आदर्शों को अपने जीवन में शामिल करने की अपील की।

भगवान बिरसा मुंडा स्वतंत्रता संघर्ष और आदिवासी अस्मिता के अमर प्रतीक हैं : अनिल कंडुलना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : भगवान बिरसा मुंडा की जयंती सह झारखंड स्थापना दिवस के उपलक्ष पर ठेठईटांगर प्रखंड अंतर्गत केरया पंचायत के पहानटोली खेल मैदान में आयोजन समिति द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं भव्य खेल समापन का आयोजन किया गया है। जिसमें अतिथि के रूप में झामुमो जिला अध्यक्ष अनिल कंडुलना, जिला कोषाध्यक्ष राजेश टोप्पो, अंचल अधिकारी ठेठईटांगर, प्रखंड अध्यक्ष सह आयोजन समिति के अध्यक्ष जूनास डांग, पहान जोसेफ कंडुलना, केरेया मुखिया खरीस्टधानी लकड़ा, आयोजन समिति के तमाम पदाधिकारी गण, और भारी संख्या में ग्रामीण उपस्थित हुए।

झामुमो जिला समिति के द्वारा धरती आबा बिरसा मुंडा की जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई

सिमडेगा : भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर धरती आबा बिरसा मुंडा जी के तस्वीर पर सिमडेगा नगर भवन में झामुमो जिला समिति द्वारा मालार्पण किया गया मालार्पण में मुख रूप से जिला सचिव सफीक खान, केंद्रीय समिति सदस्य प्रोफुलित डुंग डुंग, केंद्रीय समिति सदस्य मो इरशाद, जिला उपाध्यक्ष अनिल तिर्की, जिला उपाध्यक्ष मो सिराजुद्दीन, नगर अध्यक्ष अनस आलम, नगर सचिव बीरबल महतो, नगर संगठन सचिव कुंदन कुमार रजक, अल्पसंख्यक जिला उपाध्यक्ष मो सबीर अंसारी, अल्पसंख्यक जिला सचिव मो अहमद राजा, मो शहीद, किशोर डांग, प्रखंड सचिव मो राजन, छात्र मोर्चा अध्यक्ष बीरेंद्र बड़ा, मो मिनहाज, मो अमानुल्ला सहित पार्टी के साथी उपस्थित रहे।

जनजातीय गौरव दिवस पर भगवान बिरसा मुंडा को नमन

भुरकुंडा : जनजातीय गौरव दिवस एवं भगवान बिरसा मुंडा जी की 150वीं जयंती के पावन अवसर पर, शास्त्री चौक भुरकुंडा के समाजसेवी लोगों के द्वारा भुरकुंडा स्थित बिरसा चौक में समाजसेवी और आसपास के लोगों के साथ मिलकर भगवान बिरसा मुंडा जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस कार्यक्रम में जवाहर नगर पंचायत के पूर्व मुखिया- प्रदीप मांझी,सेना से सेवानिवृत्त- अमित साहू, जवाहर नगर के पूर्व उप मुखिया- शंकर मांझी, समाजसेवी- अजय साहू ,समाजसेवी- शिवपूजन प्रसाद, समाजसेवी- भोला प्रसाद, समाजसेवी- अनिल दाँगी, समाजसेवी- शुम्भू प्रसाद, रामू, प्रेम साहू, मुन्ना सोनी, प्रमोद राम, बड़कू मांझी, बिहारी मांझी, बबलू साव उपस्थित रहे और अपने आगमन से कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई।

धरती आबा बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर सिमडेगा में श्रद्धांजलि समारोह

सिमडेगा : धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर जिले में श्रद्धा और सम्मान का विशेष माहौल रहा। उपायुक्त सिमडेगा कंचन सिंह, पुलिस अधीक्षक एम. अर्शी, उप विकास आयुक्त दीपांकर चौधरी, अनुमंडल पदाधिकारी, एलआरडीसी, जिला जन-संपर्क पदाधिकारी सहित अन्य अधिकारियों ने नगर भवन परिसर स्थित बिरसा मुंडा की प्रतिमा एवं स्व शिबू सोरेन के चित्र पर माल्यार्पण व पुष्पांजलि दे कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। उपायुक्त ने कहा कि बिरसा मुंडा स्वतंत्रता संघर्ष और आदिवासी अस्मिता के अमर प्रतीक हैं, जिनके आदर्श समाज को नई दिशा देते हैं। कार्यक्रम के दौरान वीर स्वतंत्रता सेनानी एवं महापुरुष वीरू बुधु भगत, बाबू कुंवर सिंह, रानी लक्ष्मीबाई, रानी दुर्गावती, डॉ. भीमराव अंबेडकर, स्वामी विवेकानंद, महात्मा गांधी और शहीद तेलंगाना खड़िया की प्रतिमाओं पर भी अधिकारियों द्वारा माल्यार्पण कर नमन किया गया। अधिकारियों ने महापुरुषों व स्वतंत्रता सेनानी के कृत्य को स्मरण करते हुए सामाजिक समर्पण की भावना को आगे बढ़ाने पर जोर दिया। जिनके बदौलत देश की आजादी,संस्कृति,परंपरा और विकास के उत्कर्ष की ओर बढ़ते हुए अग्रसर हैं।

झारखंड स्थापना दिवस पर विधायक भूषण बाड़ा ने आदिवासी अस्मिता और विकास पर दिया जोर

सिमडेगा : जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा शनिवार को झारखंड राज्य का 25 स्थापना दिवस सह भगवान बिरसा मुंडा जयंती धूमधाम से मनाई गई। कांग्रेस जिलाध्यक्ष सह विधायक भूषण बाड़ा की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में कांग्रेस नेता व कार्यकर्ता नगर भवन पहुंचे। जहाँ भगवान बिरसा मुंडा के प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं स्व. शिबू सोरेन की तस्वीर पर चित्र अर्पित की गई। कार्यक्रम में महिला जिला अध्यक्ष सह जिप सदस्य जोसिमा खाखा, कोलेबिरा विधायक प्रतिनिधि मो. सम्मी आलम, सिमडेगा विधायक प्रतिनिधि संतोष सिंह, बिपिन तिग्गा, सांसद प्रतिनिधि मुंस खेस, 20 सूत्री अध्यक्ष सह उपप्रमुख सिल्वेस्टर बघवार, पीसीसी डेलिकेट कौशल रोहिल्ला, नगर अध्यक्ष अरशद हुसैन, नगर उपाध्यक्ष भूषण लकड़ा, मो. एजाज, मो. सलमान खान, सज्जाद अंसारी, सुचिता तिर्की, संगीता देवी, डॉ. इम्तियाज हुसैन, शोभेन तिग्गा, रतन प्रसाद, सोनी वर्मा, रामकिशन, मो. अरमान, मो. तनवीर खान आदि उपस्थित थे। मौके पर झारखंड स्थापना दिवस की लोगों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा आदिवासी समाज की पहचान, संघर्ष और आत्मसम्मान के प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि बिरसा मुंडा के आदर्श आज भी समाज का मार्गदर्शन करते हैं और युवा पीढ़ी को उनके योगदान से प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सिमडेगा जिले में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं के विस्तार पर तेजी से कार्य किया जा रहा है। सरकार की सभी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना हमारी प्राथमिकता है।

राज्य स्थापना दिवस की रजत जयंती व भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर छत्तरमांडू में श्रद्धांजलि समारोह

रामगढ़ : झारखंड राज्य स्थापना दिवस की रजत जयंती एवं भगवान बिरसा मुंडा 150 वीं जयंती के अवसर पर शनिवार को छत्तरमांडू स्थित भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर पुष्पार्पण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान माननीय विधायक रामगढ़ ममता देवी, उपायुक्त, रामगढ़ फैज अक अहमद मुमताज, पुलिस अधीक्षक, रामगढ़ अजय कुमार, वन प्रमंडल पदाधिकारी रामगढ़ नीतीश कुमार, उप विकास आयुक्त आशिष अग्रवाल, अपर समाहर्ता गीतांजली कुमारी, सहित जिला स्तरीय वरीय अधिकारियों, अधिकारियों ने छत्तरमांडू स्थित भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर पुष्प अर्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। इस दौरान उपायुक्त ने सर्वप्रथम सभी को राज्य स्थापना दिवस की रजत जयंती एवं भगवान बिरसा मुंडा की 150 वीं जयंती की शुभकामनाएं देते हुए सभी से कहा कि आज का दिन हम सभी के लिए यह संकल्प लेने का दिन है कि हम किस प्रकार झारखंड राज्य को एक विकसित राज्य बनाने में अपना योगदान दे सकते है। साथ ही उन्होंने सभी से भगवान बिरसा मुंडा के जीवन से प्रेरणा लेकर उनके आदर्शों को अपने जीवन में शामिल करने की अपील की ।

आज यह झारखंड आंदोलन की भावनाओं और शहिदों के सपनों से भटक चुका है : अजय एक्का

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : झारखण्ड स्थापना दिवस के 25 वें वर्षगाँठ के अवसर पर ठेठईटांगर पश्चिमी जिप सदस्य अजय एक्का ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि झारखंड स्थापना दिवस के 25 वें वर्षगाँठ पर तमाम झारखण्डवासियों को हार्दिक बधाई। आज का यह अवसर न केवल एक उत्सव का दिन है बल्कि तमाम झारखण्ड वासियों के लिए एक समिक्षा का भी दिन है कि हम इन पच्चीस वर्षों में क्या खोया। जब पूरे राज्य झारखण्ड के 25 वर्षीय रजत जयंती सामारोह का जश्न मना रहा है वहीं झारखण्ड का एक तबका अपने को उपेक्षित महसूस करते हुए अपने को इस जश्न से दूर रखा हुआ है। यह विंडबना ही है कि 25 वर्ष बाद भी झारखंड अपने मूल उद्देश्यों से भटककर एक बाहरी उपनिवेश की

तरह का झारखण्ड आज गैर झारखंडी तत्वों के द्वारा निर्यंत्रित हो रहा है। सरकार अपनी विफलताओं को छुपाने के लिए रजत जयंती सामारोह के नाम पर करोड़ो खर्च कर नौकरशाहों के द्वारा एक झूठी जश्न जनता को थोप रही है। झारखंड आज 25 वर्ष पूरे कर रहा है, लेकिन यह वर्षगांठ जश्न से अधिक कड़वी सच्चाइयों का स्मरण भी कराती है। जिस झारखंडी भावनाह्व के बल पर यह राज्य बना वह भावना आज भी नीतियों और शासन में उपेक्षित और अनदेखी की शिकार है। 1.झारखंडी भावना के अनुरूप स्थानीय नीति आज तक नहीं बनी। राज्य गठन के मूल उद्देश्य स्थानीय युवाओं को अवसर, रोजगार और पहचान को शर्मनाक तरीके से दरकिनार किया गया। आज भी स्थानीय नीति राजनीति की बली चढ़ी पड़ी है। सरकारें आती रहीं, जाती रहीं लेकिन युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ कायम रहा। 2.25 साल बाद भी पेशा नियमावली नहीं यह किसकी जिम्मेदारी जब पूरा देश अनुसूचित क्षेत्रों में ग्रामसभा को अधिकार देने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, झारखंड आज भी पेशा नियमावली बनाने में विफल रहा। यह सिर्फ लापरवाही नहीं यह आदिवासी स्वशासन के अधिकार का सीधा अपमान है।

मानव तस्करी करने के आरोप में पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : दिनांक-12.11.25 को वादी भीमसेंट लकड़ा उम्र करीब 48 वर्ष पिता स्व0 पौलुस लकड़ा सा0 परकला गिरजाटोली थाना कुरडेग जिला सिमडेगा द्वारा अपने नाबालिक एवं मानसिक रुप से थोड़ा विक्षिप्त पुत्र के गुमशुदगी के संबंध में सनहा सं0 25/2025 दिनांक- 12.11.2025 दर्ज कराया गया। उक्त घटना के अनुसंधान हेतु पुलिस अधीक्षक महोदय, सिमडेगा के निर्देशन में वरीय पुलिस उपाधीक्षक (मु0), सिमडेगा के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। उक्त टीम के द्वारा अनुसंधान के क्रम में सनहा के सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई करते हुए तकनिकी शाखा की मदद से उक्त बालक को विधिवत सही सलामत बरामद किया गया एवं वादी के लिखित आवेदन के अधार पर कुरडेग थाना कांड सं0-50/2025, दिनांक-14.11.2025, धारा- 137/143 बी0एन0एस0 2023 दर्ज किया गया तथा अभियुक्त संतोष नायक उम्र करीब 40 वर्ष पिता चेतन नायक सा0 किनबिरा थाना पाकरटाँड़ जिला सिमडेगा को विधिवत गिरफ्तार कर आज दिनांक- 15.11.2025 को न्यायिक हिसारत में भेजा जा रहा है।

झारखंड स्थापना दिवस पर रामगढ़ में जिला स्तरीय कार्यक्रम छावनी फुटबॉल मैदान में सीपीआर प्रशिक्षण का आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : झारखंड राज्य स्थापना दिवस की रजत जयंती के अवसर पर शनिवार को छावनी फुटबॉल मैदान रामगढ़ में जिला स्तरीय कार्यक्रम सह प्राथमिक उपचार एवं सीपीआर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस दौरान कार्यक्रम में माननीय विधायक रामगढ़ ममता देवी, माननीय विधायक बड़कागांव रोशन लाल चौधरी, उपायुक्त, रामगढ़ फैज अक अहमद मुमताज, पुलिस अधीक्षक अजय कुमार, वन प्रमंडल पदाधिकारी नीतीश कुमार, उप विकास आयुक्त आशीष अग्रवाल, अपर समाहर्ता गीतांजलि कुमारी, सांसद प्रतिनिधि हजारीबाग राजीव जायसवाल सहित जिला स्तरीय वरीय अधिकारी, अधिकारी

कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान सर्वप्रथम सभी अतिथियों का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया। जिसके उपरांत सभी ने दीप प्रज्वलित कर विधिवत रूप से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम के दौरान सभी को संबोधित करते हुए माननीय विधायक रामगढ़ ममता देवी ने सर्वप्रथम सभी को झारखंड राज्य की रजत जयंती एवं भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि आज का दिन हम सभी के लिए गौरव का दिन है। आज ही के दिन हमें अलग पहचान मिली। इस अवसर पर उन्होंने झारखंड राज्य के निर्माण में अपना योगदान देने वाले सभी महापुरुषों को नमन किया। उन्होंने कहा कि आज के दिन हम सभी को संकल्प लेना चाहिए कि हम झारखंड के विकास में अपना योगदान दें। मौके पर उन्होंने राज्य सरकार द्वारा राज्य के विकास के लिए किए जा रहे कार्यों की सभी को जानकारी दी एवं राज्य सरकार की सराहना की। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में राज्य सरकार द्वारा आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा जिसके माध्यम से पंचायत स्तर पर लोगों की समस्याओं का समाधान किया जाएगा। इन सबके अलावा उन्होंने उपायुक्त, रामगढ़ द्वारा शुरू किए गए प्राथमिक उपचार सह सीपीआर प्रशिक्षण कार्यक्रम की सराहना करते हुए सभी से कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने एवं आकस्मिक परिस्थितियों में किए जाने वाले कार्य की जानकारी लेने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान सभी को संबोधित करते हुए माननीय विधायक बड़का गांव रोशन लाल चौधरी ने सर्वप्रथम सभी को झारखंड राज्य की रजत जयंती एवं भगवान बिरसा मुंडा की जयंती की शुभकामनाएं दी जिसके उपरांत उन्होंने झारखंड राज्य के निर्माण एवं इसके उद्देश्यों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि उनका यह प्रयास है कि रामगढ़ जिले का हर दिशा में विकास हो इसके लिए वे निरंतर कार्य कर रहे हैं। साथ ही उन्होंने सभी से रामगढ़ जिले तथा झारखंड राज्य के विकास में योगदान देने हेतु बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की।

संक्षिप्त खबरें

अनुशासन मनुष्य के जीवन में सबसे महत्वपूर्ण है : झामुमो जिलाध्यक्ष

सिमडेगा : शनिवार को राजाबासा पंचायत के कहुपानी में हॉकी टूर्नामेंट का भव्य समापन समारोह संपन्न हुआ। यह टूर्नामेंट बिरसा जयंती एवं झारखंड स्थापना दिवस के पावन अवसर पर प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी अत्यंत उत्साह और जोश के साथ समापन किया गया। कार्यक्रम के समापन सत्र में अतिथि के रूप में झामुमो जिलाध्यक्ष अनिल कंडुलना ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक विधि से दीप प्रज्वलन एवं अतिथियों के स्वागत के साथ किया गया। अपने सम्बोधन में अनिल कंडुलना ने कहा कि हॉकी केवल हमारा राष्ट्रीय खेल नहीं, बल्कि यह हमारी संस्कृति, परंपरा और पहचान का प्रतीक है। उन्होंने आगे कहा कि सिमडेगा जिला पूरे देश में हॉकी की नर्सरी के रूप में प्रसिद्ध है, और यहाँ की मिट्टी ने अनेक अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों को जन्म दिया है, जिन्होंने देश का नाम गौरवान्वित किया है। उन्होंने खिलाड़ियों से अनुशासन, समर्पण और खेल भावना के साथ खेलने का संदेश दिया तथा सभी टीमों को शुभकामनाएँ दीं। फाइनल मैच जोराम की टीम और बिडियम की टीम के बीच खेला गया। दोनों टीमों ने शानदार खेल कौशल और बेहतरीन टीम स्पिरिट का प्रदर्शन किया। दर्शकों की तालियों और उत्साहवर्धन के बीच मुकाबला रोमांचक रहा, जिसमें जोराम की टीम ने 1-0 से विजय हासिल की। इस अवसर पर मुख्य रूप से आयोजन समिति के राजेश तिर्की, मुखिया बसंत समद, झामुमो जिला कोषाध्यक्ष राजेश टोप्पो, सुकवन जोजो और आयोजन समिति के सदस्यों और युवाओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

सीएनटी-पेसा लागू करने में बड़ी चूक: झारखंड 25 साल बाद भी संघर्ष में : बाप पार्टी

सिमडेगा : भगवान बिरसा मुंडा की जयंती और झारखंड राज्य के 25वें स्थापना दिवस पर भारत आदिवासी पार्टी सिमडेगा के जिलाध्यक्ष अमृत चिराग तिर्की और जिला महासचिव अलेक्स जॉनसन केरकेट्टा ने एक संयुक्त और बेहद तीखे बयान में कहा कि झारखंड की नींव जिस संघर्ष, बलिदान और अस्मिता पर रखी गई थी, आज 25 साल बाद वही आधार सबसे अधिक खतरे में है। दोनों नेताओं ने कहा कि झारखंड की आत्मा केवल राज्य बनने से नहीं, बल्कि उसके मूल सवालों के समाधान से सुरक्षित होती और दुर्भाग्य यह है कि 25 वर्षों में जलझ्रजंगलझ्रजमीन, भाषा, संस्कृति, संवैधानिक अधिकार और स्थानीयता जैसे मुद्दे लगातार कमजोर हुए हैं। अमृत चिराग तिर्की ने कहा कि झारखंड की स्थापना का उद्देश्य आदिवासी समाज को मजबूत कानूनी सुरक्षा और स्वशासन देना था, लेकिन आज भी सीएनटी एक्ट 1908 आदिवासी जमीन की रक्षा पूरी तरह नहीं कर पाया है। जमीन लूट, फर्जी रजिस्ट्रेशन और बाहरी कब्जों की घटनाएँ यह दिखाती हैं कि राज्य कानून की मूल भावना को लागू करने में विफल रहा है। उन्होंने कहा कि पेसा कानून, जो आदिवासी स्वशासन का आधार है, आज भी प्रशासनिक उदासीनता के कारण जमीन पर प्रभावी नहीं है। अगर पेसा दृढ़ता से लागू होता, तो ग्रामसभा की सर्वोच्चता स्थापित होती और विस्थापन तथा भूमि अधिग्रहण के इतने बड़े संकट न खड़े होते। उन्होंने कहा कि वन अधिकार कानून 2006 आदिवासी समुदायों को जंगलों पर कानूनी अधिकार देने के लिए बना था, लेकिन 25 वर्षों में हजारों परिवारों को उनका मूलभूत वनाधिकार अब तक नहीं मिला। भूमि बैंक नीति पर बोलते हुए तिर्की ने स्पष्ट कहा कि यह कई बार आदिवासी जमीन को चुपचाप उद्योगों और परियोजनाओं के लिए आरक्षित करने का माध्यम बन गई है, जो सीधे-सीधे सीएनटी और पेसा की भावना को तोड़ती है। इसी क्रम में जिला महासचिव अलेक्स जॉनसन केरकेट्टा ने कहा कि झारखंड की पहचान केवल जमीन से नहीं, बल्कि भाषा और संस्कृति से भी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि हंसा भाषा, जो आदिवासीझ्रमूलवासी समाज की सांस्कृतिक रीढ़ है, आज भी सरकारी स्तर पर संरक्षण की प्रतीक्षा में है। उन्होंने कहा कि भाषा और संस्कृति के बिना कोई राज्य अपनी अस्मिता को बचा नहीं सकता, लेकिन 25 वर्षों में हंसा भाषा को न शिक्षा में स्थान मिला, न प्रशासन में पहचान।

झारखंड की नई पहचान बनेगा सिमडेगा का अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम : विधायक

सिमडेगा : भगवान बिरसा मुंडा जयंती सह झारखंड स्थापना दिवस के अवसर पर जिले को एक और बड़ी सौगात मिली। शनिवार को सिमडेगा विधायक भूषण बाड़ा और डीसी कंचन सिंह ने संयुक्त रूप से शिलापट्ट का अनावरण कर 14 करोड़ की लागत से बने नवनिर्मित अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम का भव्य उद्घाटन किया। इससे पूर्व सीएम हेमंत सोरेन ने स्टेडियम का ऑनलाइन उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह के मौके पर सदर बीडीओ समीर रौनियर खलखो, जिला खेल पदाधिकारी मनोज कुमार, महिला जिला अध्यक्ष सह जिप सदस्य जोसिमा खाखा, विधायक प्रतिनिधि एजाज अहमद, पालकोट विधायक प्रतिनिधि मनीष हिंदुस्तान, उप प्रमुख सिलबेस्टर बघवार, सोनी वर्मा, विनय तिग्गा, सुचिता तिर्की, साबिर खान सहित कई लोग मौजूद थे। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए विधायक भूषण बाड़ा ने कहा कि सिमडेगा केवल हॉकी का गढ़ नहीं, बल्कि झारखंड की पहचान है। भूषण बाड़ा ने स्टेडियम को खिलाड़ियों को समर्पित करते हुए कहा कि यह मैदान झारखंड की नई पहचान बनेगा। आज भगवान बिरसा मुंडा जयंती और राज्य स्थापना दिवस पर यह स्टेडियम खिलाड़ियों को समर्पित करते हुए मुझे गर्व हो रहा है। आने वाला समय सिमडेगा के खिलाड़ियों का होगा। उन्होंने कहा कि पिछले वर्षों में सिमडेगा के दर्जनों खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चमके हैं और इस स्टेडियम के बनने से अब प्रशिक्षण की गुणवत्ता और भी बेहतर होगी। हमारी सरकार और प्रशासन खेल को सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि रोजगार, सम्मान और युवाओं की ऊर्जा को दिशा देने का माध्यम मानती है। सिमडेगा के बेटी-बेटे अब ओलंपिक तक का सफर तय करेंगे। इसके लिए हम हर सुविधा उपलब्ध कराएँगे। उन्होंने इस स्टेडियम को युवाओं को समर्पित करते हुए कहा कि यह मैदान बिरसा मुंडा के संघर्ष की धैर्य-शक्ति और झारखंड की मिट्टी की खुशबू से जुड़ा हुआ है। यहाँ पसीना बहाने वाला हर खिलाड़ी देश का गौरव बढ़ाएगा। डीसी कंचन सिंह ने कहा कि सिमडेगा की खेल प्रतिभा पूरे देश में सम्मान पाती है। जिला प्रशासन खिलाड़ियों के लिए हर संभव सहयोग करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि जिले में खेल इंफ्रास्ट्रक्चर को लगातार सशक्त किया जा रहा है। ताकि ग्रामीण स्तर से लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर तक खिलाड़ी एक ही प्लेटफॉर्म पर तैयारी कर सकें। डीसी ने प्रशिक्षण सुविधाओं, सुरक्षा और व्यवस्थाओं को और मजबूत करने पर भी जोर दिया।

बिरसा मुंडा जयंती पर विधायक पूर्णिमा साहू ने किया माल्यार्पण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जमशेदपुर : भाजपा कार्यकताओं ने महान क्रांतिकारी धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती को 'जनजातीय गौरव दिवस' के रूप में मनाया। जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा साहू ने शनिवार को भाजपा नेताओं, मंडल अध्यक्षों एवं कार्यकताओं के संग बिरसानगर संडे मार्केट परिसर स्थित प्रतिमा स्थल में भगवान बिरसा मुंडा की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया। भाजपा कार्यकताओं ने बिरसा मुंडा अमर रह एवं भारत माता की जय₹ के नारे भी लगाए। इस दौरान हुल क्रांति के नायक सिदो-कान्हू की प्रतिमा पर भी माल्यार्पण कर नमन किया गया। मौके पर विधायक पूर्णिमा साहू ने झारखंड राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने पर शुभकामनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि बिरसा मुंडा के वीरता और बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता है, अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ विद्रोह का बिगुल फूंकने वाले भगवान बिरसा ने झारखंड की संस्कृति, जल-जंगल और जमीन की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व अर्पण कर दिया। भगवान बिरसा मुंडा का जीवन आदिवासी समाज और पूरे देश के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'जनजातीय गौरव दिवस' के रूप में जनजातीय समाज के गौरवमयी और संघर्षमयी इतिहास को सम्मान मिला है। वहीं, झारखंड राज्य के 25वें स्थापना दिवस पर पूर्णिमा साहू ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी ने झारखंड राज्य की दशकों पुरानी माँग को पवित्र दिन बिरसा मुंडा की जयंती पर पूरा किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार जनजातीय समाज के उत्थान और कल्याण को समर्पित कई कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं। इस दौरान पूर्व जिलाध्यक्ष दिनेश कुमार, विधायक प्रतिनिधि गुंजन यादव, बिरसानगर मंडल अध्यक्ष बबलू गोप, राकेश सिंह, बोलटू सरकार, हेमंत सिंह, अशोक सामंत, जितेंद्र मिश्रा, अभिमन्यु सिंह, श्वेता कुशवाहा, शशि यादव, मनीष पांडेय, रितेश झा, ममता भूमिज, रानी ठाकुर, मिथिलेश साव, ओम पोद्दार समेत कई अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

बिरसा मुंडा जयंती और झारखंड स्थापना दिवस पर आजसू के केंद्रीय महासचिव हरे लाल महतो ने किया माल्यार्पण

चांडिल : धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती तथा झारखंड स्थापना दिवस के अवसर पर आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव हरे लाल महतो ने चांडिल प्रखंड के कटिया और भादूडीह में स्थित भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में स्थानीय ग्रामीण, पार्टी कार्यकर्ता और बुद्धिजीवी उपस्थित रहे। हरे लाल महतो ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा केवल एक महान स्वतंत्रता सेनानी ही नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना और जनअधिकारों की लड़ाई के प्रतीक हैं। उन्होंने कहा, ह्लधरती आबा का जीवन हमें समाज, जल-जंगल-जमीन और अपनी संस्कृति की रक्षा के लिए प्रेरित करता है। उनके दिखाए रास्ते पर चलना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। उन्होंने झारखंड स्थापना दिवस पर राज्यवासियों को बधाई देते हुए कहा कि राज्य की असली पहचान उसकी संस्कृति, परंपरा और मेहनतकश जनता है। उन्होंने कहा कि झारखंड के विकास में युवाओं और ग्रामीण समाज की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है और आजसू पार्टी जनहित के मुद्दों पर लगातार संघर्ष करती रहेगी।

बिहार चुनाव में हुई लोकतंत्र की हत्या : राजद

बोकारो : बिहार चुनाव में मोदी,शाह एवं ज्ञानेश कुमार ने लोकतंत्र का गला ही घोंट दिया,अब भारत में पुन: लोकतंत्र की बहाली कराने के लिए , मोदी, शाह एवम ज्ञानेश कुमार को पद से हटाना अनिवार्य हो गया है, अन्यथा भारत में लोकतंत्र सिर्फ दिखावा और आडम्बर का चीज बनकर रह जाएगा। बिहार चुनाव में जिस प्रकार जनमत को कुचला गया, झूठा जनादेश का दिखावा किया गया, ज्ञानेश कुमार ने चुनाव आयोग को मोदी शाह के इशारे पर मुर्दा बना दिया, वह देश से लोकतंत्र की विदाई और तानाशाही को स्थापित करने की खुली हिमाकत है। बिहार चुनाव में जनमत का अपहरण,69 लाख लोगों के नामों को काटना, 21 लाख नए और अनजान लोगों का नाम जोड़ना, काटे गए नामों की सूची और जोड़े गए नामों की सूची प्रकाशित नहीं करना, चुनावी प्रक्रिया शुरू हो जाने के बाद वोटर लिस्ट प्रकाशित करना, जिससे लोग समझ ही नहीं पाए कि उनका नाम कब और क्यों कटा और कौन जोड़ेगा अचानक 21 लाख लोगों का नाम जोड़ना, हरियाणा सहित बीजेपी शासित राज्यों से ट्रेनों को रिजर्व कर हजारों की संख्या में वोट डालने वालों को बिहार लाना, बीच चुनाव में 10-10 हजार रुपये महिलाओं के खाते में डालकर गरीब और अशिक्षित महिलाओं के वोट को खरीदने के खिलाफ आज दिनांक 15/11/2025 को बोकारो के बिरसा चौक पर ,देश में नफरत की राजनीति कर पूरे देश के सांप्रदायिक सौहार्द को बिगाड़ने वाला, अपनी शिक्षा की डिग्री को जनता से छिपाने वाला,आज तक का सबसे बड़ा और झूठा वादा करने वाला प्रधानमंत्री मोदी का पुतला दहन करते हुए।

भाजपा ने जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाई बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती, श्रद्धासुमन अर्पित कर कार्यकर्ताओं ने किया नमन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जमशेदपुर : आजादी के जंग के नायक, धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती को भाजपा जमशेदपुर महानगर ने जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाया। शनिवार को भाजपा जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष सुधांशु ओझा के नेतृत्व में भाजपा नेताओं एवं कार्यकताओं ने साकची गोलचक्कर स्थित बिरसा मुंडा की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धापूर्वक नमन किया। इस दौरान झारखंड भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिनेशानंद गोस्वामी, प्रदेश मंत्री नंदजी प्रसाद, प्रदेश प्रवक्ता अमरप्रीत सिंह काले, अनुसूचित जनजाति मोर्चा के राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य रमेश हांसदा व अन्य नेतागण मुख्यरूप से मौजूद रहे। इस दौरान भाजपा कार्यकताओं ने 'बिरसा मुंडा अमर रहे' और 'भारत माता की जय' के नारे लगाकर उनके त्याग, संघर्ष और बलिदान को याद किया। इस अवसर पर पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिनेशानंद गोस्वामी ने अमर क्रांतिवीर भगवान बिरसा मुंडा को नमन करते हुए कहा कि धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा युवाओं के आदर्श हैं। उन्होंने युवाओं को संगठित कर अंग्रेजी हुकुमत के खिलाफ सशस्त्र संग्राम किया था। उनका संपूर्ण जीवन संघर्ष, नेतृत्व और राष्ट्रभक्ति का अनुपम उदाहरण है, जो आज भी करोड़ों लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत बना हुआ है। वहीं, महानगर अध्यक्ष सुधांशु ओझा ने कहा कि बिरसा मुंडा शक्ति और साहस के परिचायक थे। उन्होंने अपने 25 वर्ष के अल्प जीवनकाल में अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ आदिवासियों के बीच स्वदेशी तथा भारतीय संस्कृति के प्रति जो प्रेरणा जगाई वह हम सबके लिए प्रेरणास्रोत रहेंगे। उन्होंने झारखंड राज्य स्थापना दिवस पर पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के योगदान को स्मरण कर राज्यवासियों को शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष देवेंद्र सिंह, चंद्रशेखर मिश्रा, बिनोद सिंह, जटाशंकर पांडेय, जिला परिषद सदस्य कुसुम पूर्ति, संजीव सिन्हा, बबुआ सिंह, रेणु शर्मा, अनिल मोदी, रमेश बास्के, नीतीश कुशवाहा, नीलू मछुआ, आनंद कुमार, आलोक वाजपेयी समेत कई अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

झारखंड स्थापना दिवस पर सरिया में भव्य सांस्कृतिक उत्सव, उत्कृष्ट कर्मचारियों का हुआ सम्मान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया : धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की पावन भूमि झारखंड के 25वें स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर सरिया प्रखंड कार्यालय में एक भव्य सांस्कृतिक उत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों, कर्मचारी सम्मान समारोह और प्रेरक उद्बोधनों ने समारोह को यादगार बना दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) संतोष गुप्ता, विशिष्ट अतिथि प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) ललित नारायण तिवारी, अंचल अधिकारी संतोष कुमार, थाना प्रभारी आलोक कुमार सिंह, प्रखंड प्रमुख प्रीति कुमारी सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने हिस्सा लिया। समारोह के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी संतोष गुप्ता ने प्रखंड के उत्कृष्ट कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनके कार्यों की सराहना की। यह सम्मान कर्मचारियों के समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से दिया गया। सम्मानित कर्मचारियों के चेहरों पर गर्व और उत्साह साफ झलक रहा था। अपने संबोधन में अनुमंडल पदाधिकारी संतोष गुप्ता ने कहा कि झारखंड का गठन एक ऐतिहासिक कदम था, जिसने आदिवासी संस्कृति, परंपराओं और प्राकृतिक संपदा को नई पहचान दी। उन्होंने उपस्थित लोगों से राज्य के विकास में सक्रिय योगदान देने और सामाजिक एकता को मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने यह भी जोड़ा कि सरिया प्रखंड की प्रगति में कर्मचारियों और स्थानीय समुदाय की भूमिका अहम है।

उत्तर प्रदेश

बिहार की जनता ने माना मोदी ही सुरक्षा-विकास की गारंटी

सोनभद्र में सीएम योगी बोले- यूपी-बिहार में राम-जानकी जैसा रिश्ता, पूर्व सरकारों ने किया जनजातियों का शोषण

सोनभद्र। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को एक दिवसीय दौरे पर सोनभद्र पहुंचे। यहां भगवान बिरसा मुंडा के 150वें जयंती वर्ष के अवसर पर आयोजित 'जनजातीय गौरव दिवस समारोह' में वे मुख्य अतिथि रहे। सीएम ने कार्यक्रम की शुरूआत भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर माल्यार्पण कर की। इस दौरान मंच से संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा- आज हम यहां भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती को हर्षोल्लास से मना रहे हैं, वहीं ठीक एक दिन पहले कल बिहार में भाजपा के साथ एनडीए ने जिस तरीके से जीत दर्ज की, उससे साबित हो गया कि बिहार में भी मोदी जी का डंका है। बिहार की जनता ने भी माना कि मोदी सरकार ही सुरक्षा और विकास की गारंटी हैं। बिहार में भाजपा की इस अप्रत्याशित जीत के लिए मैं बिहार के जनादेश के प्रति आभार व्यक्त करता हूं। इस दौरान सीएम योगी ने सोनभद्र के विकास के लिए 548 करोड़ रुपए की कुल 432 परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया। स्वतंत्रता सेनानियों के आश्रितों और परिजनों को सम्मान पत्र और विभिन्न जनजातियों के उत्थान के लिए काम करने वाले लोगों को प्रशस्ति पत्र बांटे। इससे पहले सीएम योगी ने भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर फूल अर्पित कर कार्यक्रम की शुरूआत की। सीएम योगी ने मंच से भारत माता और भगवान बिरसा मुंडा के जयकारे लगाए। मौके पर प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण, राज्य मंत्री संजीव गोंड, प्रभारी मंत्री रवींद्र जायसवाल, प्रदेश महामंत्री सुभाष गोंड, एमएसी सुभाष यदुवंशी, कैलाश यादव, नरेंद्र कुशवाहा, पूर्व सांसद राम सकल, रेनू शर्मा, राधिका पटेल, नागेश्वर गोंड, श्रवण गोंड आदि मौजूद रहे। पूर्व की सरकारों ने जनजातीयों का किया शोषण सीएम ने कहा- 1875 में जन्मे भगवान बिरसा मुंडा ने महज 25 वर्ष की उम्र में ऐसा पराक्रम दिखाया था कि ब्रिटिश सरकार ने उन्हें रांची जेल में डाल दिया। क्योंकि इतनी यातनाएं दीं कि उनकी मौत हो गई। पर उनका संघर्ष काम आया और ब्रिटिश सरकार को जनजातीयों को उनका हक देना पड़ा। पर आजादी के बाद पूर्व की सरकारों ने जनजातीयों को केवल दबाने का काम किया। उनका शोषण किया। मोदी सरकार ने राष्ट्र नायकों को सम्मान देने का काम किया। वर्ष 2021 से बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया। सीएम ने कहा- पूर्व की सरकारों ने जनजातीयों को उनका हक नहीं दिया। पर भाजपा ने साहस दिखाते हुए वन कानून में संशोधन करते हुए मूलनिवासी जनजातीयों को वन पट्टा दिलाने का काम किया। सिर्फ सोनभद्र में अब तक 23 हजार वन पट्टे बांटे गए हैं। बिरसा मुंडा ने ही दिया था 'नेशन फर्स्ट' का नारा सीएम ने कहा- असलियत में सबसे पहले धरती आबा बिरसा मुंडा ने ही 'नेशन फर्स्ट' का नारा दिया था। दरअसल अंग्रेजी हुकूमत के सामने उन्होंने नारा बुलंद किया था 'अबुवा देशोम-अबवा राज' जिसका मतलब है 'हमारा देश-हमारा राज'। सोनभद्र में बनाएंगे जनजातीय धरोहर संरक्षण म्यूजियम सीएम ने कहा- सोनभद्र यूपी की ऊर्जा राजधानी और प्राकृतिक सौंदर्य का केंद्र है। उन्होंने घोषणा की- बलरामपुर के मिलियाकोड़ा की तरह ही यहां भी जनजातीय धरोहरों के संरक्षण के लिए म्यूजियम बनाने का काम किया जाएगा। सलखन फॉसिल्स पार्क पूरे देश की धरोहर सीएम ने कहा- सोनभद्र अपने पुराने इतिहास के लिए मशहूर है। यहां स्थित सलखन फॉसिल्स पार्क में 140 करोड़ वर्ष पुराने जीवाश्म मिले हैं। इसलिए यूनेस्को ने इसे विश्व धरोहर की सूची में शामिल किया है। यह देश की भी धरोहर है। देश की सबसे अधिक जनजातियां सोनभद्र में रहतीं सीएम ने कहा- यूपी में कुल 15 जनजातियां निवास करती हैं, जिनमें से अकेले सोनभद्र में ही 14 जनजातियां रहती हैं। जिनकी आबादी 4 लाख से भी ज्यादा है। इनमें थारू, मुसहर, गौड़, छेरू, मुकसा, हरिया, थरवार, पईया आदि शामिल हैं। देश में सर्वाधिक जनजातियां सोनभद्र में ही निवासी करती हैं। इनके साथ मानव उद्गम का इतिहास जुड़ा हुआ है। 517 जनजातीय गांवों में बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराएगी सरकार सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पीएम जनमन योजना के तहत यूपी के 517 जनजातीय बाहुल्य गांवों में तेजी से काम शुरू किया है। जहां मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। प्रदेश में 11 लाख की जनजातीय आबादी इससे लाभान्वित हो रही है। इसके अलावा इन सभी गांवों को केंद्र और राज्य की सभी सरकारी योजनाओं से आच्छादित करने का काम किया जाएगा। सोनभद्र में भाजपा ने लिखा शिक्षा के विकास का इतिहास सीएम ने कहा- भाजपा सरकार में सोनभद्र में विकास का ग्राफ तेजी से बढ़ा है। सोनभद्र में एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय में 240 बच्चों को आधुनिक शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। राबर्ट्सगंज में राजकीय आश्रम विद्यालय, नदवा में बालिका आवासीय विद्यालय बनाए गए हैं।

संक्षिप्त डायरी

समाधान दिवस के मौके पर नब्बे शिकायतों में पांच का हुआ मौके पर निपटारा

संवाददाता

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश सरकार की मंशा के मुताबिक जन समस्याओं और शिकायतों के प्रभावी, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के साथ ही सदर तहसील में आयोजित जिला स्तरीय सम्पूर्ण समाधान दिवस के मौके पर जिलाधिकारी घनश्याम मीना की अध्यक्षता के साथ ही पुलिस अधीक्षक डॉ दीक्षा शर्मा की मौजूदगी में आम लोगों की शिकायतें सुनीं गयीं। समाधान दिवस में 90 शिकायतें आई, जिनमें पांच शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कराया गया। इस मौके पर जिलाधिकारी ने कहा कि सम्पूर्ण समाधान दिवस मुख्यमंत्री हेल्पलाइन/आईजीआरएस पोर्टल से मिली शिकायतों का निस्तारण करते वख्त खास सावधानी बरतें।आईजीआरएस में आई शिकायतों के निस्तारण के दौरान जो भी असंतुष्ट फीडबैक आते हैं, तो अधिकारी उन्हे अच्छे से पढ़े और उसके गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराना तय करें। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों से कहा कि जिन विभागों की जो भी शिकायतें आई है उनका मौके पर निरीक्षण के बाद गुणवत्तापूर्ण तरीके से निस्तारित कराया जाए। सम्पूर्ण समाधान दिवस के मौके पर एसडीएम सदर केडी शर्मा, प्रभागीय वनाधिकारी ए०के० श्रीवास्तव सहित अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

बाल दिवस पर रोटरी क्लब द्वारा निःशुल्क दंत परीक्षण शिविर आयोजित

संवाददाता

कुशीनगर। बाल दिवस के उपलक्ष्य में रोटरी क्लब कुशीनगर द्वारा पूर्व माध्यमिक विद्यालय गोपाल टोला में आयोजित निःशुल्क दंत परीक्षण शिविर में विद्यार्थियों के दांतों की जांच की गई तथा उन्हें टूथब्रश, टूथपेस्ट और टंग क्लीनर का निःशुल्क वितरण किया गया। रोटेरियन डॉ. रितेश सिंह एवं डॉ. श्याम बिहारी जयसवाल ने बच्चों की दंत समस्याओं का विस्तृत परीक्षण किया और दांतों की सही सफाई एवं देखभाल के टिप्स दिए। रोटरी क्लब कुशीनगर के अध्यक्ष अजय कुमार सिंह ने कहा कि रोटरी क्लब समाज में स्वास्थ्य एवं शिक्षा के उत्थान के लिए निरंतर सेवा कार्य करता रहा है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक वकील सिंह ने रोटरी क्लब द्वारा किए गए इस जनकल्याणकारी कार्य की सराहना की। कार्यक्रम में रोटरी क्लब के उपाध्यक्ष दुर्गेश चतुवेर्दी, अमरेंद्र नारायण सिंह, अरुण वर्मा, शशि कुमार सिंह, मनीष सिंह, सहायक अध्यापक अशोक वर्मा, रमेश गुप्ता तथा रसोइया उषा देवी एवं रेणु देवी उपस्थित रहे।

राजकीय बौद्ध संग्रहालय का 1070 शिक्षक और छाओं ने किया भ्रमण

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। शुक्रवार को एक दर्जन स्कूलों के 1070 शिक्षक और छात्र - छात्राओं ने राजकीय बौद्ध संग्रहालय, कुशीनगर का भ्रमण किया और कला वीथिका में रखे कला कृतियों का अवलोकन कर ऐतिहासिक, पुरातात्विक और सम सामयिक जानकारी ली। बौद्ध संग्रहालय, कुशीनगर के वरिष्ठ कर्मचारी तेज प्रताप शुक्ला ने बताया कि डिस्कवरी पब्लिक स्कूल कसया, पं दीनदयाल उपाध्याय कन्या इंटर कॉलेज दुदही, स्व० रामसुंदर चौधरी इंटर कॉलेज करनपुर बस्ती, मुक्तिनाथ बालिका इंटर कॉलेज हसपुर आजमगढ़, ग्लोरियस अकादमी फाजिलनगर कुशीनगर, शतिराम पब्लिक स्कूल मुबारकपुर आजमगढ़, रामकृष्ण स्कूल गौरा गोपालगंज बिहार, एस जी टी आई देवरिया, पास्कल एकेडमी सहजनवा गोरखपुर, कृषक इंटर कॉलेज बेलहरी आजमगढ़, पंडित रघुनाथ सिक्योर फ्यूचर एकेडमी पकड़िया संतकबीर नगर) के छात्र-छात्राओं एवं उनके शिक्षकों ने बौद्ध संग्रहालय, कुशीनगर का भ्रमण किया। उन्हें वीथिकाओं में प्रदर्शित कलाकृतियों के माध्यम से कला एवं संस्कृति के विविध पक्षों की जानकारी प्रदान की गई।

पी.के. स्नातकोत्तर महाविद्यालय का 11वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया

संवाददाता

कुशीनगर। पी.के. स्नातकोत्तर महाविद्यालय पटखौली, फाजिलनगर, कुशीनगर में 11वां स्थापना दिवस, बाल दिवस, प्रबंधक डॉ. नीला राय शर्मा का जन्मदिन, नवप्रवेशित छात्रों का स्वागत तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम और पुरस्कार वितरण समारोह उत्साहपूर्वक मनाया गया। मुख्य अतिथि डॉ. पीके राय ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। छात्राओं माया व अनुराधा ने सरस्वती वंदना तथा सुमन, शीतल और अनुराधा ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। प्राचार्य डॉ. विवेक पाण्डेय ने अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरूआत अनुराधा गोंड़ की गणेश वंदना नृत्य से हुई। संस्थापक- संरक्षक डॉ. पी.के. राय ने कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता, लगन, निष्ठा और मेहनत से ही सपने पूरे होते हैं। विशिष्ट अतिथि अमेरिका में इंजीनियर मोहम्मद अबरार खान ने कहा कि भारतीय युवाओं की प्रतिभा का विश्वभर में सम्मान है। सारस्वत अतिथि डॉ. उमाकांत राय ने कहा कि संकल्प और अनुशासन ही महानता की आधारशिला हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता मोहम्मद उस्मान ने की।वर्चुअली संबोधित करते हुए महाविद्यालय की प्रबंधक डॉ. नीला राय शर्मा ने 11वीं वर्षगांठ की शुभकामनाएं दीं तथा विश्वविद्यालय की एथलेटिक्स प्रतियोगिता में कांस्य जीतने पर छात्र हरिओम राजभर को सम्मानित करने की घोषणा की। कार्यक्रम में अनूप राय, अरविंद राय, पूर्व प्रधान मुन्ना राय, ग्राम प्रधान जैनेंद्र उर्फ पप्पू राय समेत बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। संचालन डॉ. कमलेश पाण्डेय व राजेश गुप्ता ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन प्राचार्य डॉ. विवेक पाण्डेय ने दिया।

सर्दियों में बच्चों को रहता है इन 4 बीमारियों का खतरा, ऐसे करें बचाव

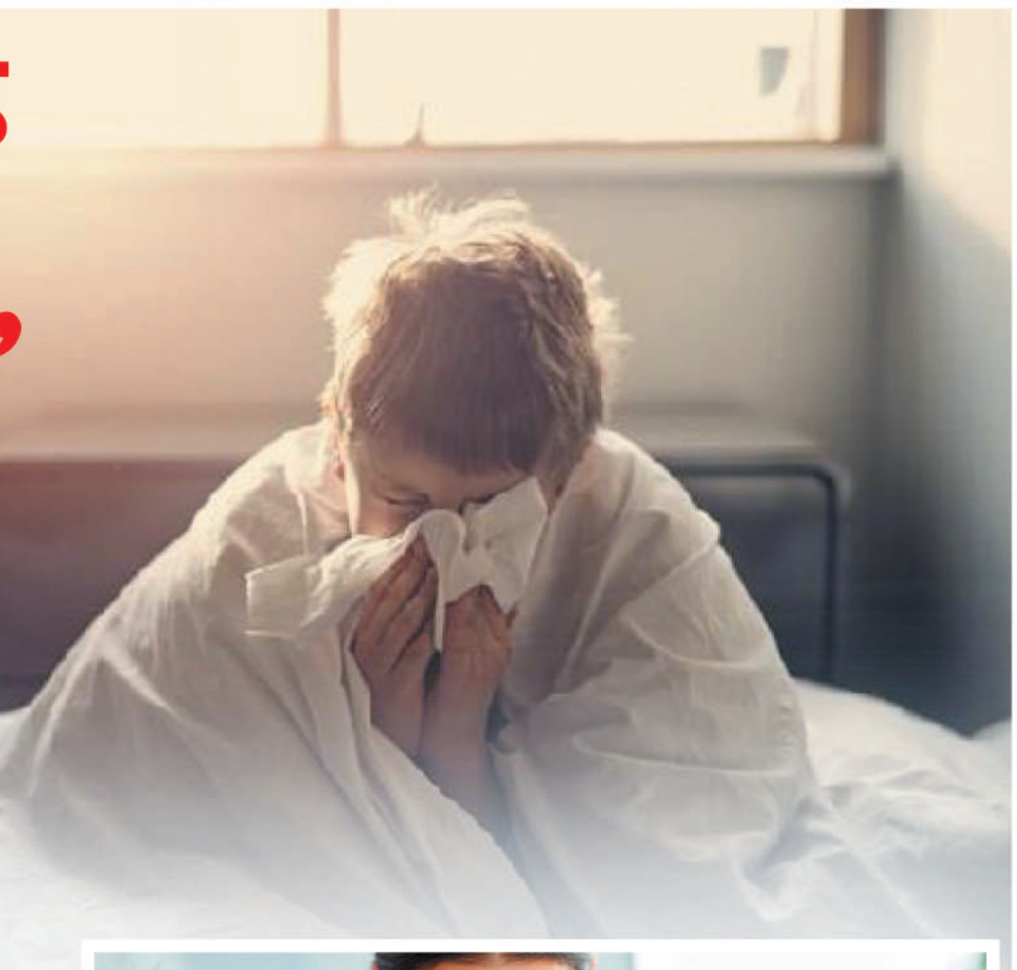

ठंड के इस मौसम में इम्यूनिटी कमजोर होने लगती है। इम्यूनिटी कमजोर होने के कारण शरीर वायरल समस्याओं से बहुत ही जल्दी घिरता है। खासतौर पर छोटे बच्चों की इम्यूनिटी कमजोर ही रहती है। ऐसे में बच्चों को कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं से इस मौसम में जूझना पड़ता है। सर्दियों में बच्चों को सांस से जुड़ी समस्याएं भी बहुत ही जल्दी परेशान करती हैं इसके कारण बच्चों के गले में खराश, नाक बहना और सर्दी खांसी जैसे लक्षण आम होते हैं। कुछ बच्चों को थकान और सुस्ती भी इसके कारण महसूस होती है।

निमोनिया

इस समस्या के कारण बच्चे सर्दियों में परेशान हो सकते हैं। यह बीमारी बच्चों में सर्दियों में ज्यादा देखने को मिलती है। यह सांस से जुड़ी एक ऐसी समस्या है जो फेफड़ों को प्रभावित करती है। इस स्थिति में बच्चों को सांस लेने में परेशानी होती है। यह बैक्टीरिया या फिर कवक के कारण हो सकता है। निमोनिया बच्चों को सर्दियों में ज्यादा परेशान करता है हालांकि यह व्यस्कों को भी हो सकता है।

साइनस

यह समस्या हर उम्र के लोगों के देखने में मिलती है। बच्चों को साइनस हो सकता है। इस समस्या में नाक और आंख के पीछे हवा से भरी थैलियों में द्रवा जमा हो जाता है जिससे संक्रमण का खतरा रहता है। बच्चों को साइनस होने के कारण सिरदर्द, बुखार, सर्दी-जुकाम जैसे लक्षण भी दिखते हैं। यदि आपके बच्चों को साइनस की बीमारी है तो सर्दियों में आपको उनका ज्यादा ध्यान रखने की जरुरत होती है।

अस्थमा

यह बीमारी सर्दियों में ज्यादा बढ़ती है। बच्चों को भी अस्थमा हो सकता है। यह बीमारी फेफड़ों को वायुमार्ग को संकरा कर देता है। इससे बच्चों को सांस लेने में दिक्कत हो सकती है। इसके कारण बच्चों को सांस लेने में तकलीफ हो सकती है। इससे कफ की समस्या भी होती है और बच्चों को घबराहट भी हो सकती है। ऐसे में सर्दी के मौसम में आपको बच्चों की धूल-मिट्टी और प्रदूषण से बचाना चाहिए।

ब्रोंकियोलाइटिस

यदि सर्दियों में आपके बच्चे को बार-बार सर्दी-खांसी होती है तो यह ब्रोंकियोलाइटिस का संकेत भी हो सकता है। यह शिशुओं और बच्चों को प्रभावित करने वाली बीमारी हो जो फेफड़ों में वायुमार्ग में सूजन का कारण बन सकता है। यह एक संक्रामक बीमारी है जो खांसी या छींक के माध्यम से निकलने वाली बूंदों के संपर्क में आने से फैलता है। इस स्थिति में बच्चों को नाक बहना, बुखार या फिर सीने में घरघराहट जैसे लक्षणों का सामना भी करना पड़ सकता है।

बच्चों का कैसे करें बचाव?

. सांस की बीमारियों से बच्चों को बचाने के लिए हाइजीन का खास ध्यान रखें।
. खाना खाने से पहले बच्चों के हाथ साबुन से धुलाएं।
. यदि बच्चों को खांसी हो रही है तो खांसते हुए और छींकते हुए मुंह ढकने के लिए कहें।
. ठंड से बचाने के लिए बच्चों को पूरे कपड़े पहनाएं। बच्चों को दस्ताने और मास्क भी जरुर पहनाएं।
. भीड़-भाड़ वाली जगहों पर बच्चों को न जाने दें।
. बच्चे के खान-पान का ध्यान रखें।

शरीर को गरम रखें

अक्सर बच्चों को ठंड लगने की वजह से, वे बुखार और खांसी-जुकाम का शिकार हो सकते हैं। इसलिए उन्हें अच्छे से कपड़े पहना कर रखें। अक्सर बच्चे जुराब और टोपी नहीं पहनते, जिस वजह से उन्हें ठंड लग जाती है। इसलिए कोशिश करें कि उन्हें ठीक से कपड़े पहनाएं और ठंड से बचा कर रखें।

हाइजीन का ध्यान रखें

सर्दियों के मौसम में अक्सर बच्चे ठंड की वजह से अपनी हाइजीन का ख्याल नहीं रखते। वे गंदे हाथों से अपने मुंह और नाक को छूते हैं, जिस वजह से, वे आसानी से वायरस और बैक्टीरिया की चपेट में आ सकते हैं। इसलिए बच्चों को हाइजीन का महत्व समझाएं और हमेशा बाहर से आने के बाद अच्छे से साबुन से हाथों को धोने की सलाह दें और गंदे हाथों से मुंह न छूने दें।

संतुलित आहार खिलाएं

पोषक तत्वों की कमी की वजह से बच्चों का इम्यून सिस्टम कमजोर हो जाता है और वे बीमारियों की चपेट में आ जाते हैं। इसलिए अपने बच्चों की डाइट का खास ख्याल रखें। उन्हें संतुलित आहार दें।

बीमार लोगों से दूर रखें

सर्दी और जुकाम ऐसी बीमारियां है, जो बीमार व्यक्ति से स्वस्थ व्यक्तियों में फैल सकता है। ऐसे में बच्चे उनका आसान शिकार हो सकते हैं। इसलिए अपने बच्चों को बीमार व्यक्तियों के पास न जाने दें।

छींकते वक्त मुंह ढकें

छींकते और खांसते वक्त हवा में मुंह और नाक से ड्रॉपलेट्स आते हैं, जिनकी वजह से इन्फेक्शन फैल सकता है। इसलिए बच्चों में आदत डालें कि हमेशा छींकते या खांसते वक्त अपने मुंह और नाक को रुमाल या कोहनी से ढकें, ताकि वायरस और बैक्टीरिया हवा में न फ़ाइलें।

पानी की कमी न होने दें

पानी की कमी की वजह से म्यूकस लाइनिंग मोटी होने लगती है, जिस वजह से रेस्पिरेशन में तकलीफ हो सकती है और बलगम इक्ट्ठा हो सकता है। इसलिए बच्चों को भरपूर मात्रा में पानी पिलाएं, ताकि म्यूकस की परत मोटी न हो।

एआई के जमाने में टिके रहने के लिए हर पैरेंट अपने टीनेज बच्चों को सिखाएं ये 3 स्किल्स

आज की दुनिया में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) इतनी तेज़ी से बढ़ रही है कि आने वाले कुछ सालों में कई नौकरियां पूरी तरह बदल जाएंगी। ऐसे में माता-पिता के लिए ज़रूरी है कि वे अपने बच्चों को सिर्फ़ अच्छे मार्क्स नहीं, बल्कि ऐसी स्किल्स सिखाएं जो मशीनें नहीं सीख सकतीं। जानिए 3 ज़रूरी जॉब स्किल्स जो हर पैरेंट को अपने टीनेज बच्चों को सिखानी चाहिए, ताकि वे भविष्य के करियर में सफल रह सकें।

क्रिटिकल थिंकिंग - सोचने और सवाल करने की कला

एआई डेटा से फैसले ले सकता है, लेकिन सोचने, तर्क करने और सही-गलत समझने की क्षमता सिर्फ इंसानों के पास होती है। बच्चों को सिखाएँ कि वे हर जानकारी पर आंख मूंदकर भरोसा न करें, खुद से सवाल करें जैसे- क्यों?, कैसे?, क्या इसका और कोई तरीका हो सकता है? किसी समस्या को अलग-अलग दृष्टिकोण से देखें। उन्हें समाचारों या सोशल मीडिया पोस्ट पर चर्चा करने को कहें और तर्क पूछें 'तुम्हें क्यों लगता है ये सही है?'

कम्युनिकेशन और इमोशनल इंटेलिजेंस

एआई चैट कर सकता है, लेकिन भावनाएं समझ नहीं सकता। भविष्य में जो इंसान दूसरों से जुड़ना, टीम में काम करना और सहानुभूति दिखाना जानता है, वही आगे बढ़ेगा। बच्चों को सिखाएं कि वे दूसरों की बात ध्यान से सुनें, अपनी भावनाएं साफ़ और सम्मानजनक तरीके से व्यक्त करें, दूसरों की स्थिति को समझने की कोशिश करें उन्हें ग्रुप एक्टिविटीज, वॉलंटियर वर्क या स्कूल डिबेट में हिस्सा लेने को प्रेरित करें।

क्रिएटिविटी और प्रॉब्लम सॉल्विंग

एआई पुराने डेटा पर चलता है, लेकिन नई सोच और नए आइडिया इंसानों से ही आते हैं। क्रिएटिव बच्चे हर बदलते दौर में अपने लिए नए मौके बना लेते हैं। बच्चों को सिखाएं कि वे असफलता से डरें नहीं, बल्कि उससे सीखें, हर समस्या को एक 'पजल' की तरह देखें, कला, संगीत, डिजाइन या इनोवेशन जैसे क्षेत्रों में अपनी रुचि आजमाएं। उन्हें घर के छोटे प्रोजेक्ट्स सुलझाने का मौका दें - जैसे कोई टूटी चीज ठीक करना, बजट बनाना या कोई नया आइडिया ट्राय करना।

जरूरी बात

भविष्य उन्हीं का होगा जो सोच सकते हैं, महसूस कर सकते हैं और नई दिशा बना सकते हैं। इसलिए बच्चों को सिर्फ़ एआई से डरना नहीं, बल्कि एआई के साथ आगे बढ़ना सिखाएं। ध्यान रखें कि मशीनें काम कर सकती हैं, लेकिन सोचने का काम इंसान का ही रहेगा।

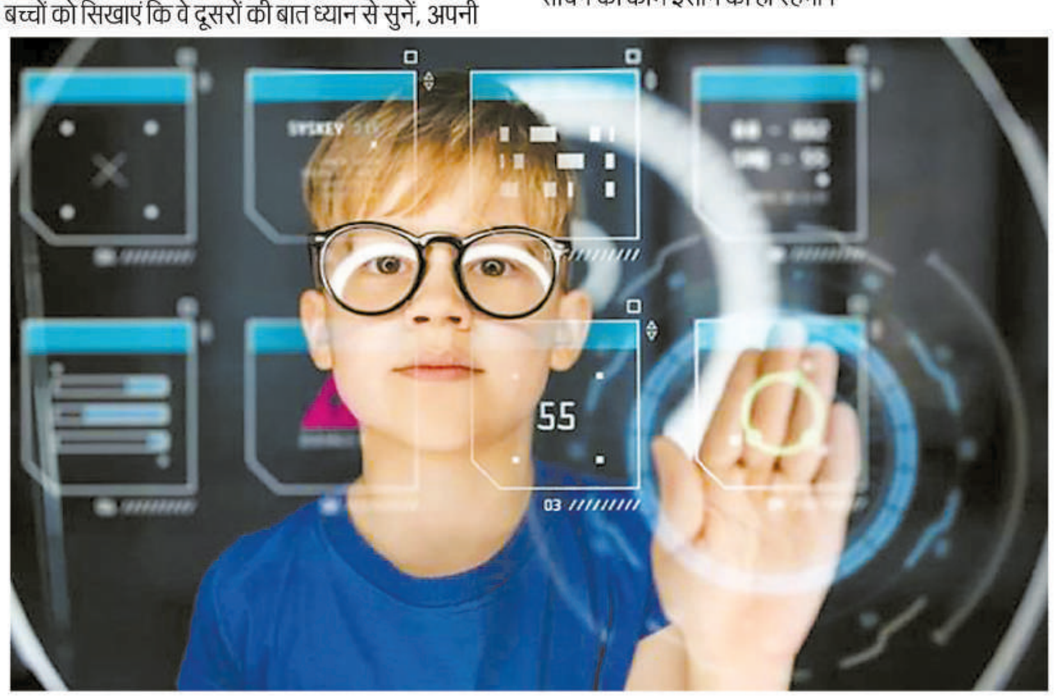

बच्चों के पढ़ाई और संस्कारों के साथ सिखा दें ये बातें भी, हमेशा बचे रहेंगे गलत संगत से

आज के समय में बच्चों को सिर्फ पढ़ाई ही नहीं, बल्कि जीवन के संस्कार और सुरक्षा के गुण भी सिखाना बेहद जरूरी है। ऐसे बच्चे न केवल समझदार बनते हैं बल्कि बुरे लोगों या गलत संगति से खुद को बचाना भी जानते है। यहाँ कुछ जरूरी बातें है जो हर पैरेंट्स को अपने बच्चों को सिखानी चाहिए

'ना' कहना सिखाएं

बच्चों को यह समझाएं कि अगर कोई व्यक्ति उन्हें असहज महसूस कराता है चाहे वो कोई जान-पहचान वाला ही क्यों न हो तो वे तुरंत 'ना' कहें। ये आत्म-सुरक्षा का पहला कदम है। ना कहना गलत नहीं, अपनी सुरक्षा जरूरी है।

अच्छे और बुरे स्पर्श की समझ

बच्चे को सिखाएं कि शरीर के कौन से हिस्से 'प्राइवेट' हैं और वहां कोई छूए तो उसे तुरंत बताना चाहिए इसके लिए कहानी या चित्रों के माध्यम से सिखाना आसान होता है।

खुलकर बात करना

बच्चों को डरने नहीं बोलने की हिम्मत दें। अगर स्कूल, बस, या बाहर कुछ गलत लगे तो वे तुरंत मां-पापा को बताएं जो बच्चा अपने माता-पिता से खुलकर बात करता है, वो कभी शिकार नहीं बनता। उन्हें समझाएं कि किसी अजनबी से गिफ्ट, खाना या लिफ्ट न लें। अगर कोई अनजान व्यक्ति बुलाए, तो तुरंत भरोसेमंद बड़े को बताएं।

ऑनलाइन सुरक्षा

आजकल खतरे सिर्फ बाहर नहीं,इंटरनेट पर भी है। बच्चों को सिखाएं कि अपनी फोटो, लोकेशन या जानकारी किसी से साझा न करें। पैरेंट्स को भी बच्चों की ऑनलाइन एक्टिविटी पर नजर रखनी चाहिए।

भरोसे का रिश्ता बनाए रखें

बच्चा तभी सच बोलेगा जब उसे लगेगा कि आप डाटेंगे नहीं, समझेंगे। मां-बाप का भरोसा बच्चे की सबसे बड़ी ढाल होता है। जो बच्चे इन बातों को समझते हैं, उन पर कभी बुरे लोगों का साया नहीं पड़ता। वे साहसी, समझदार और सुरक्षित बनते हैं।

कोलकाता टेस्ट में भारत की पकड़ मजबूत, दक्षिण अफ्रीका संकट में

– तीसरे दिन जीत दर्ज कर सकता है भारत, दक्षिण अफ्रीका पहली पारी 159, दूसरी पारी 93/7 – भारत पहली पारी 189

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता के ईडन गार्डन में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच में भारतीय टीम जीत की ओर तेजी से बढ़ रही है। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक दक्षिण अफ्रीका ने अपनी दूसरी पारी में 93 रन पर सात विकेट खो दिए थे। पहली पारी में भारत से 30 रन पीछे रहने के चलते उसकी कुल बढ़त अभी सिर्फ 63 रन की हैं। स्टंप्स के समय कप्तान तेम्बा बावुमा 29 रन और कोर्बिन बॉश एक रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे। भारत के लिए रविंद्र जडेजा ने घातक गेंदबाजी करते हुए चार विकेट झटके, जबकि कुलदीप यादव ने दो और अक्षर पटेल ने एक सफलता हासिल की। मेहमान टीम की बल्लेबाजी भारतीय स्पिनरों के सामने बेबस नजर आई और लगातार विकेट गिरने से उनकी स्थिति और कमजोर होती चली गई।

इससे पहले भारत की पहली पारी 189 रन पर सिमट गई। भारतीय टीम व्यावहारिक रूप से नौ विकेट पर ही रुक गई क्योंकि कप्तान शुभमन गिल गर्दन में ऐंठन के चलते रिटायर हर्ट हो गए और दोबारा बल्लेबाजी के लिए मैदान पर नहीं लौट सके। उनकी जगह विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने टीम की कमान संभाली। भारत की पारी में सबसे बड़ा बाधक दक्षिण अफ्रीका के अनुभवी ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर बने, जिन्होंने अपनी क्लासिकल ऑफ स्पिन गेंदबाजी का शानदार प्रदर्शन करते हुए 30 रन देकर चार महत्वपूर्ण विकेट हासिल किए। हार्मर की टर्न लेती गेंदों ने भारतीय बाएं हाथ के बल्लेबाजों को लगातार परेशान किया और उन्होंने वाशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा और अक्षर पटेल को क्रमशः 29, 27 और 16 रन पर पवेलियन भेजा। तेज गेंदबाज मार्को यानसन ने भी 35 रन देकर तीन विकेट हासिल किए और हार्मर का बखूबी साथ निभाया।

दिन की शुरुआत भारत ने एक विकेट पर 37 रन से की थी। केएल राहुल और वाशिंगटन सुंदर ने संयम से बल्लेबाजी करते हुए दूसरे विकेट के लिए 57 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की। दोनों ने दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों का मजबूती से सामना किया, लेकिन ड्रिंक्स ब्रेक के बाद मैच का रूख अचानक बदल गया। हार्मर ने वाशिंगटन को स्लिप में एडेन मार्करम के हाथों कैच कराकर भारत को बड़ा झटका दिया। इसके बाद जडेजा और अक्षर ने 45-45 गेंदें खेलकर संघर्ष तो किया, लेकिन टीम के स्कोर में बड़ा अंतर नहीं ला सके। ध्रुव जुरेल ने आक्रामक अंदाज में शुरुआत करने की कोशिश की, लेकिन हार्मर को रिटर्न कैच थमा बैठे।

दूसरी पारी में भारतीय गेंदबाजों ने जबरदस्त प्रदर्शन किया और दक्षिण अफ्रीका को शुरू से ही दबाव में रखा। बल्लेबाज एक-एक कर पवेलियन लौटते गए और टीम बड़ी बढ़त हासिल करने में नाकाम रही। मौजूदा स्थिति को देखते हुए भारत तीसरे दिन ही यह टेस्ट मैच अपने नाम कर सकता है।

केएल राहुल ने टेस्ट करियर में पूरे किए 4,000 रन

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईडन गार्डन्स में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेले जा रहे पहले टेस्ट में भारतीय ओपनर केएल राहुल ने अपने टेस्ट करियर का बड़ा माइलस्टोन हासिल किया। शनिवार को खेले गए मैच में राहुल ने 4,000 रन का आंकड़ा पार किया। इस उपलब्धि के साथ वे टेस्ट क्रिकेट में भारत के भरोसेमंद बल्लेबाजों में एक और नाम जोड़ने में सफल रहे। इस दिन राहुल ने 119 गेंदों में 39 रन बनाए, जिसमें चार चौके और एक छक्का शामिल रहा। हालांकि वे इस अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में तब्दील नहीं कर पाए, लेकिन अपने करियर के इस मुकाम को पार करना उनके लिए खास रहा। अब तक राहुल ने 66 टेस्ट मैचों में 115 पारियों में 4,024 रन बनाए हैं, उनका औसत 36.58 है और सर्वश्रेष्ठ स्कोर 199 रन का रहा है। इसके अलावा उन्होंने 11 शतक और 20 अर्धशतक भी लगाए हैं। राहुल के लिए यह साल शानदार रहा है। 2025 में उन्होंने 9 टेस्ट मैचों में 784 रन बनाए, जिसमें तीन शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं। इस दौरान उनका औसत 52.26 रहा और सर्वश्रेष्ठ पारी 137 रन की रही। इंग्लैंड में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में उन्होंने 532 रन बनाए और दो शतक जमाए। अहमदाबाद टेस्ट में उन्होंने 9 साल बाद घरेलू मैदान पर शतक भी लगाया, जो 2016 के बाद भारत में उनका पहला टेस्ट शतक था। डे-2 के लंच तक भारत की पारी 138/4 पर पहुंची, जिसमें कप्तान शुभमन गिल भी गर्दन में दर्द के कारण रिटायर्ड हर्ट होकर वापस लौट गए। टीम के लिए यह दिन कुछ चिंता के साथ उत्साह का भी रहा, क्योंकि राहुल का माइलस्टोन और भारतीय गेंदबाजों का आक्रमक प्रदर्शन दोनों ही मैच की दिशा तय कर सकते हैं। इस प्रदर्शन के साथ केएल राहुल ने न केवल व्यक्तिगत रूप से बड़ा माइलस्टोन छुआ, बल्कि भारतीय टीम को टेस्ट मैच में मजबूत स्थिति में बनाए रखने में भी अहम योगदान दिया। फैंस और विशेषज्ञ अब उनके अगले शॉट्स और पारी को लेकर उत्साहित नजर आ रहे हैं।

ऋषभ पंत बने भारत के नए सिक्सर किंग, टेस्ट में तोड़ा वीरेंद्र सहवाग का रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के विस्फोटक विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत ने कोलकाता टेस्ट में एक नया इतिहास रच दिया है। साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेलते हुए पंत ने केशव महाराज की गेंद पर लंबा छक्का लगाते हुए भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। इससे पहले यह रिकॉर्ड वीरेंद्र सहवाग के पास था, जिन्होंने अपने करियर में कुल 90 छक्के जड़े थे। ऋषभ पंत ने इंग्लैंड दौरे पर सहवाग की बराबरी कर ली थी, लेकिन अब उन्होंने यह रिकॉर्ड पार कर दिया। इस तरह 91 छक्कों के साथ पंत टेस्ट क्रिकेट में भारत के नए ÷सिक्सर किंग÷ बन गए हैं। इस उपलब्धि के साथ पंत ने रोहित शर्मा और एमएस धोनी जैसे दिग्गज बल्लेबाजों को भी पीछे छोड़ दिया है।

भारत के लिए टेस्ट मैचों में सर्वाधिक छक्के लगाने वाले टॉप-5 बल्लेबाजों की सूची इस प्रकार है

91 - ऋषभ पंत
90 - वीरेंद्र सहवाग
88 - रोहित शर्मा
80 - रवींद्र जडेजा
78 - एमएस धोनी

पंत ने यह रिकॉर्ड मैच के 38वें ओवर में हासिल किया। केशव महाराज की तीसरी गेंद पर चौका लगाने के बाद उन्होंने अगली

गेंद पर मिड ऑफ की दिशा में शानदार छक्का लगाया। उनके इस बेखौफ और आक्रामक अंदाज ने दर्शकों और क्रिकेट फैंस को रोमांचित कर दिया। ऋषभ पंत की बल्लेबाजी का यह अंदाज उन्हें टेस्ट क्रिकेट में अलग पहचान दिलाता है। वे न केवल तेज रन बनाने में माहिर हैं, बल्कि टीम के लिए जरूरी मौके पर बड़े शॉट खेलने से भी नहीं हिचकिचाते। उनका यह रिकॉर्ड भारतीय क्रिकेट में नया अध्याय जोड़ता है और आने वाले समय में युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा।

इस प्रदर्शन के साथ पंत ने अपने करियर को और ऊँचाई दी है और साबित कर दिया है कि वे केवल विकेटकीपर नहीं, बल्कि टेस्ट क्रिकेट में भी आक्रामक बल्लेबाज के रूप में अपनी अलग पहचान बना चुके हैं। फैंस और विशेषज्ञ अब उनके खेल पर और ध्यान दे रहे हैं और पंत की अगली उपलब्धियों को लेकर उत्साहित हैं।

क्रिकेट और पुलिस दोनों की जर्सी का अपना अलग सम्मान : दीप्ति शर्मा

–महिला विश्व कप विजेता दीप्ति शर्मा का लखनऊ में भव्य स्वागत

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला क्रिकेट विश्व कप में शानदार प्रदर्शन कर टीम इंडिया को ऐतिहासिक जीत दिलाने वाली ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा का कल लखनऊ में भव्य स्वागत किया गया। उत्तर प्रदेश पुलिस में डीएसपी के पद पर तैनात दीप्ति शर्मा को पुलिस मुख्यालय में डीजीपी राजीव कृष्ण ने सम्मानित किया। इस अवसर पर दीप्ति डीएसपी की यूनिफॉर्म में दिखाई दीं, जिन्होंने खेल और पुलिस सेवा दोनों में अपनी उपलब्धियों का प्रतिनिधित्व किया। दीप्ति शर्मा ने विश्व कप के दौरान अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि टीम ने कई उतार-चढ़ाव देखे, लेकिन खिलाड़ियों ने मिलकर मजबूत वापसी की। उन्होंने कहा, 'तीन मैच हमने जरूर हारे, लेकिन टीम इंडिया हमेशा मजबूती से वापसी करती है। हमने पीछे मुड़कर नहीं देखा और एकजुट होकर खेला। चार साल बाद आने वाला वर्ल्ड कप एक खास अवसर होता है और हमने अपनी पूरी क्षमता के साथ खेला।'

सेमीफाइनल में सात बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को हराने के पल को याद करते हुए दीप्ति ने कहा कि टीम को भरोसा था कि अगर वह अपना सर्वश्रेष्ठ खेलेंगे तो जीत हासिल की जा सकती है। उन्होंने कहा कि ट्रॉफी उठाने और टीम का हिस्सा बनने का अनुभव बेहद खास और गर्व की बात थी। ऑलराउंडर के रूप में योगदान करना उनके लिए और भी संतोषजनक रहा।

दीप्ति ने प्रधानमंत्री से मुलाकात का अनुभव भी साझा किया और बताया कि प्रधानमंत्री ने उन्हें समय दिया और प्रोत्साहित किया। उन्होंने युवा खिलाड़ियों और बच्चियों के लिए संदेश दिया कि अपने लक्ष्य को चुनें और उसके प्रति समर्पित रहें। उन्होंने कहा कि परिवार का समर्थन इस सफर में अहम है और वे चाहती हैं कि ज्यादा से ज्यादा बच्चियों को खेलों में प्रोत्साहन मिले।

समारोह में दीप्ति ने दोनों जर्सी क्रिकेट की और पुलिस की का महत्व बताते हुए कहा कि दोनों का अपना अलग सम्मान है। उन्होंने यूपी में खेलों को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का भी धन्यवाद किया। दीप्ति ने कहा कि मुख्यमंत्री की नीति से खिलाड़ियों को न केवल खेलों में बल्कि करियर के अवसरों में भी समर्थन मिलता है।

डीजीपी राजीव कृष्ण ने दीप्ति की प्रतिभा, अनुशासन और ऊर्जावान अंदाज की तारीफ की और कहा कि वह प्रदेश और यूपी पुलिस के लिए गर्व का विषय हैं। उन्होंने बताया कि पिछले वर्षों में कई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी यूपी पुलिस की नीति के तहत शामिल हुए और दीप्ति शर्मा भी इसी प्रेरणा का परिणाम हैं। दीप्ति के इस सम्मान समारोह ने राज्य में खेलों और खिलाड़ियों के समर्थन को लेकर सकारात्मक संदेश दिया।

रवींद्र जडेजा ने अपने नाम दर्ज की एक और ऐतिहासिक उपलब्धि

मुंबई । टीम इंडिया के भरोसेमंद ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने फिर साबित किया हैं कि वह आधुनिक क्रिकेट के सबसे बड़े मैच–विनर्स में शामिल हैं । ईडन गार्डन में खेले जा रहे भारत–साउथ अफ्रीका पहले टेस्ट के दौरान जडेजा ने अपने करियर में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि जोड़ ली । जडेजा ने टेस्ट क्रिकेट में 4,000 रन पूरे करते ही उस

एलीट क्लब में प्रवेश पा लिया हैं, जिसमें सिर्फ तीन दिग्गज शामिल इयान बॉथम, कपिल देव और डेनियल वेटोरी । अब इस क्लब में चौथे सदस्य रवींद्र जडेजा बन गए है । जडेजा ने कारनामा 87 टेस्ट में पूरा किया । यह बॉथम के बाद दूसरा सबसे तेज प्रदर्शन है । जडेजा की रन मशीन में अब 6 शतक और 27 अर्धशतक शामिल हैं । स्लिप, पॉइंट और शॉर्ट कवर पर उनकी बिजली सी फुर्ती मैच को पलट देने की क्षमता रखती है । विकेटों के बीच उनकी तेज दौड़ और रनिंग बिटवीन विकेट्स भी उन्हें तीनों पहलुओं में मैच–विनर बनाती है । अक्सर एशियाई पिचों के स्पिनर माने जाने वाले जडेजा ने विदेशों में भी शानदार प्रदर्शन किया है– इंग्लैंड में 2022 की सेंचुरी, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और साउथ अफ्रीका में मैच–विनिंग स्पेल, जिससे साबित होता है कि वह सिर्फ होम ट्रैक स्टार नहीं, बल्कि एक ग्लोबल टेस्ट चैंपियन हैं । जडेजा अपनी फिटनेस, कंसिस्टेंसी और बैट–बॉल दोनों से योगदान देकर टीम इंडिया की 'बैलेंस की रीढ़' हैं । उनके आने से ही भारत 5 बॉलर कॉम्बिनेशन आराम से खिलाता है ।

शुभमन गिल की चोट ने बढ़ाई टीम इंडिया की चिंता, गर्दन में मोच के कारण छोड़ना पड़ा मैदान

नई दिल्ली (एजेंसी) । कोलकाता के ऐतिहासिक ईडन गार्डन्स में इंडिया और साउथ अफ्रीका के बीच खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन टीम इंडिया और उनके फैंस की चिंता बढ़ गई, जब कप्तान शुभमन गिल चोट के कारण मैदान छोड़ने को मजबूर हो गए । शुभमन गिल को बल्लेबाजी के दौरान गर्दन में मोच लगी, जिसके कारण वे आगे बैटिंग जारी नहीं रख सके । फिलहाल बीसीसीआई ने गिल की चोट की गंभीरता के बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी है, लेकिन मैदान पर दिखाई देने वाला दर्द काफी गंभीर प्रतीत हुआ । शुभमन गिल की चोट भारतीय पारी के 35वें ओवर में लगी । साउथ अफ्रीका के गेंदबाज साइमन हार्मर ने इस ओवर में वॉशिंगटन सुंदर को आउट किया । इसके बाद गिल बैटिंग करने आए और उन्होंने पहले दो गेंदों को अच्छे से डिफेंड किया । तीसरी गेंद पर उन्होंने लेग साइड में स्वीप खेला और बैकवर्ड स्क्वॉयर लेग की दिशा में चार रन जोड़े । लेकिन इस शॉट को खेलने के तुरंत बाद जब वे उठे तो उनकी गर्दन में अचानक तेज दर्द महसूस हुआ । गिल का यह दर्द इतना असहनीय था कि उनका चेहरा ही इसे दर्शा रहा था और वे अपनी गर्दन तक हिला नहीं पा रहे थे । मैदान पर फिजियो तुरंत मौजूद हुए और गिल ने चोट दिखाते हुए कुछ देर आराम किया । हालांकि, स्थिति यह हो गई कि उन्होंने आगे बल्लेबाजी जारी रखने में असमर्थता जताई और अंतत : मैदान छोड़ने का फैसला किया । गिल के मैदान से बाहर जाने के बाद भारतीय टीम को बड़ा झटका लगा, क्योंकि कप्तान की चोट किसी भी स्थिति में टीम के लिए चिंता का विषय बन सकती है ।

युवा क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी बना राइजिंग स्टार्स का हीरो

नई दिल्ली । एशिया कप राइजिंग स्टार्स में इंडिया–ए की ओर से खेलते हुए समस्तीपुर के 14 वर्षीय क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी ने अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से पूरे देश का ध्यान खींच लिया है। महज 14 साल की उम्र में 42 गेंदों पर 144 रन बनाने का कारनामा किसी भी युवा खिलाड़ी के लिए आसान नहीं होता, लेकिन वैभव ने इसे कर दिखाया । अपनी पारी में उन्होंने 15 छक्के और 11 चौके जड़े और यूएई के गेंदबाजों को पूरी तरह मात दी। इससे पहले, आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेलते हुए उन्होंने गुजरात के खिलाफ 35 गेंद में शतक लगाकर भी अपने हुनर का प्रदर्शन किया था । वैभव की यह सफलता न सिर्फ उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि समस्तीपुर जिले के लिए भी गर्व की बात बन गई है । उनकी इस असाधारण पारी के बाद समस्तीपुर में उत्साह का माहौल है । स्थानीय लोग वैभव को केवल एक क्रिकेटर नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणा मान रहे हैं । जिले के युवा खिलाड़ी इस उपलब्धि से बेहद प्रभावित हैं और कहते हैं कि अपने ही जिले का बच्चा अंतरराष्ट्रीय मंच पर नाम कमा रहा है, यह गर्व और प्रेरणा का कारण है । वैभव की सफलता ने खेल के प्रति बच्चों में रुचि और जोश दोनों बढ़ा दिया है । स्थानीय खिलाड़ियों का कहना है कि वैभव का प्रदर्शन सिर्फ रन बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह संदेश भी देता है कि मेहनत और समर्पण से कुछ भी हासिल किया जा सकता है । युवा खिलाड़ी अमन कुमार ने कहा कि 144 रन किसी भी क्रिकेटर का मनोबल बढ़ाने वाला रिकॉर्ड है । वहीं, विकाश कुमार ने वैभव की विस्फोटक बल्लेबाजी और धैर्य की तारीफ करते हुए कहा कि इतने कम समय में इतनी बड़ी उपलब्धि हासिल करना किसी भी खिलाड़ी के लिए आसान नहीं होता ।

क्रोएशिया ने विश्व कप में बनाई जगह

रिजेका (एजेंसी)। क्रोएशिया ने विश्व कप क्वालीफायर के नौवें दौर में फरो आइलैंड्स को 3-1 से हराकर जीत दर्ज की। इस जीत के साथ क्रोएशिया ने 2026 विश्व कप के लिए अपनी जगह पक्की कर ली है। मैच के 16वें मिनट फरो आइलैंड्स ने मुकाबले में बढ़त हासिल कर ली थी। गेजा डेविड तुरी ने मिडफील्ड में ब्रेक का फायदा उठाते हुए एक तेज शॉट लगाया, जो क्रोएशिया के गोलकीपर के पास से निकल गया। हालांकि, क्रोएशिया ने परिपक्वता और सटीकता के साथ कुछ ही देर में इस गोल का जवाब दिया। सात मिनट बाद, डिफेंडर जोस्को ग्वार्डिओल ने कोने में शॉट मारकर मैच 1-1 की बराबरी पर ला दिया। 23वें मिनट तक मुकाबला 1-1 से बराबरी पर था।

यहां से क्रोएशिया ने मिडफील्ड में खेल पर नियंत्रण बनाए रखा। मुकाबले के 57वें मिनट जोसिप स्टैनिसिक ने दाईं ओर से आगे बढ़कर पेटार मूसा को एक शानदार पास दिया। मूसा ने चतुराई से गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा और गोलकीपर के ऊपर से शॉट लगाया। इसी के साथ क्रोएशिया ने 2-1 से बढ़त हासिल कर ली। यह साल 2023 के बाद उनका पहला अंतरराष्ट्रीय गोल था।

मैच के दूसरे हाफ के बीच में ही उस वक्त मैच का निर्णायक मोड़ आ गया, जब इवान पेरिसिक ने बाईं ओर से एक कर्लिंग क्रॉस दिया, जिसे निकोला व्लासिक ने एक नियंत्रित साइड-फुट फिनिश के साथ गोलपोस्ट के अंदर पहुंचाया और 3-1 से जीत सुनिश्चित की। इस जीत के साथ क्रोएशिया ग्रुप एल में शीर्ष पर पहुंच गया है। टीम के पास एक मैच शेष है। फरो आइलैंड्स अपने सभी 8 मैच खेल चुका है। यह टीम दौड़ से बाहर है।

ग्रुप एल के दूसरे मैच में, मोंटेनेग्रो ने जिब्राल्टर को 2-1 से शिकस्त दी। शुरुआत में पिछड़ने के बाद आखिरी पेनाल्टी को गोल में बदलकर टीम ने जीत दर्ज की। जर्मनी ने निक वोल्टेमाडे के दो गोल की मदद से लक्जमबर्ग को 2-0 से हराकर ग्रुप ए में सीधे क्वालीफिकेशन की ओर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है।

एटीपी फाइनल्स : सेमीफाइनल से पहले बढ़ा रोमांच, फेलिक्स ऑगर–अलियासिम ने अल्काराज को चेतावनी दी

स्पोर्ट्स डेस्क । फेलिक्स ऑगर–अलियासिम ने एलेक्सेंडर ज्वेरेव को कड़ी टक्कर देने के बाद ATP फाइनल्स के सेमीफाइनल में जगह बनाई और अब उनका सामना कार्लोस अल्काराज से होगा । जीत के बाद ऑगर–अलियासिम ने साफ किया कि वह स्पेनिश स्टार से डरने वाले नहीं हैं । 25 वर्षीय कनाडाई खिलाड़ी ने मैच के दबाव को शांतिपूर्वक संभाला और निर्णायक समय में सर्व बनाए रखा । मैच के बाद उन्होंने कहा, 'यह टूर्नामेंट बहुत खास हैज फाइनल तक पहुंचने के लिए मुझे महान खिलाड़ी से गुजरना होगाज उनका बहुत सम्मान है, लेकिन मौका मिला तो मैं उसे जाऊंगा ।' अब कार्लोस अल्काराज के खिलाफ होने वाला सेमीफाइनल खेल का रोमांच चरम पर होगा । ऑगर–अलियासिम की आत्मविश्वासी वापसी और टॉप खिलाड़ियों के खिलाफ प्रदर्शन ने इस मुकाबले को एक बड़े हेडलाइन मुकाबले में बदल दिया है ।

बाबर आजम ने 807 दिन के शतक के सूखे को तोड़ा, वनडे करियर का 20वां शतक जड़ा

नई दिल्ली । पाकिस्तान के स्टार बल्लेबाज बाबर आजम ने श्रीलंका के खिलाफ दूसरे वनडे में 102 रनों की नाबाद पारी खेलते हुए 807 दिनों के लंबे शतक के सूखे को खत्म कर दिया । यह उनकी इंटरनेशनल क्रिकेट में 83 पारियों के बाद पहली वनडे सेंचुरी थी । इस शतकीय पारी के साथ बाबर आजम ने अपने वनडे करियर का कुल 20वां शतक जड़कर पाकिस्तान के लिए इस फॉर्मेट में सबसे ज्यादा शतक बनाने के मामले में सईद अनवर के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष स्थान हासिल कर लिया । बाबर आजम को 20 वनडे शतक पूरे करने में 136 पारियों का समय लगा, जिससे वे इस श्रेणी में तीसरे स्थान पर हैं । इसके पहले हाशिम अमला ने 108 पारियों में यह कारनामा किया था, जबकि विराट कोहली ने 133 पारियों में 20 शतक पूरे किए थे । बाबर महज तीन पारियों से कोहली की बराबरी से चूक गए । इस तरह के आंकड़े उन्हें विश्व के बेहतरीन बल्लेबाजों की सूची में प्रमुख स्थान देते हैं । मैच की बात करें तो टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंकाई टीम ने निर्धारित 50 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 288 रन बनाए । जनिथ लियानागे 54 रन बनाकर टीम के उच्चतम स्कोरर रहे, जबकि कामिंदु मेंडिस (44), समरविक्रमा (42) और वानिंदु हसरंगा (37*) ने भी योगदान दिया । पाकिस्तान की ओर से हारिस रऊफ और अबरार अहमद ने 3–3 विकेट चटकाए । 289 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की टीम को फखर जमन (78) और सैम अयूब (33) ने शुरुआती धमाकेदार साझेदारी दी । इसके बाद बाबर आजम ने फखर जमन के साथ 100 रन की साझेदारी और मोहम्मद रिजवान के साथ 112 रनों की नाबाद साझेदारी निभाई । बाबर की आक्रामक और संतुलित पारी के दम पर पाकिस्तान ने 8 विकेट से जीत दर्ज की । उन्होंने अपनी पारी में 8 चौके जड़े और प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड भी जीता । बाबर आजम की इस पारी ने न केवल पाकिस्तान को जीत दिलाई, बल्कि यह उनके करियर की महत्वपूर्ण उपलब्धियों में से एक भी बन गई । लंबे शतक के सूखे को तोड़ना और कम पारियों में 20 वनडे शतक पूरे करना उनकी शानदार तकनीक और मानसिक दृढ़ता का प्रमाण है । पाकिस्तान के फैंस और क्रिकेट विशेषज्ञ अब बाबर को इस फॉर्मेट में और बड़े रिकॉर्ड बनाने के लिए तैयार देख रहे हैं ।

जापान मास्टर्स : सेमीफाइनल में लक्ष्य सेन की हार, भारत का अभियान समाप्त

कुमामोटो (जापान) । भारत के स्टार शटलर लक्ष्य सेन का जापान मास्टर्स सुपर 500 टूर्नामेंट में सफर सेमीफाइनल पर खत्म हो गया । शनिवार को खेले गए मुकाबले में उन्हें मेजबान खिलाड़ी केंटा निशिमोटो ने तीन गेम तक चले कड़े मुकाबले में 19–21, 21–14, 12–21 से हराया । पहले गेम में लक्ष्य ने 8–3 की बढ़त लेकर शानदार शुरुआत की, लेकिन निशिमोटो ने सात लगातार पॉइंट लेकर मैच की गति बदल दी । अंत में नेट पर हुई गलतियों ने भारतीय खिलाड़ी को गेम गंवाने पर मजबूर किया । दूसरे गेम में लक्ष?य ने शानदार वापसी की । 1–5 से पीछे रहने के बाद उन्होंने नियंत्रित रैलियों और धारदार स्मैश के दम पर 21–14 से मैच को निर्णायक गेम तक पहुंचाया । तीसरे गेम में निशिमोटो पूरी तरह हावी दिखे । तेज अटैक और सटीक शॉट्स की मदद से उन्होंने 14–7 की बड़ी बढ़त बना ली । इसके बाद लक्ष्य मैच में लौट नहीं सके और जापानी खिलाड़ी ने 21–12 से जीत दर्ज कर फाइनल में प्रवेश कर लिया । इससे पहले लक्ष्य ने क्वार्टरफाइनल में पूर्व विश्व चैंपियन लोह कीन यू को 21–13, 21–17 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी । वह टूर्नामेंट में टिके रहने वाले भारत के आखिरी खिलाड़ी थे, क्योंकि एचएस प्रणय दूसरे राउंड में ही बाहर हो गए थे और डबल्स व महिला वर्ग में भारत का सफर बुधवार को ही समाप्त हो गया था ।

आईपीएल2026 से पहले राजस्थान रॉयल्स में वापसी पर बोले जडेजा: ये टीम नहीं, मेरा घर है

जयपुर (एजेंसी)। टीम इंडिया के स्टार ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने 2026 IPL सीज़न से पहले राजस्थान रॉयल्स में अपनी शानदार वापसी पर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि RR ने ही उन्हें पहला बड़ा मंच और जीत का पहला स्वाद दिया था, इसलिए यहां लौटना उनके लिए 'घर वापस आने जैसा' है।

IPL इतिहास के सबसे बड़े ट्रेडों में से एक में, संजू सैमसन को CSK भेजा गया, जबकि RR को बदले में रवींद्र जडेजा और सैम करन मिले। यह ट्रेड क्रिकेट जगत में बड़ी चर्चा का विषय बना हुआ है।

जडेजा ने टीम की वेबसाइट पर कहा, 'राजस्थान रॉयल्स ने मुझे मेरा पहला प्लेटफॉर्म दिया। यहां लौटना सिर्फ टीम में वापसी नहीं, बल्कि घर वापसी जैसा है। मैंने यहां अपना पहला IPL जीता था और उम्मीद है कि वर्तमान टीम के साथ और भी खिताब जीतूंगा।'

जडेजा 2008 में RR की पहली IPL विजेता टीम का हिस्सा थे। 27 मैचों में उन्होंने 430 रन बनाए और 6 विकेट भी लिए। 19 विश्व कप जीत के बाद यह उनका पहला बड़ा मंच था जिसने उनके करियर की दिशा बदल दी। RR के क्रिकेट डायरेक्टर कुमार संगकारा ने भी जडेजा की वापसी को 'अत्यंत खास' बताया। उन्होंने कहा कि जडेजा का अनुभव, शांत स्वभाव और गेम-चेंजर क्षमता टीम को नई मजबूती देगी। साथ ही सैम करन को 'दबाव में खिलने वाला खिलाड़ी' बताया।

दूसरी ओर, संजू सैमसन अब CSK का हिस्सा होंगे। RR के लिए वह 11 सीज़न खेल चुके हैं और टीम के सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं–155 मैचों में 4,219 रन। 2024 से 2025 के बीच उनकी कप्तानी और प्रदर्शन ने टीम को मजबूती दी, हालांकि पिछले सीज़न में चोट के कारण RR का अभियान डगमगा गया। उधर, जडेजा का CSK करियर भी बेहद शानदार रहा है– CSK के लिए सबसे ज्यादा विकेट: 143, 254 IPL मैच– 2,198 रन, 5 फिफ्टी, 2023 IPL फाइनल के हीरो, जब उनकी आखिरी ओवर की बल्लेबाज़ी ने CSK को खिताब दिलाया। CSK के साथ तीन IPL खिताब भी जीते (2018, 2021, 2023)

सैम करन (64 IPL मैच, 997 रन, 59 विकेट) RR के लिए एक महत्वपूर्ण ऑलराउंड विकल्प होंगे और टीम की संतुलन क्षमता को और मजबूत करेंगे।

2026 IPL से पहले यह ट्रेड न सिर्फ RR और CSK के लिए बड़ा बदलाव है, बल्कि पूरे टूर्नामेंट के गतिशीलता को बदल सकता है। जडेजा की घर वापसी ने फैंस में जबर्दस्त उत्साह भर दिया है।

झारखंड स्थापना दिवस पर विशेष

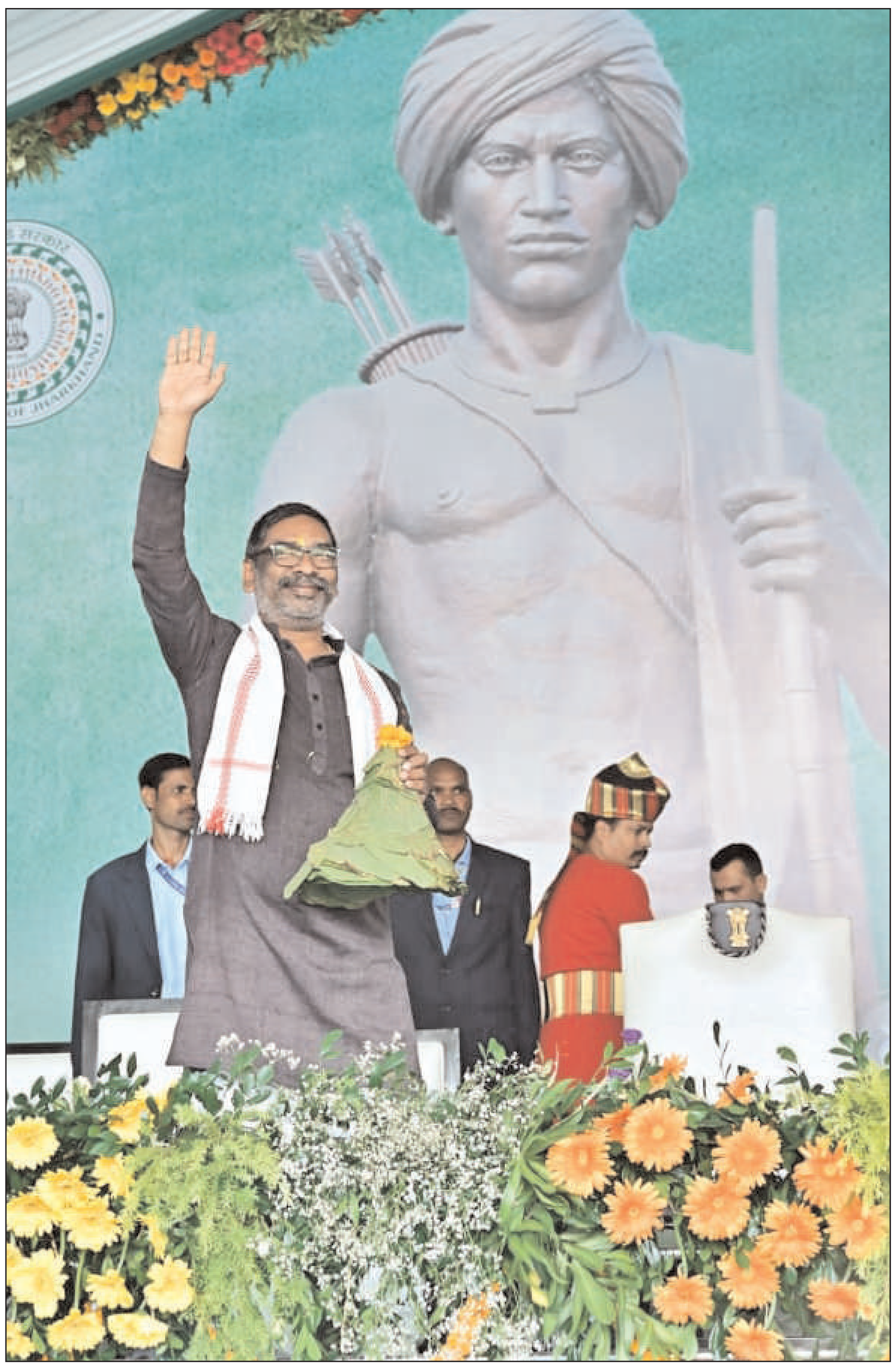

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातु, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 **A** कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 7903538992, 9570107019, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**